शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 56 | गुवाहाटी | गुरुवार, 21 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुख्यमंत्री आत्मनिर्भरशील असम अभियान शुरू पेज 3

मानवाधिकार सुनिश्चित करना अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का नैतिक दायित्व : राष्ट्रपति पेज 4

एचबीटीयू में 29 सितंबर को होगा दीक्षांत समारोह, तीन छात्रों को मिलेगा... पेज 5

किसानों और युवाओं के साथ कांग्रेस सरकार ने धोखा किया : मंत्री शेखावत पेज 8

नारी शक्ति वंदन विधेयक लोस में पास

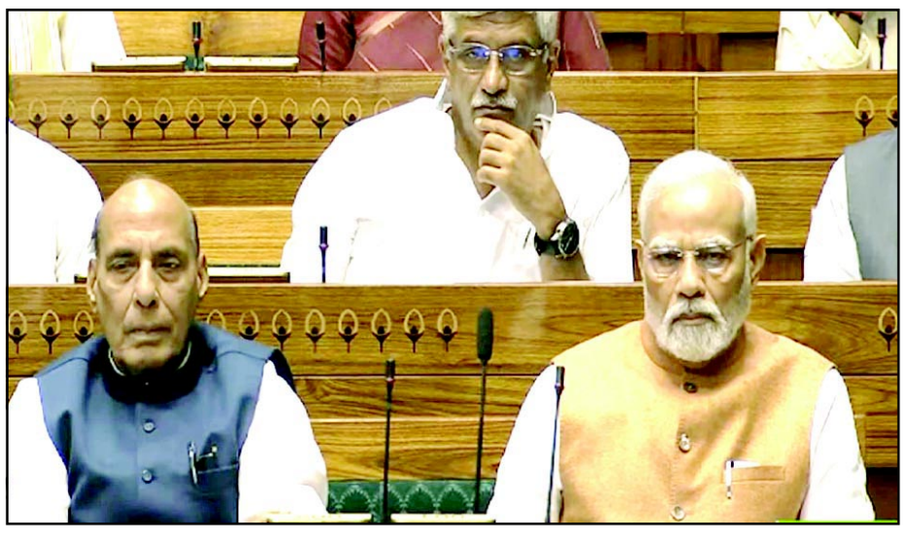

नई दिल्ली। नारी शक्ति वंदन विधेयक को चर्चा के बाद लोकसभा में पास कर दिया गया। महिला सशक्तिकरण को लेकर यह काफी अहम माना जा रहा है। इस विधेयक को लगभग सभी पार्टियों ने अपना समर्थन दिया है। वोटिंग के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोकसभा में मौजूद रहे। विधेयक के पक्ष में 454 वोट पड़े जबकि दो खिलाफ में गए। हालांकि, उनके कुछ सवाल भी थे। कुछ पार्टियों की ओर से इसे चुनावी जुमला बताया गया और सवाल किया गया कि इसे कब लागू किया जाएगा? कुछ ने सवाल उठाए कि आखिर इस विधेयक को लागू करने के लिए परिसीमन और जनगणना की क्या आवश्यकता है? यह अभी क्यों नहीं लागू हो सकता? वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जल्द से जल्द परिसीमन और जनगणना के बाद इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह हमारे लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं हैं। इस दौरान जातीय जनगणना का भी मुद्दा उठा और साथ ही साथ ओबीसी में भी महिला आरक्षण का भी मुद्दा उठा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को सरकार से आग्रह किया कि *नारीशक्ति वंदन विधेयक* के कानून बनने के साथ इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए क्योंकि इसे लागू करने में देरी भारत की महिलाओं के साथ घोर नाइंसाफी होगी। उन्होंने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023 का समर्थन किया और यह भी कहा कि जाति जनगणना करा कर इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की जाए। विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने में अपने पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदान को याद किया और कहा कि इस महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने से उनके दिवंगत पति का अधूरा सपना पूरा होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर महिला आरक्षण विधेयक को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि आधी आबादी को अधिकार देने का विधेयक लाने का श्रेय केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी को जाता है। निचले सदन में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान (128वां संशेधान) विधेयक, 2023 पर चर्चा में भाग लेते हुए दुबे ने कहा कि कांग्रेस समेत विपक्षी दल इतने वर्षों तक इस विधेयक को लेकर नहीं आए और प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा ने इसे लाने का नैतिक साहस दिखाया। द्रविण मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिला आरक्षण विधेयक को राजनीतिक रंग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि महिलाओं को पूजा और वंदन की जरूरत नहीं है, उसे समानता और सम्मान की जरूरत है। लोकसभा में संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा में भाग लेते हुए द्रमुक की सदस्य कनिमोझी ने इसका समर्थन किया और कहा कि लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा ने इसे भी राजनीतिक रंग देने की कोशिश की। वर्ष 2024 के चुनावों को ध्यान में रखकर यह विधेयक लाया गया है। समाजवादी पार्टी की सदस्य डिंपल यादव ने बुधवार को लोकसभा में सरकार से आग्रह किया कि महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रावधान वाले *नारीशक्ति वंदन विधेयक* में अनुसूचित जाति और अनुसूसित जनजाति (एससी/एसटी) के साथ ही अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) तथा अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के लिए अलग कोटा निर्धारित किया जाए। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से लोकसभा सदस्य डिंपल ने यह सवाल भी किया कि चुनाव से ठीक पहले सरकार को महिलाओं की याद क्यों आई? उन्होंने यह सवाल किया कि क्या आरक्षण अगले लोकसभा चुनाव और आगामी विधानसभा चुनाव में लागू हो पाएगा या नहीं? केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सरकार पर महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक आगामी लोकसभा चुनाव में फायदा पाने के लिए लाने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि संसद में हर फैसला चुनाव को देखकर नहीं किया जाता। लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा के दौरान हस्तक्षेप करते हुए केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि विधेयक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटा की मांग करने वाली कांग्रेस ने 2010 में उसके नेतृत्व वाली सरकार के समय -शेष पृष्ठ दो पर

असम में अवैध प्रवासियों के मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में 17 अक्तूबर को

नई दिल्ली। असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित मामले में उच्चतम न्यायलय ने बुधवार को कहा कि वह इससे संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता की जांच के लिए 17 अक्तूबर को सुनवाई शुरू करेगा। नागरिकता अधिनियम में धारा 6ए को असम समझौते के अंतर्गत आने वाले लोगों की नागरिकता से निपटने के लिए एक विशेष प्रावधान के रूप में जोड़ा गया था। इस प्रावधान के तहत जो लोग 1985 में संशोधित नागरिकता अधिनियम के अनुसार 1 जनवरी 1966 को या उसके बाद लेकिन 25 मार्च 1971 से पहले बांग्लादेश सहित निर्दिष्ट क्षेत्रों से असम आए हैं और तब से असम के निवासी हैं। नागरिकता के लिए उन्हें धारा 18 के तहत खुद को पंजीकृत करना होगा। परिणामस्वरूप असम में बांग्लादेशी प्रवासियों को नागरिकता देने की कट-ऑफ तारीख 25 मार्च, 1971 तय -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर की हालत के लिए कांग्रेस की नीतियां जिम्मेदार : हिमंत

जोधपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पर पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों में अपने शासन के दौरान परेशानी पैदा करने का बुधवार को आरोप लगाया। उन्होंने मणिपुर संकट के लिए भी कांग्रेस की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की *परिवर्तिन संकल्प* यात्रा के लिए जोधपुर पहुंचे शर्मा ने सनातन धर्म पर की गई टिप्पणियों पर कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन *इंडिया* की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि चुप्पी इन टिप्पणियों का समर्थन है। जोधपुर पहुंचने के बाद पत्रकारों से -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ. शर्मा की राज्यों से अवैध घुसपैठ रोकने की अपील

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने छत्तीसगढ़ समेत देश के सभी राज्यों को अवैध घुसपैठ के प्रति आगाह किया है। मुख्यमंत्री ने आज मीडिया से बातचीत करते हुए राजस्थान में कहा कि असम अवैध घुसपैठ की मार को झेल रहा है। दो दिन पहले भी एनआईए में इस संदर्भ में केश रजिस्टर्ड करवाया गया है। रोहिंग्या तथा बांग्लादेश के अन्य घुसपैठी त्रिपुरा होते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

राहुल या तो नादान हैं या बड़ी साजिश का हिस्सा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज एक बार फिर गांधी परिवार को निशाना बनाया। मुख्यमंत्री ने राजस्थान में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेशों में जाकर भी देश के विरुद्ध बातें किया करते हैं। यहां तक कि राजस्थान के पुलवामा में हुए शहीदों को लेकर भी उन्होंने सेना के विरुद्ध बातें की। इससे जाहिर होता है कि या तो राहुल गांधी -शेष पृष्ठ दो पर

गहलोत को बाबर-औरंगजेब से प्रेम : हिमंत विश्व शर्मा

जोधपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज लूणी में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा की सभा में अशोक गहलोत सरकार को आड़े हाथ लिया। इस दौरान उनकी जुबान भी फिसल गई और वे कह गए कि राजस्थान में कांग्रेस को लाना है। हिमंत विश्व ने मंच से कहा कि राजस्थान में कांग्रेस को लाइए, यह मोदीजी का चुनाव है। हमें मोदीजी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है। राजस्थान का चुनाव आप लोग सेमीफाइनल की तरह मान लो। हालांकि उन्हें कहना था कि राजस्थान में भाजपा को लाइए। सभा में उन्होंने राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि इस बार कांग्रेस की विदाई तय है। सीएम गहलोत अब 5 साल काम करने के बाद आराम करेंगे। असम के सीएम ने कहा कि अशोक गहलोत सारी दुनिया घूमते हैं, लेकिन वे रामलला के मंदिर नहीं जाते। वे रामलला के दर्शन करने के लिए कभी नहीं गए। उन्हें लगता है कि रामलला के दर्शन करने से बाबर नाराज हो जाएगा। पता नहीं उन्हें बाबर और औरंगजेब से क्या प्रेम है। अशोक गहलोत कहते हैं राजस्थान में हिंदुत्व को आने नहीं दूंगा, क्या हिंदुत्व तुम्हारा इंतजार करेगा। हर घर में हिंदू है, मैंने हिंदू होकर जन्म लिया और हिंदू होकर मरूंगा। वे सोचते हैं हम डिफेंसिव हो जाएंगे, लेकिन मैं कहता हूं कि राजस्थान आधिकारिक रूप से अगर हिंदुत्व प्रदेश बनता है तो खुशी ही होगी। राजस्थान हिंदुओं की संस्कार भूमि है। यहां हिंदुत्व नहीं होगा तो क्या बाबर-तंत्र चलेगा। बाबर को लाने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

असम में लगाए गए एक करोड़ से अधिक वृक्ष

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में एक करोड़ से अधिक वृक्ष लगाए गए। आज मुख्यमंत्री डॉक्टर हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि अमृत वृक्ष आंदोलन असम सरकार द्वारा राज्य में हरित आवरण बढ़ाने और वृक्ष अर्थव्यवस्था को विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। यह उल्लेखनीय पहलों में से एक है। इस कार्यक्रम के तहत अब तक राज्य भर में 1 करोड़ से अधिक पौधे लगाए -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

एनआईए ने 33 गैंगस्टरों की फोटो जारी की

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 33 गैंगस्टरों की सूची फोटो के साथ जारी कर आम लोगों से अपील की है कि वे आतंक के पर्याय बने इन गैंगस्टरों की जमीन, जायदाद, संपत्ति और व्यवसाय से जुड़ी जानकारी शेयर करें। इसमें लारेंस विश्नोई, जसदीप सिंह, काला जठेरी उर्फ संदीप, विरेंद्र प्रताप उर्फ काला राणा, जोगिंदर सिंह, दिलेर सिंह, दिनेश शर्मा, मनप्रीत सिंह पीता, हरिओम उर्फ टीटू, हरप्रीत, लखवीर सिंह, इरफान उर्फ छेनू पहलवान, सन्नी डागर, आशिफ खान, नवीन डबास उर्फ नवीन बाली, छोटू राम उर्फ भट्ट, जगसीर सिंह उर्फ जग्गा, सुनील बाल्यान उर्फ टिल्लू तेजपुरिया, भुपेंद्र सिंह उर्फ भूप्पी राणा, -शेष पृष्ठ दो पर

कनाडा को लेकर गौरव गोगोई केंद्र सरकार के साथ

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोप लगाए। इस बड़े विवाद के बीच कांग्रेस नेता और सांसद गौरव गोगोई ने बुधवार (20 सितंबर) को कहा कि कनाडा की राजनीति में पिछले कुछ सालों में एक विचित्र मोड़ आया है। उन्होंने इस मुद्दे पर कनाडा को कमजोर करार दिया। सांसद गौरव गोगोई ने कनाडा की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह के -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान की कॉपी से सेक्युलर सोशलिस्ट शब्द गायब

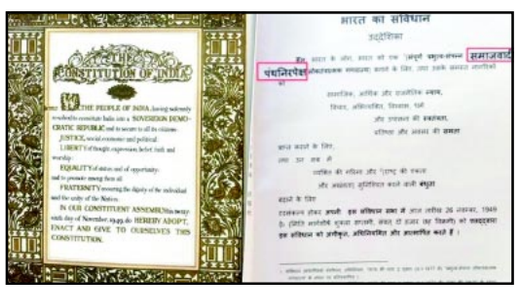

नई दिल्ली। संसद के नए भवन की कार्यवाही के दौरान संविधान की दी गई कॉपी में संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर-सोशलिस्ट शब्द गायब रहने लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के आरोप के बाद खलबली मच गयी है। अब यह तथ्य सामने आया है कि संविधान के अंग्रेजी में लिखी प्रस्तावना में सेक्युलर-सोशलिस्ट शब्द नहीं हैं, लेकिन हिंदी में लिखी प्रस्तावना में समाजवपादी-पंथनिरपेक्ष शब्द अपनी जगह पर हैं। बता दें कि अधीर रंजन चौधरी ने आरोप लगाया था कि भारतीय संविधान की प्रति से सेक्युलर-सोशलिस्ट शब्द गायब हैं और इसे लेकर उन्हें चिंता है। उन्होंने इसे उठाने की भी कोशिश की थी, लेकिन उन्हें मौका नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि जब कल वह संविधान (संविधान की नई प्रतियां) पढ़ रहे थे, -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
जो अपने कर्तव्यों से बचते हैं, वे अपने आश्रितों परिजनों का भरण-पोषण नहीं कर पाते।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

ठेकेदार का नाम उपायुक्त कार्यालय से भेजा गया था : रानी

गुवाहाटी (हि.स.)। सीएम विजिलेंस द्वारा किए गए पूछताछ के दौरान पूर्व सांसद रानी नरह ने अपना पल्ले झाड़ते हुए ठेका आबंटन का सारा ठीकरा जिला उपायुक्त पर फोड़ दिया। उन्होंने कहा कि ठेकेदार का नाम मुझे जोरहाट उपायुक्त कार्यालय से भेजा गया था। अधिकारी द्वारा पूछताछ के दौरान उन्होंने ठेकेदार बासाराम बरुवा का नाम बताया। रानी नरह ने यह भी खुलासा किया कि उपायुक्त कार्यालय द्वारा उनके बॉडीगार्ड रंजीत सुतिया के मार्फत पत्र भेजा गया था। उन्होंने बताया कि पीएसओ -शेष पृष्ठ दो पर

श्रीराम जन्मभूमि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह 16-24 जनवरी के बीच

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम को व्यापक बनाने के लिए विश्व हिंदू परिषद ने अपनी संगठनात्मक शक्ति लगानी शुरू कर दी है। देश भर के संतों का प्रतिनिधित्व समारोह में शामिल होगा। आमंत्रण देने की प्रक्रिया प्रारंभ हो इसको लेकर विहिप की अखिल भारतीय धर्माचार्य संपर्क प्रमुखों की तीर्थ क्षेत्र भवन रामकोट में बैठक हुई। बैठक में बताया गया कि 16 जनवरी से 24 जनवरी के मध्य गर्भगृह में श्रीरामलला विराजमान हो जाएंगे। प्राणप्रतिष्ठा समारोह में देश भर के करीब चार हजार संतों को आमंत्रित करने की योजना है। विहिप उपाध्यक्ष और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने देश के विभिन्न प्रांतो से आए धर्माचार्य संपर्क प्रमुखों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के इस महाअभियान में संतों का अतुलनीय योगदान रहा जिसे विस्मृत नही किया जा सकता है। उन्होंने संपर्क प्रमुखों को बताया कि श्रीराम जन्मभूमि का निर्माण कार्य अपनी गति से चल रहा है, जो समय से पूर्ण हो जाएगा। प्राणप्रतिष्ठा में अयोध्या धाम आने वाले चार हजार संतों के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा भोजन आवास की व्यवस्था जा रही है। बैठक में केंद्रीय संयुक्त मंत्री रासविहारी सहित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उड़ीसा, -शेष पृष्ठ दो पर

मालवाहक वाहन की चपेट मे एसयूवी कार, आठ की मौत

कोहिमा। नगालैंड के त्सेमिन्यु जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। बुधवार को एक मालवाहक वाहन की चपेट में आने से एक एसयूवी कार खाई में गिर गई, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना राजधानी कोहिमा से लगभग 65 किलोमीटर दूर के स्टेशन के पास बुधवार सुबह हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक भी सड़क में फिसल गया और एसयूवी के ऊपर खाई में गिर गया। एसयूवी कोहिमा से मोकोकचुंग की ओर जा रही थी, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया की इस हादसे में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की अस्पताल ले जाते समय रास्ते -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

शिव शक्ति प्वाइंट पर सूर्योदय, फिर जागने वाले हैं विक्रम और रोवर प्रज्ञान

श्रीहरिकोटा। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर एक बार फिर सुबह होने वाली है। इसके साथ ही लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान को जगाने की तैयारी हो रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने चंद्रयान -3 मिशन के विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर के साथ फिर से संचार स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। चंद्र रात्रि के कारण चंद्र जोड़ी पिछले 15 दिनों से स्लीप मोड में है, लेकिन शिव शक्ति प्वाइंट पर सूर्य के प्रकाश के आगमन के साथ उनकी परिचालन स्थितियों में सुधार होने की उम्मीद है। इसरो ने बताया कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में चंद्रयान-3 लैंडिंग स्थल पर सूर्योदय हो चुका है और वे बैटरी के रिचार्ज होने का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें विक्रम और प्रज्ञान के साथ फिर से संचार स्थापित होने की उम्मीद है। मिशन के लिए सूर्योदय एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि यह लैंडर और रोवर को कार्य करने के लिए आवश्यक गर्मी प्रदान करेगा। इसरो ने कहा है कि वे 22 सितंबर को संचार प्रयास शुरू करने से पहले तापमान के एक निश्चित स्तर से ऊपर बढ़ने का इंतजार करेंगे। 14 जुलाई, 2023 को लॉन्च किया गया चंद्रयान-3 मिशन पहले ही महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर चुका है। इसने भारत को चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने वाला चौथा देश और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास ऐसा करने वाला पहला देश बना दिया। मिशन का प्राथमिक उद्देश्य इस वैज्ञानिक रूप से पेचीदा क्षेत्र का पता लगाना है, जिसके बारे में माना जाता है कि इसमें पर्याप्त मात्रा में जमा हुआ पानी मौजूद है। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर 23 अगस्त को उतरने के बाद से विभिन्न प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने चंद्रमा के आयनमंडल में इलेक्ट्रॉन घनत्व को मापा है और चंद्रमा की सतह के तापमान की रीडिंग ली है। प्रज्ञान रोवर ने चंद्रमा की सतह पर विक्रम लैंडर की पहली छवि भी खींची। हालांकि, चांद की रात में परिचालन रुक गया क्योंकि सौर ऊर्जा से चलने वाले वाहनों की बैटरियां इतनी शक्तिशाली नहीं थीं कि वे सूर्य के प्रकाश की अनुपस्थिति में अपने सिस्टम को चालू रख सकें। चंद्रमा की सुबह के साथ, इसरो को उम्मीद है कि यदि इलेक्ट्रॉनिक्स उस ठंडी रात में जीवित रहने में सक्षम हैं तो मिशन अपने अभूतपूर्व अन्वेषण को फिर से शुरू कर सकता है।

प्रेम प्रसंग के दौरान शारीरिक संबंध दुष्कर्म नहीं : एचसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रेम प्रसंग के दौरान शारीरिक संबंध बनाने को अपने एक बड़े फैसले में कहा कि इसे दुष्कर्म की कैटगरी में रख सकते। एक युवती की अर्जी पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि प्रेम प्रसंग के दौरान शारीरिक संबंध बनाना दुष्कर्म नहीं है। दरअसल, हाईकोर्ट में अर्जी में युवती ने आरोप लगाया है कि वह एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग में थी। इस दौरान आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर बाद में शादी से इंकार कर दिया। यह केस संत कबीर नगर के थाने में दर्ज हुआ जिसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जिसके बाद कोर्ट ने माना कि पीड़ित युवती दुष्कर्म का जो समय बता रही है, उस समय वह बालिग थी और खुद अपनी मर्जी से आरोपी युवक के साथ शारीरिक संबंध बनाए ऐसे में इस तरह के संबंध को किसी भी दृष्ट से दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। इसी के साथ हाईकोर्ट ने युवती की अर्जी को रद्द कर दिया। पीड़ित युवती संत कबीर नगर की रहने वाली है। उसने पुलिस में शिकायत दी थी कि वह साल 2008 में अपनी बहन की शादी के लिए गोरखपुर गई थी जहां आरोपी से उसकी मुलाकात हुई और फिर दोनों में प्यार हुआ और आरोपी ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया गया।

ड्यूटी पर तैनात विद्युत विभाग के कर्मचारी पर हमला

ग्वालपाड़ा (हिंस)। रात में ग्वालपाड़ा के शिमलीतोला में सनसनीखेज घटना घटी। ड्यूटी पर तैनात एपीडीसीएल कर्मचारियों पर युवकों के एक समूह ने हमला कर दिया। युवकों ने कर्मचारी से 51 हजार रुपए सहित दो मोबाइल फोन छीन लिए। पुलिस ने आज बताया कि यह घटना उस समय हुई जब बाधित बिजली सेवाएं शुरू होने जा रही थी। कर्मचारियों को कथित तौर पर युवकों के एक समूह ने उनके वाहनों को रोकने के बाद पीटा। घायल कर्मचारियों में लुत्फर रहमान, जाहेदुल इस्लाम, जहांनुर आलम और रबीउल हुसैन शामिल हैं। हमलावरों की पहचान रफीकुल खान, जयदेव दास, मृदुल मेधी और अमिताभ मेधी के रूप में हुई है। पीड़ितों ने पुलिस स्टेशन में हमलावरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। एपीडीसीएल के शीर्ष अधिकारियों ने घटना में शामिल लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। अशांत मणिपुर में अवैध आग्नेयास्त्रों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। मणिपुर पुलिस ने आज बताया है कि अभियान के तहत पुलिस ने मंगलवार को राज्य के कई हिस्सों में छापेमारी की। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने मणिपुर के बिष्णुपुर, चुराचांदपुर और थौबल जिलों के विभिन्न इलाकों में छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की।

भारी मात्रा में बर्मीज सुपारी के साथ छह गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। जुगीचेरा इलाके में बर्मीज सुपारी की तस्करी के बारे में सूचना मिलने पर अब्दुल्लापुर पुलिस पोस्ट के आईसी और कटलीचेरा थाना के आईसी, करीचेरा पोस्ट के कर्मचारियों के साथ पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान, लगभग 8, 940 किलोग्राम बर्मीज सुपारी वजन के कुल 149 बोरों से लदे 8 वाहनों (इंट्रा 3, डीआई 1, इको वैन 1, ऑल्टो 2, बाइक 1) को रोका गया और जब्त कर लिया गया। पुलिस ने अकबर हुसैन लस्कर, जॉयनुल हक बरभुइयां, हुसैन अहमद बरभुइयां, कबीर हुसैन बरभुइयां, साकिर अहमद बरभुइयां, अकबर हुसैन बरभुइयां तथा साहब उद्दीन बरभुइयां को गिरफ्तार किया। सभी गांव साहबाद रोंगपुर, थाना काटलीचेरा के रहनेवाले हैं।

पीएम मोदी ने बाइडन को गणतंत्र दिवस समारोह में किया आमंत्रित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन हुआ। इस समारोह से इतर प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की थी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जो बाइडन को गणतंत्र दिवस समारोह में आमंत्रित किया। खबरों के मुताबिक, अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को 26 जनवरी- गणतंत्र दिवस समारोह के लिए आमंत्रित किया। वहीं, भारत-कनाडा विवाद पर एरिक गार्सेटी का कहना है कि कनाडा हमारा उत्तरी पड़ोसी है। हम भारत की तरह ही कनाडा की भी परवाह करते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि यह हमारे रिश्ते को परिभाषित नहीं करता है, लेकिन यह निश्चित रूस से प्रगति को धीमा कर सकता है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराना चाहिए। साथ ही हमें उम्मीद है कि पारंपरिक मित्र और साझेदार इसकी तह तक जाने में सहयोग करेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

नारी शक्ति वंदन...

इस विधेयक को लाये जाने के दौरान ओबीसी कोटे की बात क्यों नहीं की थी। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि कांग्रेस को क्या नया-नया यह ख्याल आया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक का विरोध किया और आरोप लगाया कि सरकार संसद में सिर्फ *सवर्ण महिलाओं* का प्रतिनिधित्व बढ़ाना चाहती है तथा उसे अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) एवं मुस्लिम समुदाय की महिलाओं की चिंता नहीं है। जनता दल (यूनाइटेड) ने नारीशक्ति वंदन विधेयक को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए सरकार का जुमला करार देते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि यह विधेयक कुछ और नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन इंडिया पर पैनिक रिएक्शन (घबराकर उठाया गया कदम) है। जदयू के सदस्य राजीव रंजन सिंह ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने के प्रावधान वाले संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023 पर निचले सदन में जारी चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि हमारी पार्टी विधेयक का समर्थन करती है, क्योंकि हम महिला सशक्तीकरण में विश्वास रखते हैं। लेकिन यह सरकार का 2024 का चुनावी जुमला है। भारतीय जनता पार्टी की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने बुधवार को लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक का समर्थन किया और सरकार से यह आग्रह भी किया कि इस विधेयक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की महिलाओं के लिए कोटे का प्रावधान किया जाए। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला आरक्षण विधेयक को अपना विधेयक बताने के कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के दावे पर परोक्ष निशाना साधते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि कुछ लोग इस विधेयक को अपना बताकर श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा नेता ईरानी ने महिला आरक्षण से संबंधित संविधान (128वां संशोधन) विधेयक 2023 पर निचले सदन में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि विपक्ष देशवासियों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष का नाम लिए बिना कहा कि सदन में कहा गया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने 2010 में विधेयक पेश किया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक का बुधवार को समर्थन किया और यह भी कहा कि इसमें अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए क्योंकि इसके बिना यह विधेयक अधूरा है। उन्होंने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने के प्रावधान वाले संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023 पर निचले सदन में चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सत्तापक्ष जातीय जनगणना की मांग से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहा है। राज्यसभा में बुधवार को सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारत बड़ी से बड़ी चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है। उच्च सदन में भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग विषय पर अल्पकालिक चर्चा की शुरुआत करते हुए सदन के नेता गोयल ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा में शामिल वैज्ञानिक समुदाय और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को बधाई दी और उसकी भावी योजनाओं के लिए शुभाकामनाएं दीं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने राज्यसभा में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की अब तक की उपलब्धियां किसी एक सरकार के कार्यकाल में नहीं हासिल हुई, बल्कि यह 60 साल लंबी यात्रा का परिणाम है। अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों का नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा श्रेय लिए जाने के विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को राज्यसभा में दावा किया कि इस क्षेत्र को आम आदमी एवं उद्योगों के लिए बंद करके रखा गया था जिससे इसकी प्रगति इतने वर्षों तक बाधित रही। उन्होंने बताया कि देश में अभी अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र में 150 स्टार्ट अप काम कर रहे हैं। राज्यसभा में बुधवार को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्य वी विजय साई रेड्डी ने कांग्रेस पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि उसने अपने शासनकाल में वैज्ञानिक समुदाय के साथ अन्याय किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को नौकरशाही के प्रभाव से मुक्त कराने के विपक्ष के सुझाव को खारिज करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने इस दिशा में भारत सरकार द्वारा किए गए प्रशासनिक सुधारों की सराहना की है।

असम में अवैध प्रवासियों ...

करने का प्रावधान है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि नोडल वकीलों ने मामले में सामान्य संकलन तैयार किया है। हालांकि, इसको सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है। पीठ में शामिल जस्टिस एएस बोपन्ना, एमएम सुंदरेश, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा ने बताया कि एक सामान्य सूचकांक तैयार किया जाएगा। सामान्य संकलन की सॉफ्ट कॉपी अक्तूबर तक तैयार की जाएगी। लिखित प्रस्तुतियां 10 अक्तूबर तक दायर की जाएंगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि कार्यवाही का शीर्षक नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6ए में होगा। केस लड़ने वाले पक्षों के वकील से शीर्ष अदालत ने 13 दिसंबर को असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6 ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह में निर्णय के लिए मुद्दों पर पूछताछ की थी। पीठ ने कहा था कि वकील इस अदालत के समक्ष निर्णय के लिए आने वाले मामलों को अलग-अलग श्रेणियों और जिस क्रम में दलीलें दी जानी हैं, में अलग कर देंगे, हम इसे निर्देशों के लिए रखेंगे। शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री को पीठ ने इस मुद्दे पर दायर याचिकाओं के पूरे सेट की स्कैनिंग की सॉफ्ट प्रतियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। इस मुद्दे पर 2009 में असम पब्लिक वर्क्स द्वारा दायर याचिका समेत 17 याचिकाएं शीर्ष अदालत में लंबित हैं। विदेशियों का पता लगाने और उन्हें निर्वासित करने के लिए 15 अगस्त, 1985 को ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन, असम सरकार और भारत सरकार द्वारा हस्ताक्षरित असम समझौते के तहत, असम में स्थानांतरित हुए लोगों को नागरिकता प्रदान करने के लिए नागरिकता अधिनियम में धारा 6 ए शामिल की गई थी। गुवाहाटी स्थित एक एनजीओ ने 2012 में धारा 6ए को चुनौती देते हुए इसे मनमाना, भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक बताया और दावा किया कि यह असम में अवैध प्रवासियों को नियमित करने के लिए अलग-अलग तारीखें देता है। दो जजों की बेंच ने 2014 में इस मामले को संविधान पीठ के पास भेज दिया था।

मणिपुर की हालत ...

बातचीत करते हुए शर्मा ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्य अशांत थे। आज सात राज्यों में शांति है। उन्होंने कहा कि आज मणिपुर की जो हालत है उसके लिए कांग्रेस (सरकार) की नीतियां जिम्मेदार हैं। मणिपुर में तीन मई को भड़की जातीय हिंसा में अबतक 175 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है तथा सैकड़ों लोग जख्मी हुए हैं। शर्मा ने सनातन धर्म पर द्रमुक नेताओं की टिप्पणी को लेकर *इंडिया* गठबंधन और कांग्रेस पर प्रहार किया। भाजपा नेता ने कहा कि इंडिया (गठबंधन) के सदस्यों द्वारा सनातन धर्म के खिलाफ बार-बार बयान देने के बावजूद, कांग्रेस ने चुप्पी साध रखी है। यहां तक कि राहुल गांधी ने भी सनातन धर्म की आलोचना से खुद को अलग करने के लिए कोई बयान जारी नहीं किया है। इससे साफ पता चलता है कि वह उनके साथ हैं। द्रमुक नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना वायरस जैसी बीमारियों से की थी और कहा था कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं करना चाहिए बल्कि खत्म कर देना चाहिए। शर्मा ने कहा कि अगर आप अकादमिक बहस में भी इस्लाम के खिलाफ बोलते हैं तो आपका सिर काट दिया जाता है, लेकिन इंडिया गठबंधन के सदस्यों द्वारा सनातन धर्म की लगातार आलोचना की जा रही है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं भी नहीं चाहता कि कोई इस्लाम के खिलाफ बोले, लेकिन सनातन धर्म के खिलाफ बयानों के बावजूद कांग्रेस ने चुप्पी साध रखी है। राजस्थान के बारे में शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत घबराए हुए हैं और कुछ-कुछ दिनों पर नई योजनाओं का ऐलान कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि यदि वह वास्तव में लोगों के कल्याण को लेकर चिंतित थे, तो उन्हें चुनाव से बहुत पहले ही ये योजनाएं शुरू करनी चाहिए थीं। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। शर्मा ने दावा किया कि असम में मंहगाई दर सिर्फ चार प्रतिशत है जबकि राजस्थान में यह 8.6 फीसदी है। उन्होंने राज्य में पेट्रोल-डीजल के अधिक दामों के लिए कांग्रेस से माफी की मांग की। उन्होंने कांग्रेस से राहत देने का *ड्रामा* बंद करने को भी कहा।

डॉ. शर्मा की ...

असम में घुसते हैं। और यहां स्थानीय बासिंदा के साथ शादी करके इसमें विलीन हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी रोहिंग्या के घुसपैठ के मामले सामने आए हैं। इसे यदि अभी नहीं रोका गया और एक बार ये समाज के अंदर घुस गए तो किस प्रकार डेमोग्राफी चेंज हो जाएगी, यह कहना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठियों की पहचान करें, उन्हें आने से रोकें और जो आ चुके हैं उन्हें अलग शिविर में रखें। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठी आज असम के लिए सर दर्द बन चुके हैं।

राहुल या तो ...

नादान हैं या फिर एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। ये वही लोग हैं, जो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को भारत के नशे से अलग करके दिखाते हैं। चीन के पक्ष में बोलकर भारतीय सेना का मनोबल नीचा करते हैं। पूर्वोत्तर के चिकननेक को काटकर चीन में मिलने की बात कहने वालों के साथ खड़े होते हैं। ये लोग हिंदू और सनातन धर्म को मलेरिया कहते हैं। उन्होंने कहा कि यह गांधी परिवार की साजिश है। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि भाजपा कोई परिवारवाद की पार्टी नहीं है। राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा यह कोई प्रश्न नहीं है। पार्टी का हर नेता यहां मुख्यमंत्री है। उन्होंने कहा कि भाजपा को संभालने के लिए नरेंद्र मोदी और अमित शाह काफी हैं, पार्टी की अंदरूनी राजनीति को लेकर आप लोग चिंता नहीं करें। सवाल पूछना है तो यह पूछे कि कांग्रेस गांधी परिवार से मुक्त कब होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में पिछले 5 वर्षों के कांग्रेस शासन काल में जनता हर तरह से परेशान रही है। असम जैसे छोटे प्रदेश में जहां पेट्रोल की कीमत 98 रुपए प्रति लीटर है। वहीं, राजस्थान में पेट्रोल की कीमत 108 रुपए प्रति लीटर है। ऐसे में महंगाई के विरुद्ध प्रदर्शन करने का कांग्रेस को क्या अधिकार है। आज कांग्रेस के जाने का समय हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की सरकार भारी बहुमत से बनने वाली है। पत्रकार सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों द्वारा पूछे गए कई सवालों के बेबाक और सीधे-सीधे उत्तर दिए।

गहलोत को बाबर-औरंगजेब ...

मतदाता सूचियों में गड़बड़ करते हो, पता नहीं बाबर से इतना क्यों प्यार करते हो। हिमंत विश्व ने कहा कि हिंदू तो कभी सिर तन से जुदा नहीं करता, लेकिन जब चुनाव में ईवीएम सामने आएगी तो राजस्थान के लोग कांग्रेस को राजस्थान से जुदा कर देंगे। उन्होंने कांग्रेस को वादाखिलाफी करने वाली पार्टी और सनातन विरोधी बताते हुए कहा कि यही उनकी असलियत है। इसलिए राजस्थान की धरती से कांग्रेस को विदा करना है। उन्होंने कहा कि गहलोत जी को शर्म आनी चाहिए। वे असम जैसे छोटे राज्य की तुलना में पेट्रोल और डीजल पर ज्यादा वैट ले रहे हैं। गहलोत बड़ी-बड़ी बातें करते हैं कि मैंने यह किया, वह किया। टीवी में विज्ञापन देते हैं। जनता का पैसा खर्च कर सिनेमा के एक्टर की तरह टीवी में बार-बार दिखते हैं। उन्हें राजस्थान की जनता के लिए काम करना चाहिए। असम के सीएम बोले कि राजस्थान में पेपर लीक करने वालों को फांसी पर लटकाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर अपराधियों को फांसी पर लटकाना गहलोत जी को नहीं आता तो हमें बुलाओ, हम लटका देंगे। उन्होंने कहा कि बस अब बहुत हो चुका है। कांग्रेस को आप राजस्थान से विदा करो। राजस्थान में भाजपा को लाना है। यह मोदी का चुनाव है, मोदी को तीसरी बार पीएम बनाना है। राजस्थान के चुनाव को आप सेमीफाइनल मान लीजिए। बीजेपी को 160-170 सीटें दिलाइए और मोदीजी को सौ फीसदी सीटें दीजिए। इस दौरान विश्व ने यह भी कहा कि उन्हें ठीक से हिंदी बोलना नहीं आता, शायद कभी-कभी कुछ गलती कर जाते हैं। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सभा में कहा कि ये कांग्रेसी अब राज से बाहर जा रहे हैं तो इंश्योरेंस कंपनी से पैसे बटोर रहे हैं। किसानों को इन्होंने बर्बाद किया है। मुझे हर घर जल पहुंचाने की जिम्मेदारी मिली, लेकिन हमारे यहां ही स्थिति खराब है। लूणी में भाई-भतीजावाद किया गया। लाइन को तोड़ने का काम राजस्थान में हुआ है। इस योजना में राजस्थान सरकार ने राजनीति की है। इससे पहले सुबह सर्किट हाउस में असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस कर कांग्रेस को सनातन धर्म विरोधी पार्टी बताया था और सनातन धर्म के खिलाफ माहौल बनाने का आरोप गांधी परिवार पर लगाया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस की नीतियों ने पूर्वोत्तर को कमजोर कर दिया।

असम में लगाए...

गए हैं। मैं (मुख्यमंत्री) असम के लोगों को उनके सहयोग और सक्रिय भागीदारी के लिए तहे दिल से धन्यवाद् और आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

एनआईए ने 33...

संदीप उर्फ बंदर, सुखदूल सिंह, गुरपिंदर सिंह, नीरज उर्फ पंडित, लखवीर सिंह उर्फ लांडा, दिनेश शर्मा उर्फ गांधी, गौरव पात्याल उर्फ सौरभ ठाकुर, सुखप्रीत सिंह उर्फ बुड्डा, अमित डागर, कौशल चौधरी, गोल्डी बरार, अर्शदीप सिंह गिल, दरमन सिंह, अनमोल विश्नोई, सहित 33 गैंगस्टरों का नाम शामिल है। इनके खिलाफ 2022 के दौरान दिल्ली में दर्ज मामले (38/2022/एनआईए/डीएलआई व आरसी-39/2022/एनआईए/डीएलआई) का हवाला देते हुए एनआईए ने कहा कि इन गैंगस्टरों द्वारा किसी भी दोस्त, रिश्तेदार व सहयोगी के नाम से कोई भी बेनामी संपत्ति खरीदी गई हो तो उसकी भी जानकारी दें। एनआईए ने सूचना एकत्र करने के लिए एक फोन नंबर 91-7290009373 भी जारी किया है।

कनाडा को लेकर ...

एक सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे कनाडा के लिया नुकसान बताया। उन्होंने कहा कि कनाडा को अपने स्थानीय वोटरों को रिझाने के इस फैसले से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कूटनीतिक हितों को नुकसान हो सकता है। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह ने एक्स पर कहा कि आज हमें इन आरोपों के बारे में पता चला कि भारत सरकार के एजेंटों ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी, जो कि कनाडा की धरती पर मारा गया एक कनाडाई नागरिक था। सभी कनाडाई लोगों के लिए, यह मेरी प्रतिज्ञा है। मैं नरेंद्र मोदी को जवाबदेह ठहराने सहित न्याय की खोज में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। गौरव गोगोई ने एक्स पर जगमीत सिंह की पोस्ट पर जवाब देते हुए कहा कि कनाडा की राजनीति में पिछले कुछ सालों में एक विचित्र मोड़ आया है। यह प्रधानमंत्री पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार का बयान है। यह दिखाता है कि कैसे स्थानीय वोटरों को बढ़ावा देना अंतर्राष्ट्रीय मंच पर किसी देश के रणनीतिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। कनाडा को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। वहीं, खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की कथित हत्या में शामिल होने के लिए भारत पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों पर कटाक्ष करते हुए, कनाडा के विपक्षी नेता पियरे पोइलिवरे ने कहा है कि ट्रूडो सभी तथ्यों के साथ सफाई देनी चाहिए। मंगलवार को एक मीडिया संबोधन में, पोइलिवरे ने कहा कि मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री ट्रूडो को सभी तथ्यों के साथ स्पष्ट रूप से सामने आने की जरूरत है। हमें सभी संभावित सबूतों को जानने की जरूरत है ताकि कनाडाई उस पर निर्णय ले सकें। पोइलिवरे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कोई सबूत नहीं दिया है। उन्होंने एक बयान दिया है और मैं सिर्फ इस बात पर जोर दूंगा कि उन्होंने मुझे निजी तौर पर उतना कुछ नहीं बताया जितना उन्होंने सार्वजनिक रूप से कनाडाई लोगों को बताया था। इसलिए हम और ज्यादा जानकारी सुनना चाहते हैं।

संविधान की कॉपी...

उन्हें धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी दो शब्द नहीं मिले थे। उन्होंने कहा कि तब उन्होंने खुद अपने आप से जोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने इसे राहुल गांधी को भी दिखाया। यह हमारे संविधान को बदलने की जानबूझकर की गई कोशिश को दर्शाता है और यह चिंता में डालने वाला है। बीजेपी सांसद सुशील मोदी का कहना है कि ऐसा नहीं कहा गया था कि यह संशोधित प्रति है। जब संविधान स्वीकार किया गया तो यह मूल प्रति थी। इसमें *समाजवादी धर्मनिरपेक्ष* शब्द नहीं थाज्क्या क्या समाजवादी शब्द की अब कोई प्रासंगिकता है? यह एक अनावश्यक विवाद है। लेकिन बुधवार को संविधान की प्रस्तावना की अंग्रेजी और हिंदी दोनों ही कॉपी सामने आयी है। इस कॉपी से साफ है कि अंग्रेजी वाली प्रस्तावना में सेक्युलर-सोशलिस्ट नहीं हैं, जबकि हिंदी वाली प्रस्तावना में समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्द हैं। बता दें कि कि साल 1976 में संविधान में संशोधन के बाद संविधान में समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़े गए गए थे। अधीर ने आरोप लगाया है कि यह संविधान को बदलने के जानबूझकर किए गए प्रयास हैं। बता दें कि 15 अगस्त, 1947 को अंग्रेजों से देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद देश का नया संविधान बनाने के लिए संविधान सभा का गठन हुआ था। काफी बहस के बाद 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने नये संविधान को स्वीकृति दी थी और यह संविधान 26 जनवरी 1950 को औपचारिक रूप से लागू हुआ था। संविधान की प्रस्तावना संविधान का संक्षिप्त परिचयात्मक वक्तव्य है, जो संविधान के मार्गदर्शक उद्देश्य और सिद्धांतों को दर्शाता है और इसे संविधान की आत्मा भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें संविधान के मूलभूत तत्व समाहित हैं। लेकिन संविधान बनने के बाद से समय और आवश्यकतानुसार इसमें लगातार संशोधन हो रहे हैं और साल 1976 में संविधान में 42वां संशोधन किया गया। उस समय इंदिरा गांधी की सरकार थी और तीन नए शब्द *समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष* और *अखंडता* संविधान में जोड़े गए।

श्रीराम जन्मभूमि प्राण...

पश्चिम बंगाल, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, असम, दिल्ली, पंजाब आदि के प्रमुख उपस्थित रहे। बैठक को अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री महामंडलेश्वर जितेंद्रानंद सरस्वती ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा श्रीराम सामाजिक समन्वय के अधिष्ठाता हैं,लोककल्याण के लिए उनकी समस्त यात्रा हुई। एक लंबे संघर्ष के उपरांत भगवान अपने सिंहासन पर आसीन होने जा रहे हैं। देश इस महाउत्सव का साक्षी बनने जा रहा है और रामभक्तों के स्वप्न की सिद्धि भी होने जा रही है। इस उत्सव में हर स्तर पर हम सभी सहयोगी बनें। जो कार्य प्राप्त हों उसे मंत्र माने और उसे क्रियान्वित करें। बैठक में चंपत राय ने सभी से आह्वान किया कि प्राणप्रतिष्ठा के दिन दीपोत्सव मनाया जाना चाहिए। इससे प्राणप्रतिष्ठा समारोह अपने व्यापक स्वरूप को प्राप्त करेगा। उन्होंने अपील किया है कि संपूर्ण राष्ट्र का हर घर राममय हो, इसके लिए घर-घर संपर्क होगा। प्राण प्रतिष्ठा तिथि पर रामभक्त पांच दीपक घर की चौखट पर अवश्य जलाएं और दीपोत्सव मनाएं।

मालवाहक वाहन की...

में मौत हुई। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में नगालैंड कर्मचारी चयन बोर्ड (एनएसएसबी) की परीक्षा पास की थी। तीनों महिलाओं को ग्रेड-3 कर्मियों के रूप में सरकारी सेवा में शामिल होने के लिए नियुक्ति पत्र भी मिला था। गौरतलब है कि 4 जुलाई को नगालैंड के दीमापुर जिले के चुमुकेदिमा में भूस्खलन की चपेट में एक कार आ गई थी। दरअसल, बारिश के दौरान पहाड़ से एक पत्थर खिसककर नीचे सड़क पर खड़ी एक कार के ऊपर गिर गया था। पत्थर ने कार को पूरी तरह से कुचल दिया था। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 3 लोग घायल हुए थे। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी तेजी से वायरल हुआ, जिसे देखकर हर कोई हैरान है।

ठेकेदार का नाम ...

रंजीत सुतिया का कुछ दिन पहले निधन हो चुका। पूर्व सांसद ने कहा कि पत्र लखीमपुर में उनके घर पर भेजा गया था। जरूरत पड़ने पर रानी नरह पत्र लाकर दे सकेंगी। इसी बीच, हाल ही में बीमार ठेकेदार बच्चाराम बरुवा का राज्य के बाहर एक अस्पताल में ईलाज चल रहा है। उन्हें असम आकर सीएम विजिलेंस में पेश होना होगा। ज्ञात हो कि सांसद ऐच्छिक कोश से चापाकल लगाने के लिए दिए गए जिस ठेके में गवन का आरोप पूर्व सांसद रानी पर लगा है, उसके ठेकेदार बरुवा ही थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व सांसद रानी नरह से मंगलवार को सीएम विजिलेंस द्वारा कुल छह घंटे तक पूछताछ किए जाने के बाद बुधवार को भी पूछताछ जारी रहा। जांच अधिकारी से पूछताछ के दौरान रानी नरह ने यह विस्फोटक बयान दिए।

नई तकनीक से 20 दिन में टूटे बांध का हुआ निर्माण : पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। कुछ दिन पहले से सिपाझाड़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुछ इलाकों में तबाही मच गई थी। दुवरीपार में बांध का कुछ हिस्सा ननै नदी के बाढ़ के पानी में बह गया था। नतीजतन, इस बड़े क्षेत्र के लगभग 25 गांवों में बाढ़ आ गई और लोग तबाह हो गए। घटना के एक दिन बाद जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका स्थानीय विधायक डॉ. परमानंद राजबंशी के साथ अधिकारियों को साथ लेकर पहुंचे थे। मंत्री हजारिका ने इलाकों का दौरा किया और बाढ़ पीड़ितों के साथ बातचीत की। मंत्री के दौरे के दौरान उनके साथ बांध के पुनर्निर्माण के लिए जल संसाधन विभाग के कार्यकारी अभियंता सहित संभागीय अधिकारियों और प्रतिनिधियों को आदेश दिए गए थे। त्वरित गति से काम किया गया। बांध टूटने के 20 दिन बाद नई तकनीक से काम पूरा कर दिया गया। इस संबंध में मंत्री ने किसी की निंदा किए बिना विनम्रतापूर्वक सोशल मीडिया के जरिये कहा है कि इस तरह के कार्य को करने में लगभग छह महीने का समय लगता था। लेकिन, जल संसाधन विभाग ने केवल 20 दिनों में पूरा काम पूरा कर लिया।

मुख्यमंत्री आत्मनिर्भरशील असम अभियान शुरू

23-24 सितंबर से होगी रजिस्ट्रेशन की शुरुआत

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री आत्मनिर्भरशील असम अभियान की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए की गई एक बैठक में इस अभियान के रूपरेखा को अंतिम रूप दे दी। इस बैठक में गुवाहाटी से राज्य के मुख्य सचिव पवन बरठाकुर के साथ ही राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि असम के दो लाख युवकों को इस योजना तहत दो-दो लाख रुपए की एक मुफ्त सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा के इस योजना के तहत लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन 23 या 24 सितंबर से शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता नहीं, बल्कि रोजगार के साधन उपलब्ध करवाने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के जरिए राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिशें की जा रही है।

दो लाख रुपए के नकली नोट के साथ दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र की जोराबाट पुलिस ने नकली नोट के कारोबार में शामिल दो आरोपियों को दो लाख रुपए के नकली नोट के साथ गिरफ्तार किया है। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर ने बुधवार को बताया कि जोराबाट पुलिस ने चौदह माइल इलाके में अभियान चलाकर नकली नोट के कारोबार में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद अब्दुल कबीर (32) और समीरूद्दीन (35) के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपी उत्तर लखीमपुर जिला के रहने वाले बताए गए हैं। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से पांच सौ के दो लाख मूल्य के नकली नोट के अलावा तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

फकीराग्राम शक्तिआश्रम सहकारी समिति की आम सभा आयोजित

कोकराझाड़(विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत शक्तिआश्रम सहकारी समिति की आम सभा आयोजित की गई। शक्तिआश्रम सहकारी समिति के कार्यालय में आयोजित सभा में समिति के स्थाई अध्यक्ष दिलीप कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस सभा में भारी संख्या में सहकारी समिति के शेयर होल्डर उपस्थित थे। इस सभा की उद्देश्य व्याखाया समिति के सचिव प्रबोध चंद्र राय ने की। इसके अलावा उन्होंने साल भर के लेखा-जोखा प्रस्तुत की। वहीं सभा के दौरान अचानक जिले के एडीसी रीमा तृष्णा हॉलोई पहुंचे जहां उन्होंने समिति सारभर के लेखा-जोखा का बारिकी से समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने पत्रकारो से कहा कि यह अचानक शक्तिआश्रम सहकारी समिति का दौरा था। इस आम सभा में बताया गया कि व्यवसाय में लाभ 12, 32684.08 और नेट लाभ 3, 32, 315.17 रुपए हुई है। साधारण सभा में निरीक्षक के रूप में उपस्थित मणिकांत बोड़ो और एसओ जूनियर इस्पेक्टर चंपा राभा मौजूद थे।

केरल से प्रतिबंधित संगठन केएलओ का लिंकमैन गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना प्रभारी सुशील छेत्री के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने एक अभियान चलाकर केरला से मोमेन राय नामक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन कामतापुर लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (केएलओ) के एक लिंकमैन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने न्यायालय में आज उसे पेश किया, जहां से उसे चार दिनों की पुलिस रिमांड पर आगे की पूछताछ के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने आज बताया है कि फकीराग्राम थाना अंतर्गत जदुमुनी गांव निवासी नरेन राय का पुत्र मोमेन राय केरला में रहकर केएलओ की मदद कर रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर फकीराग्राम पुलिस ने लोकेशन ट्रैक करने के बाद केरला से मोमेन राय को गिरफ्तार कर फकीराग्राम ले आयी है। पुलिस ने आज गिरफ्तार केएलओ लिंकमैन को कोकराझाड़ की अदालत में पेश किया। जहां से उसे चार दिनों की रिमांड पर लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

असम राइफल्स ने दोलैथाबी के शहीद नायक को दी श्रद्धांजलि

इंफाल (हिंस)। असम राइफल्स (पूर्व) के महानिरीक्षक के तत्वाधान में असम राइफल्स बटालियन ने दोलैथाबी के शहीद नायक को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान इंफाल पूर्व के खुंद्रकपम निर्वाचन क्षेत्र के लेइतानपोकपी, पुखाओ तेरापुर, पुखाओ खाबम, सगोलमांग और पांगेई के पांच गांवों में पांच 1.5 केवीए जेनरेटर सेट वितरित किए। असम रायफल्स ने आज बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत दोलैथाबी क्षेत्र के आसपास के 16 गांवों के सैकड़ों मीरा पैबीस द्वारा 18 असम राइफल्स के शहीद आरएफएन (एल) आलोक कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद महानिरीक्षक असम राइफल्स (पूर्व) और 22 सेक्टर असम रायफल्स के उप महानिरीक्षक द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में मीरापाइबियों और असम राइफल्स के सैनिकों द्वारा देशभक्ति के गीत भी गाए गए। अंत में, असम राइफल्स और मीरापाइबिस दोनों पक्षों के प्रतिभागियों के साथ एक रस्साकशी का आयोजन किया गया। समारोह का समापन मीरा पाइबिस और डोलैथाबी - पुखाओ - सगोलमांग - पांगेई - इम्फाल राज्य राजमार्ग लाइन के सीएसओ को दी गई एक भव्य सांस्कृतिक दावत के साथ हुआ। एआर ने बताया है कि मंगलवार को आयोजित समारोह में 16 गांवों के कुल 156 मीरापाइबिस सदस्यों और 55 सीएसओ ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि असम राइफल्स दोलैथाबी क्षेत्र के स्थानीय लोगों को दैनिक जीवन में आवश्यक बुनियादी सुविधाएं प्रदान करके उनकी सहायता करने में सक्रिय रूप से शामिल रही है। असम राइफल्स के दयालु कदम सुरक्षा बलों में स्थानीय लोगों का विश्वास हासिल करने और मणिपुर के उग्रवाद प्रभावित जिलों में शांति स्थापित करने में काफी मददगार साबित होंगे।

विश्वनाथ चाराली ठाकुरबाड़ी गणेश पूजा पंडाल में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

विश्वनाथ (विभास)। राज्य के अन्य हिस्सों की तरह विश्वनाथ में गणेश पूजा के पावन अवसर पर बिश्वनाथ चारिआली शहर के मुख्य चौराहे पर स्थित प्रसिद्ध ठाकरबाड़ी मंदिर में आज सुबह से ही भक्तों का तांता लग हुआ है। इस मौके पर ठाकुरबाड़ी मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया है जो श्रद्धालुओं का आकर्षण का केंद्र बिंदु बनते नजर आया है। ठाकुरबाड़ी मंदिर के प्रांगण में चाराली ठाकुरबाड़ी गणेश पूजा समिति द्वारा आयोजित गणेश पूजा तीन दिवसीय पूजा के आज दूसरा दिन बुधवार को सुबह गणपति बप्पा की विधि विधान से कलश पूजन किया गया। इसके बाद भोग अर्पित करके पूजा-अर्चना के साथ आरती की गई।

इसके बाद महाप्रसाद वितरण किया गया। तत्पश्चात गोर्खा कीर्तन समाज विश्वनाथ नगर भजन कीर्तन किया गया है। जिसमें प्रमुख संस्कृत विद्वान लोकनाथ शास्त्री के भजन और ढोलक वादक राम बाबू ढोलक के गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा। साथ ही समधुर भजन से सभी श्रद्धालुओं झूम उठे। आज के भजन- कीर्तन में श्याम महिला मंडली और जानकी मंडली विश्वनाथ चारिआलि का विशेष सहयोग रहा।

नगरबेड़ा में 91वें क्षेत्रीय रास महोत्सव को लेकर नई समिति का गठन

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगरबेड़ा क्षेत्रीय रास पूजा समिति की आम बैठक 17 सितंबर को रास मैदान परिसर में आयोजित की गई। विभूति ठाकुरिया की अध्यक्षता में हुई बैठक की अध्यक्षता विभूति ठाकुरिया ने की और अन्य वर्षों की तरह इस बार भी 91वें रास महोत्सव को पारंपरिक उत्साह के साथ आयोजित करने के लिए प्रबंध समिति का गठन किया गया। विभूति ठाकुरियाक अध्यक्ष, अमिय कुमार मेधी कार्यकारी अध्यक्ष, पद्मलोचन दास, कुमुद कलिता, जितेन कलिता, टिकेंद्र चंद्र दास, दिनेश कलिता, भुवन चंद्र मेधी, कंदर्प कलिता, गणेश तालुकदार और कंडोर्प दास उपाध्यक्ष बोर्ड के रूप में, रातुल कुमार मेधी मुख्य सचिव और नबजीत ठाकुरिया, हेमेन कलिता, माणिक कलिता और दीपेन पाठक को संपादकीय बोर्ड के रूप में सर्वसम्मति से एक मजबूत रास महोत्सव समारोह समिति का गठन किया गया है। नवगठित उत्सव समिति ईमानदारी से आगामी रास महोत्सव के सफल आयोजन के लिए लोगों का सहयोग चाहती है।

आंतरिक वृत्तियों की कोमलता का नाम है मादव : आचार्य प्रमुख सागर

गुवाहाटी (विभास)। फैंसी बाजार के भगवान महावीर धर्म स्थल में पर्युषण पर्व के दूसरे दिन मादव धर्म की व्याख्या करते हुए आचार्य प्रमुख सागर महाराज ने कहा कि मृदुभाव आत्मा का स्वभाव है, मृदुता आत्मा के सरल परिणामो को कहते हैं। मन की स्थिति का अत्यंत पवित्र और निष्कलूष हो जाना मृदुता है। आंतरिक वृत्तियो की कोमलता का नाम मादव है। आचार्य श्री ने कहा कि यदि हम जैसे हैं, उससे अधिक बनते हैं या अपने को बताते हैं तब असहज होते हैं और तभी मदांधता, अहंकार, दंभ पनयकर भीतर ही भीतर हमें खोखला कर देता है। अत: सहज होना, सहज बने रहना अपनी स्भाविकता में रहना ही मादव धर्म है। इसके पूर्व प्रात:

आचार्य श्री ससंघ के मुखारविंद से शांतिधारा करने का परम सौभाग्य हुक्मीचंद विनोद कुमार पाटनी परिवार गुवाहाटी एवं संजय कुमार माया देवी काला परिवार पांडू, गुवाहाटी को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात दस लक्षण मंडल विधान एवं षोड़सकारण मंडल विधान की पूजन की गई। पुष्प प्रमुख वर्षा योग समिति के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि पर्युषण पर्व एवं मौन संस्कार साधना शिविर के अवसर पर काफी संख्या में गुरु भक्त एवं स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित थे। यह जानकारी प्रचार-प्रसार विभाग के सह संयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

श्री शंकरदेव नेत्रालय के सौजन्य से नगरबेड़ा में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के तहत नगरबेड़ा मैसर्स बंसीगोपाल ऊर्जा केंद्र परिसर में आज नेत्र परीक्षा शिविर का आयोजन किया गया। श्री शंकरदेव नेत्रालय के सौजन्य से और मेसर्स बंसीगोपाल एनर्जी स्टेशन के सहयोग से मेसर्स बंसीगोपाल एनर्जी स्टेशन के सहयोग से आयोजित नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में डॉ. रुमेना चक्रवर्ती, डॉ. बिलकिस सुल्ताना, डॉ. मातोलीबी डॉ. रीमा गुप्ता, डॉ. कल्पना कोंथोजम, डॉ. अर्पिता चक्रवर्ती और पर्यवेक्षक तपेंद्र नाथ ककाती उपस्थित थे। शिविर में बंसीगोपाल ऊर्जा स्टेशन के सभी कर्मचारी उपस्थित थे और समर्थन दिया। जागरूक समुदाय ने इस तथ्य की प्रशंसा की है कि उन्होंने क्षेत्र में कई डॉक्टरों की उपस्थिति में मुफ्त नेत्र उपचार शिविर आयोजित करके आम आदमी की सेवा की है।

नगांव में तीन दिवसीय श्री विनायक चतुर्थी के दूसरे दिन श्री गणेश प्रतिमा बनाओ प्रतियोगिता आयोजित

नगांव (निसं)। शहर के हैबरगांव, खुटिकटिया में चल रहे तीन दिवसीय श्री विनायक चतुर्थी के आज दूसरे दिन श्री गणेश जी की प्रतिमा बनाओ प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता संपन्न हुई। श्री गणेश जी बनाओ प्रतियोगिता समय सीमा के अंदर मंच पर बनाने दी गई जिसमे प्रतियोगियो ने बढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गौरव मंत्री, दूसरा स्थान दीपा जोगानी, तीसरा स्थान काजल माहेश्वरी और सांत्वना पुरस्कार सारिका प्रजापत को प्राप्त हुआ। समाचार भेजे जाने तक हरियाणा से आमंत्रित मोनू ढींगरा एंड ग्रुप का द्वारा नृत्य नाटिका का प्रदर्शन चल रहा था। उक्त कार्यक्रम में दर्शको की अपार भीड़ देखी गई और उपस्थित लोग नृत्य नाटिका का आनंद

ले रहे थे तथा श्री गणेश जी के जयकारो से पंडाल गुंजायमान हो रहा था। आज शाम खिचडी का प्रसाद वितरण किया गया। मंच संचालन राजु महर्षी और अरुण नागरका ने बारी बारी से किया। बीच इस मंगलवार को प्रथम दिन सदर विधायक रुपक शर्मा ने भी पंडाल में पहुंच कर श्री गणेश जी का आशीर्वाद लिया। शक्ति संघ के अध्यक्ष अजय मित्तल ने फुलाम गोमछा व सचिव महेश भजनका ने रजत पट्टी दे कर श्री शर्मा का अभिनंदन किया। मंगलवार को हुई एकल नृत्य प्रतियोगिता में जूनियर ग्रुप में विद्युत वर्मन प्रथम, अनवेशा देवरी द्वितीय, रौनक अग्रवाल तृतीय व सांत्वना पुरस्कार रौनक बिहानी को प्राप्त हुआ। सिनियर ग्रुप में जुनीद हजारिक प्रथम, दीपशिखा साह द्वितीय, लक्की हजारिका तृतीय व संत्वना पुरस्कार सुहेल हजारिका को प्राप्त हुआ। निर्णायक मंडली में पर्थो प्रतिम दास व जीतू गोस्वामी थे। चित्रांकन प्रतियोगिता जूनियर में तवीशा अग्रवाल को प्रथम, आकांक्षा दुग्गड़ को द्वितीय, रुशिकेष दास को तृतीय व रौनक बिहाणी को संत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। सिनियर ग्रुप में प्रणती राजवंशी कौ प्रथम, अनिकेत पाल को द्वितीय, सांतनु पोद्दार को तृतीय पुरस्कार दिया गया। चित्रांकन प्रतियोगिता के निर्णायक प्रांतीका बोरा थी।

स्वर्गीय शिवचंद्र केजरीवाल की स्मृति में दिहानाम प्रतियोगिता

होजाई (विभास)। होजाई के दक्षिण विद्यानगर स्थित शंकरदेव विद्या निकेतन में श्रीमंत शंकरदेव की तिथि के उपलक्ष्य पर स्वर्गीय शिवचंद्र केजरीवाल की स्मृति में दिहानाम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वर्गीय शिवचंद्र केजरीवाल की धर्मपत्नी पुष्पादेवी केजरीवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान उनके पुत्र अशोक केजरीवाल व पुत्रवधू गुंजा केजरीवाल उपस्थित थे। वहीं इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए विशिष्ट समाजसेवी शिवनाथ बर्मन ने स्वर्गीय शिवचंद्र केजरीवाल के जीवन पर प्रकाश डाला व उनके अवदानों को याद किया। उन्होंने दिहानाम प्रतियोगिता में अंश ग्रहण करने वाले सभी दलों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इसके बाद दिहानाम प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें 9 दलों ने अंश ग्रहण किया। इसके बाद निर्णायक मंडली द्वारा प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार विजेता दल के नाम की घोषणा की गई।

रंगिया: विशाल शोभायात्रा के साथ गणेश चतुर्थी महोत्सव का समापन

रंगिया (विभास)। रंगिया के श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ आयोजित श्री श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव का बुधवार को पूजा अर्चना और भव्य शोभायात्रा के साथ सफल समापन किया गया। मालूम हो कि श्री श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव समिति द्वारा 18 सितंबर को मंदिर प्रांगण में श्री गणेश जी की विशाल प्रतिमा की स्थापना सहित विभिन्न कार्यक्रमों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था। इस दौरान गत मंगलवार को यानी श्री गणेश जन्मोत्सव के दिन सुबह धार्मिक ध्वजारोहण के पश्चात बप्पा की पूजा-अर्चना, हवन, महाआरती, प्रसाद वितरण और रात्रि आरती, छप्पन भोग व आमंत्रित कलाकारों द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया।

वहीं बुधवार को सुबह 9 बजे श्री गणेश जी की आरती व अपराहन 4 बजे गाजे बाजे के साथ सेठ गणेश जी की आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर पुरूष, महिलाएं, युवा वर्ग सहित भारी संख्या में बच्चों और बुजुर्गों ने भी बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। इस मौके पर गणेश भक्तों ने अपने-अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रख शोभायात्रा में सम्मिलित हुए। सायं 4 बजे मंदिर प्रांगण से निकली शोभायात्रा नगर के मुख्य-मुख्य मार्गो से होती हुई सायं 7.30 बजे पुन: मंदिर प्रांगण पहुंची। जहाँ श्री गणेश जी की आरती उतारी गयी और सभी भक्त ढाकी की धुन पर झूम उठे। मालूम हो कि श्री गणेश जी की शोभायात्रा में सुसज्जित गणेश जी और शिव परिवार की झांकी के अलावा ढाकी की धुन और गजराज विशेष आकर्षन का केंद्र रहा। कार्यक्रम में आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रमोद छित्रका, सचिव सौरभ बजाज, कोषाध्यक्ष कौशल सिंघानिया व शशांक जैन, उपाध्यक्ष- राजेश लाडसरिया, उप सचिव- कपीस जाजोदिया सहित नीरज अग्रवाल, रमेश बजाज, आशीष लुंडिया, प्रमोद बजाज, गोपाल जाजोदिया, अंकुश बजाज, विकाश लुंडिया, कैलाश छत्रिका, राजकुमार मौर, संजय सिंघानिया, गौतम शर्मा, मुकेश सिकरिया, पंकज अग्रवाल, बासु शर्मा, अशोक शर्मा और सभी समाजबंधुओं का विशेष सहयोग रहा। वहीं आयोजन समिति द्वारा महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं और समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया गया है।

रिश्वत लेते रंगे हाथों लाट मंडल गिरफ्तार

लखीमपुर (हिंस)। राज्य में एक और लाट मंडल (लेखपाल) को आज रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। लखीमपुर के तिनिकोनिया के लाट मंडल को कथित तौर पर रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लाट मंडल की पहचान हेमेंद्र बोरा के रूप में हुई है। ज्ञात हो कि हेमेंद्र बोरा ने 1 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। यूपीआई के माध्यम से पहले ही 50 हजार रुपए ले चुका था। शेष 50 हजार रुपए वसूल करने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने लाट मंडल को गिरफ्तार कर लिया। हेमेंद्र बोरा पर भूमि पंजीकरण और नामजारी के नाम पर पैसे लेने का आरोप है। हेमेंद्र बोरा फिलहाल उत्तर लखीमपुर सदर थाना पुलिस की हिरासत में है।

लायंस उमंग के शिविर में 33 यूनिट रक्त संग्रह

दो शिविरों में 84 लोगों ने किया रक्तदान

गुवाहाटी (विभास)। मानव सेवा के कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते आ रही लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से सप्ताह भर के भीतर दूसरा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में कुल 33 लोगों ने रक्त किया, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। सप्ताहभर में आयोजित दो शिविरों में कुल 84 यूनिट रक्त संग्रह किया जा चुका है। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में मारवाड़ी हॉस्पीटल के ब्लड बैंक में लियो क्लब ऑफ उमंग के सहयोग से इस शिविर का आयोजन किया गया। लायंस जिला 322जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टीविटी के तहत इस शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी संयोजिका संगीता बड़जात्या, रौशन सुराणा व महक जैन थीं। इस शिविर को सफल बनाने में अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव स्वाति चौधरी, कोषाध्यक्ष संगीता अग्रवाल, संतोष मिंडा, रितु बंका, संगीता बड़जात्या, रिद्धि जैन, दीपक शर्मा, अमित शर्मा, मयंक सुरेका, आशीष मोर, अरिहंत जैन, भारती जैन, मुस्कान जैन, महक जैन, खुशी जैन, रौशन जैन सहित लायंस व लियो उमंग के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। इसके अलावा क्लब की ओर से फीड द हंगर परियोजना के तहत फैंसी बाजार के एमजी रोड व बी बरुवा कैंसर अस्पताल में तृप्ति मोर व संगीता अग्रवाल की देखरेख में बड़ी संख्या में लोगों को सात्विक भोजन कराया गया। इस सभी कार्यों को संपादित करने में लायंस उमंग की सभी सदस्याओं ने अहम भूमिका निभाई।

मानवाधिकार सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय का नैतिक दायित्व : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि संहिताबद्ध कानून से भी अधिक, हर मायने में मानवाधिकार सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय का नैतिक दायित्व है। राष्ट्रपति बुधवार को यहां मानवाधिकार पर एशिया प्रशांत फोरम की वार्षिक आम बैठक और द्विवार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी से आग्रह किया कि वे मानवाधिकारों के मुद्दे को अलग-थलग न करें और प्रकृति की देखभाल पर भी उतना ही ध्यान दें, जो मानव के अविवेक से बुरी तरह आहत है। उन्होंने कहा कि भारत में हम मानते हैं कि ब्रह्मांड का प्रत्येक कण दिव्यता की अभिव्यक्ति है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमें प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए अपने प्रेम को फिर से जगाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि मनुष्य जितना अच्छा निमार्ता है उतना ही अच्छा विध्वंसक भी है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार यह ग्रह छठे विलुप्त होने के चरण में प्रवेश कर चुका है, जहां मानव निर्मित विनाश, अगर नहीं रोका गया, तो न केवल मानव जाति बल्कि पृथ्वी पर अन्य जीवन भी नष्ट हो जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हुई कि सम्मेलन में एक सत्र विशेष रूप से पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के विषय पर समर्पित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन एक व्यापक घोषणापत्र लेकर आएगा जो मानवता और ग्रह की बेहतरी का मार्ग प्रशस्त करेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे संविधान ने गणतंत्र की स्थापना के बाद से सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाया और हमें लैंगिक न्याय और जीवन एवं सम्मान की सुरक्षा के क्षेत्र में कई मूक क्रांतियों को शुरू करने में सक्षम बनाया। हमने स्थानीय निकायों के चुनाव में महिलाओं के लिए न्यूनतम 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया है और एक सुखद संयोग में राज्य विधानसभाओं और संसद में महिलाओं के लिए समान आरक्षण प्रदान करने का प्रस्ताव अब आकार ले रहा है। उन्होंने साझा किया कि यह हमारे समय में लैंगिक न्याय के लिए सबसे परिवर्तनकारी क्रांति होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत मानवाधिकारों में सुधार के लिए दुनिया के अन्य हिस्सों में सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने के लिए तैयार है जो एक चालू परियोजना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनियाभर के मानवाधिकार संस्थानों और हितधारकों के साथ विचार-विमर्श और परामर्श के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहमति विकसित करने में एशिया प्रशांत क्षेत्र फोरम की बड़ी भूमिका है।

राजीव गांधी का सपना था महिला आरक्षण विधेयक : सोनिया गांधी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा सदस्य सोनिया गांधी ने बुधवार को कहा कि महिला आरक्षण विधेयक राजीव गांधी का सपना था। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों में स्त्रियों की भागीदारी तय करने वाला संविधान संशोधन विधेयक पहली बार उनके जीवनसाथी राजीव गांधी ही लाए थे। सोनिया गांधी ने लोकसभा में "नारी शक्ति वंदन विधेयक- 2023" पर चर्चा में कहा कि वह कांग्रेस की ओर से इस विधेयक का समर्थन करती हैं। यह उनकी जिंदगी का बहुत ही मार्मिक क्षण है। आज देशभर के स्थानीय निकायों के जरिए हमारे पास 15 लाख चुनी हुई महिला जनप्रतिनिधि हैं। यह राजीव गांधी की पहल से ही संभव हो पाया था। जब यह कानून पूर्णरूप से लागू हो जाएगा तो राजीव गांधी का सपना भी पूरा हो जाएगा। सोनिया ने कहा कि पिछले 13 वर्षों से भारतीय स्त्रियां अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी का इंतजार कर रही हैं। अब उन्हें और इंतजार करने को कहा जा रहा है। क्या भारत की स्त्रियों के साथ यह बर्ताव उचित है? सोनिया ने कहा कि भारत की स्त्री के हृदय में महासागर जैसा धीरज है। उसने खुद के साथ हुई बेईमानी की शिकायत नहीं की और सिर्फ अपने फायदे के बारे में कभी नहीं सोचा। उसने नदियों की तरह सबकी भलाई के लिए काम किया है और मुश्किल वक्त में हिमालय की तरह अडिग रहीं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल को लागू करने में और देर करना भारत की महिलाओं के साथ घोर नाइंसाफी है। सोनिया ने कहा कि स्त्री की मेहनत, स्त्री की गरिमा और स्त्री के त्याग की पहचान करके ही हम लोग मनुष्यता की परीक्षा में पास हो सकते हैं। आजादी की लड़ाई और नए भारत के निर्माण में हर मोर्चे पर वह पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ती रही हैं। स्त्री के धैर्य का अंदाजा लगाना नामुमकिन है। वह आराम को नहीं पहचानती और थक जाना भी नहीं जानती। स्त्री ने हमें सिर्फ जन्म ही नहीं दिया है बल्कि आंसुओं और खून पसीने से सींचकर हमें सोचने लायक, बुद्धिमान और शक्तिशाली भी बनाया है। सोनिया ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की मांग है कि ये बिल फौरन अमल में लाया जाए और इसके साथ ही जातिगत जनगणना करवाकर एससी, एसटी, और ओबीसी वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की जाए। इस बिल को लागू करने में और देरी करना भारत की स्त्रियों के साथ घोर नाइंसाफी है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा कि वह कांग्रेस की तरफ से मांग करती हैं कि "नारी शक्ति वंदन अधिनियम- 2023" को उसके रास्ते की सारी रुकावटों को दूर करते हुए जल्द लागू किया जाए।

महाराष्ट्र के मंत्री धर्मराव अत्राम को नक्सलियों ने दी जान से मारने की धमकी

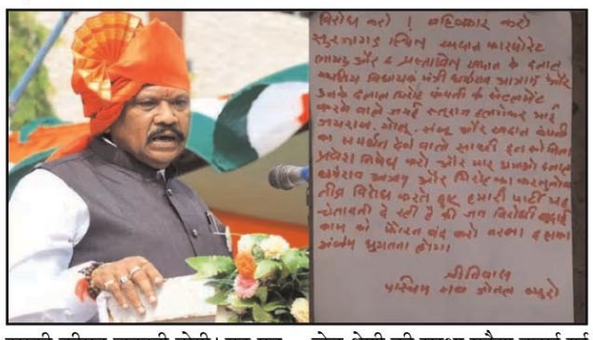

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के मंत्री धर्मराव बाबा अत्राम को नक्सलियों ने जान से मारने की धमकी दी है। गढ़चिरौली जिले के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि धर्मराव अत्राम को धमकी मिलने के बाद उनके और उनके परिवार को जेड श्रेणी की सुरक्षा मुहैया करवा दी गई है। अत्राम राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री हैं। गढ़चिरौली जिले के सूरजगढ़ में चल रहे लौह परियोजना को लेकर नक्सलियों में नाराजगी है। इसी वजह सोमवार को नक्सलियों ने गट्टा इलाके में पर्चा गिराकर धर्मराव अत्राम, उनके भाई और दामाद को जान से मारने की धमकी दी। पत्र में लिखा है कि पिछले दो साल से सूरजगढ़ स्थित लौह खदान में खनिजों का खनन चल रहा है। इसका नक्सली विरोध करते हैं। इसके लिए धर्मराव अत्राम जिम्मेदार हैं और उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। यह पत्र वेस्ट सब जोनल ब्यूरो के श्रीनिवास के नाम पर है और इसमें अत्राम के दामाद, उनके भाई और कंपनी में काम करने वाले कुछ लोगों के नाम भी हैं। एक साल में तीसरी बार नक्सलियों ने अत्राम को धमकी दी है। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि हम मंत्री धमार्राव अत्राम की सुरक्षा का पूरा ख्याल रख रहे हैं। फिलहाल उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। हमने नक्सलियों के धमकी भरे पत्र के संबंध में जांच शुरू कर दी है। मंत्री अत्राम ने कहा कि कई वर्षों के इंतजार के बाद अब जिले में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिला है। सूरजगढ़ परियोजना ने हजारों हाथों को रोजगार दिया है। जिले का विकास ही मेरा लक्ष्य है, इसलिए वे ऐसी धमकियों पर ध्यान नहीं देते हैं।

सभी राज्यों में कांग्रेस बनाएगी सरकार : पायलट

टोंक, (हि.स.)। पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट बुधवार को टोंक विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। उन्होंने ग्राम पंचायत, देवली भांची, मंडावर, हथौना, पराना, बरोनी में स्थानीय कार्यक्रम में शिरकत कर विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया एवं ग्रामीणों की जनसुनवाई की। पत्रकारों से बातचीत में पायलट ने कहा कि हैदराबाद में सीडब्ल्यूसी की बैठक हुई है। दो दिन तक खुले माहौल में सकारात्मक चर्चा हुई। इसमें तय किया गया कि अगले महीनों में जहां चुनाव है वहां पर एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। सभी राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद लोकसभा चुनाव में एनडीए को हराकर इंडिया अलाइंस चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा राजस्थान में विपक्ष में पूरी तरह फेल रही है। केंद्र में भाजपा सरकार के नौ साल का रिपोर्ट कार्ड और हमारी सरकार का रिपोर्ट कार्ड की तुलना का काम जनता देखेगी। महिला आरक्षण बिल को लेकर उन्होंने कहा कि इस विधेयक में संशोधन की जरुरत क्या थी। जब हमारी सरकार ने राज्य सभा में इसे पास किया था तो इसमें संशोधन की जरुरत नहीं थी। अब इसे भी 2026 में लागू किया जाएगा।

पहले सर्वे होगा, फिर परिसीमन होगा फिर विधेयक लागू होगा। पायलट ने कहा कि भाजपा यात्राएं निकाल रही है लेकिन पार्टी को यहां के क्षेत्रीय नेताओं पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए दिल्ली के नेता यहां आ रहे हैं। पिछली बार भी ऐसे ही आए थे। अंत में जनता ने कांग्रेस की सरकार बनाई।

देश में वंचितों की नौकरी में केंद्र 50 फीसद आरक्षण की सीमा हटाए : एमके स्टालिन

नई दिल्ली, (हि.स.)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि केन्द्र सरकार को नौकरियों में वंचित वर्ग के लिए 50 प्रतिशत सीमा को हटाना चाहिए ताकि उन्हें सामाजिक न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में यह सीमा 69 प्रतिशत कर दी गई है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्ष राजनीति, समाजवाद, समानता, राज्य स्वायत्तता और संघवाद को मजबूत और न्यायसंगत भारत के निर्माण की पक्षधर है। उन्होंने यह बात मंगलवार देरशाम यहां महाराष्ट्र भवन में ऑल इंडिया फेडरेशन फॉर सोशल जस्टिस के सम्मेलन में कही । उन्होंने मंडल आयोग की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा अगर भाजपा को वास्तव में सामाजिक न्याय की परवाह होती पिछले नौ वर्ष में केंद्र सरकार के पदों पर 27 प्रतिशत आरक्षण को पूरी तरह से लागू किया जाता। उन्होंने ऐसा नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण का विस्तार निजी क्षेत्र तक होना चाहिए। केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी और आईआईएम में ओबीसी, एससी और एसटी समुदायों के प्रोफेसरों की आनुपातिक नियुक्ति मिलनी चाहिए, आईआईटी, आईआईएम और आईआईएससी जैसे प्रमुख संस्थानों में प्रवेश में ओबीसी, एससी और एसटी छात्रों को आनुपातिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारियों और श्रमिकों की शिकायतों के समाधान के लिए एक सामाजिक न्याय समिति की स्थापना करनी चाहिए। इस मौके पर फेडरेशन के संयोजक डीएमके के सांसद पी विल्सन ने स्वागत भाषण में देश में सामाजिक न्याय आंदोलन को फिर से खड़ा करने की वकालत की। विल्सन ने कहा महिलाओं को आरक्षण देने के लिए सरकार अब 33 प्रतिशत का विधेयक लाई है। तमिलनाडु में साल 1996 से सभी स्थानीय निकाय चुनावों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत का आरक्षण लागू किया है। सम्मेलन में बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, माकपा महासचिव सीताराम येचुरी, भाकपा महासचिव डी राजा, सपा महासचिव राम गोपाल यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस के फारुख अब्दुल्ला, राजद नेता मनोज झा, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, भारत राष्ट्र समिति के केशव राव, एनसीपी की फौजिया खान, टीएमसी के जवाहर सिरकार, एनसीपी के छगन भुजबल सहित कई नेताओं ने सामाजिक न्याय पर जोर दिया।

कांग्रेस महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में, लेकिन कमियां दूर हों पहले : खड़गे

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में है लेकिन विधेयक में जो कमियां हैं उन्हें पहले दूर किया जाए। खड़गे ने बुधवार को मीडिया से कहा कि सरकार इस कानून को जनगणना, परिसीमन होने के बाद लागू करना चाहती है। ऐसे में विधेयक में जो खामियां हैं उसे दूर किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मंगलवार को सोनिया गांधी ने भी कहा था कि यह हमारा विधेयक है। महिला आरक्षण विधेयक कांग्रेस सरकार लेकर आई थी। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बीते दिनों कहा था कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं को आरक्षण देने के पक्ष में रही है। सबसे पहले राजीव गांधी ने 1989 के मई महीने में पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं के एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित हो गया था लेकिन सितंबर 1989 में राज्यसभा में पास नहीं हो सका। अप्रैल 1993 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं के एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक को फिर से पेश किया। दोनों विधेयक पारित हुए और कानून बन गए। रमेश ने कहा था कि आज पंचायतों और नगर पालिकाओं में 15 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। यह 40 फीसदी के आसपास हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए संसद और राज्यों की विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह संविधान संशोधन विधेयक लाए। विधेयक 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में पारित हुआ। लेकिन लोकसभा में नहीं ले जाया जा सका। रमेश ने कहा था कि कांग्रेस पिछले नौ साल से मांग कर रही है कि महिला आरक्षण विधेयक, जो पहले ही राज्यसभा से पारित हो चुका है, उसे लोकसभा से भी पारित कराया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने राज्य स्तरीय सायर मेले के समापन समारोह की अध्यक्षता की

सोलन, (हि. स.) । राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मंगलवार देर शाम सोलन जिला के अर्की उपमंडल में आयोजित राज्य स्तरीय सायर मेले के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि मेले और त्यौहारों के माध्यम से न केवल हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा मिलता है बल्कि उनका संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि सदियों से चली आ रही परंपराओं को लोगों ने आज भी कायम रखा है। राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से राज्य को भारी नुकसान होने के बावजूद प्रदेश तीव्र गति से इस स्थिति से उबर रहा है और अब स्थितियां सामान्य हो रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का हर व्यक्ति इस आपदा में सहयोग देने के लिए आगे आ रहा है। उन्होंने कहा प्रदेश के लोग बुलंद हौंसले के साथ राज्य के पुनर्निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सायर मेला लोगों की आस्था से जुड़ा है जो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास हमारी समृद्ध परंपराओं को संरक्षित करने का होना चाहिए और युवा पीढ़ी को भी संस्कृति से जोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को हमारी सभ्यता और संस्कृति का न केवल ज्ञान बल्कि उस पर गर्व भी होना चाहिए, तभी देश आगे बढ़ेगा और दुनिया में अपनी पहचान बनायेगा। मेले न केवल सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक गतिविधियों के केंद्र होते हैं, बल्कि इनके माध्यम से राज्य की लोक संस्कृति, कला और शिल्प को जानने और समझने का अवसर भी मिलता है। राज्यपाल ने तीन दिवसीय सायर मेले के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई दी। उन्होंने युवा पीढ़ी में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण स्तर पर युवाओं को नशे के प्रवृत्ति से निजात दिलाने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने सायर मेले के दौरान आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किये।

भारत ने अपने नागरिकों के लिए जारी किया परामर्श, कनाडा प्रवास में बरतें सावधानी

नई दिल्ली, (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों और राजनीतिक समर्थन प्राप्त अपराधों तथा हिंसा को देखते हुए वहां मौजूद और यात्रा करने की सोच रहे भारतीय नागरिकों को परामर्श जारी कर अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि कनाडा में भारतीय राजनयिकों और भारत के खिलाफ चल रहे एजेंडे का विरोध करने वाले भारतीयों को निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे कनाडा के उन क्षेत्रों और संभावित स्थानों की यात्रा करने से बचें जहां ऐसी घटनाएं हुई हैं। मंत्रालय ने कहा कि हमारा उच्चायोग व वाणिज्य दूतावास कनाडा में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए कनाडाई अधिकारियों के साथ संपर्क में रहेगा। कनाडा में बिगड़ते सुरक्षा माहौल को देखते हुए विशेष रूप से भारतीय छात्रों को अत्यधिक सावधानी बरतने और सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। मंत्रालय के अनुसार, कनाडा में भारतीय नागरिकों और भारतीय छात्रों को ओटावा में भारतीय उच्चायोग या टोरंटो और वैंकूवर में भारत के महावाणिज्य दूतावासों के साथ संबंधित वेबसाइटों, या मदद पोर्टल (madad.gov.in) के माध्यम से पंजीकरण कराना चाहिए। पंजीकरण से उच्चायोग और महावाणिज्य दूतावास किसी भी आपातकालीन या अप्रिय घटना की स्थिति में कनाडा में भारतीय नागरिकों के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने में सक्षम होंगे।

भारी वाहनों के लिए 5 दिन बंद रहेगा नोएडा एक्सप्रेसवे

नई दिल्ली (ईएमएस)। नोएडा में गुरुवार से शुरू हो रहे मोटो जीपी और इंटरनेशनल ट्रेड फेयर को देखते हुए एक्सप्रेस वे पर रूट डायवर्जन प्लान किया गया है। यह आयोजन 25 सितंबर तक चलेगा। इसके लिए गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन ने जरूरी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस कार्यक्रम में पहले दिन यानी 21 सितंबर को इंटरनेशनल ट्रेड शो होगा। इसमें बड़ी संख्या में देशी विदेशी मेहमानों, फिल्म स्टार, राजनीतिक लोगों के अलावा धर्म अध्यात्म से जुड़ी हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक ट्रेड फेयर के साथ ही मोटो जीपी का भी आयोजन होगा। इसमें भी भारी संख्या में लोगों के आने का अनुमान है। इस दौरान भीड़ ज्यादा होने की संभावना के तहत सभी निजी और सरकारी स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। इसके साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। इसमें 21 से 25 सितंबर तक एक्सप्रेसवे पर भारी वाहनों को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। वहीं, निजी वाहनों के लिए अलग से चार्ट तैयार किया गया है। जिला प्रशासन के मुताबिक गौतम बुद्ध नगर जिले में 21 सितंबर से 25 सितंबर के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर के दो बड़े आयोजन होने जा रहे हैं। इसमें 21 से 25 सितंबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो होगा। इसी प्रकार 22 से 24 सितंबर तक मोटो जीपी रेस का आयोजन होगा। अधिकारियों के मुताबिक इसके लिए ट्रैफिक एडवाइजरी भी जारी की गई है। डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव के मुताबिक इस दौरान अन्य राज्यों से नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर आने वाली बसें एनएच 24 से होकर निकलेंगी। उन्होंने बताया कि इंटरनेशनल बुद्ध सर्किट में होने वाले मोटो जीपी देखने के लिए दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ की तरफ से आने वाले लोग एग्जिट 2 ए और 2 सी से उतरकर बुद्धा इंटरनेशनल सर्किट में दाखिल होंगे। इसी प्रकार आगरा, मथुरा, अलीगढ़ की ओर से आने वाले टप्पल कट से उतरकर सर्किट के साथ ईस्ट जोन गेट से प्रवेश करेंगे। मोटो जीपी तक जाने के लिए शटल की व्यवस्था भी होगी। उन्होंने बताया कि भारी और मध्यम व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश वर्जित होगा। दिल्ली बॉर्डर से जिले में भारी और मध्यम वाहनों का प्रवेश 21 सितंबर की सुबह 6 बजे से 25 सितंबर की रात 12 बजे तक बंद रहेगा। इसके लिए चिल्ला बॉर्डर, कालिंदी कुंज, न्यू अशोक नगर , कुंडली झुंडपुरा बॉर्डर, परी चौक, नॉलेज पार्क, नोएडा, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर बैरिकेटिंग होगी। हालांकि एंबुलेंस, दूध, फल, सब्जी आदि के वाहनों समेत किसी भी इमरजेंसी वाहन को नहीं रोका जाएगा। इसी प्रकार गैर व्यावसायिक वाहनों के लिए रूट डायवर्जन दिल्ली से नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर होगा। ग्रेटर नोएडा, मथुरा, आगरा, लखनऊ की ओर जाने के लिए गैर व्यावसायिक वाहन एनएच 9, एनएच 24 और एनएच 91 से होकर जाएंगे।इसी प्रकार दिल्ली से आने वाले न्यू अशोक नगर, झूंडपुरा और सेक्टर 86 से जाएंगे।

हिमाचल विधानसभा में गूंजा कर्मचारी चयन आयोग के प्रश्नपत्रों के लीक का मुद्दा

शिमला, (हि.स.)। कर्मचारी चयन आयोग के प्रश्नपत्रों के लीक होने का मामला बुधवार को विधानसभा में गूंजा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रश्नकाल में कहा कि भंग कर्मचारी चयन आयोग ने कई भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बेचे गए हैं। यह भ्रष्टाचार का सारा खेल पूर्व भाजपा सरकार की छत्रछाया में हुआ है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक प्रकरण में अब तक 65 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 26 हिरासत में हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक पेपर लीक मामले में 25 विभिन्न पोस्टकोडों पर जांच की गई, जिनमें जांच के उपरांत छह मामलों को बंद कर दिया गया, जबकि अन्य 19 मामलों में जांच की जा रही है। विधायक केवल सिंह पठानिया के बेरोजगारी संबंधित सवाल का नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के अनुपूरक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने यह जानकारी दी। सुक्खू ने कहा कि सरकार ने निर्णय लिया है कि कर्मचारी चयन आयोग की सभी परीक्षाएं लोक सेवा आयोग आयोजित करेगा। अब तक लोक सेवा आयोग ने छह पोस्टकोड़ों के 329 पदों का परिणाम घोषित कर दिया है। जबकि 300 पदों के परिणाम घोषित होना बाकी हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि भंग किए गए चयन आयोग द्वारा ली गई जो परीक्षाएं जांच के दायरे में नहीं हैं, उनके परिणामों को तीन माह में घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य चयन आयोग को जल्द क्रियाशील किया जाएगा। इसके लिये नई भर्ती एजेंसी स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। इसे लेकर पूर्व आईएएस अधिकारी दीपक शानन की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है। नय चयन आयोग में पारदर्शी व्यवस्था बनाई जा रही है। इसके तहत राज्य चयन आयोग में सभी भर्तियां कंपयूटर आधार पर होंगी और किसी भी तरह का मानवीय हस्तक्षेप नहीं रहेगा। नए राज्य चयन आयोग की व्यवस्था में भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बदल कर आएंगे। इस आयोग में ली जाने वाली परीक्षाओं के परिणाम एक सप्ताह में घोषित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य चयन आयोग को क्रियाशील करने के लिए जल्द अधिकारियों की नियुक्तियां की जाएंगी।

चंद्रयान-3 की सफलता से इसरो ने अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया : उपराष्ट्रपति

अजय कुमार

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि सफल चंद्रयान-3 मिशन ने अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में भारत की अंतरिक्ष एजेंसी का नाम दर्ज करा दिया है। राज्यसभा में बुधवार को "चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग से चिह्नित भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा" विषय पर चर्चा की शुरूआत में सभापति जगदीप धनखड़ ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाले पहले देश के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के साथ भारत 2025 तक चंद्रमा पर मनुष्यों को भेजने के लिए अमेरिकी नेतृत्व वाली बहुपक्षीय पहल आर्टेमिस समझौते का सदस्य बन गया है। छह दशकों से अधिक की भारतीय अंतरिक्ष यात्रा का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने विदेशी प्रक्षेपण वाहनों पर निर्भरता से स्वदेशी प्रक्षेपण क्षमताओं के साथ पूर्ण आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि भारत ने न केवल अपने उपग्रहों को लॉन्च करने की क्षमता विकसित की है, बल्कि अन्य देशों के लिए उपग्रहों को लॉन्च करने के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार भी किया है, अब तक 424 विदेशी उपग्रह लॉन्च किए जा चुके हैं। चंद्रमा की सतह से परे भारत की उपलब्धियों की सराहना करते हुए धनखड़ ने सदन को याद दिलाया कि भारत का मार्स ऑर्बिटर मिशन (मंगलयान) 2014 में अपने पहले प्रयास में सफलतापूर्वक लाल ग्रह पर पहुंच गया था। हाल ही में लॉन्च किए गए आदित्य-एल1 मिशन और आगामी शुक्रयान-1 मिशन पर प्रकाश डाला गया। वीनस का अध्ययन करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ग्रहों की खोज और गहरे अंतरिक्ष अभियानों पर ध्यान केंद्रित करना देश की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए अंतरिक्ष प्रयासों का उपयोग करने के इसरो के प्रयासों का एक स्वाभाविक विस्तार था। उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि चंद्रयान मिशन से लेकर चंद्रमा तक, मार्स ऑर्बिटर मिशन (मंगलयान) और आदित्य एल-1 के सौर अन्वेषण से भारत ने दिखाया है कि आकाश ही सीमा नहीं है; यह तो बस शुरूआत है।

छात्र-छात्राएं स्वाध्याय व निरंतर अभ्यास पर ध्यान दें : आनंदीबेन पटेल

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को चौक के लाजपतनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। विद्यालय आगमन पर छात्र-छात्राओं ने राज्यपाल का अभिनंदन किया। निरीक्षण के दौरान राज्यपाल ने सभी कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उनसे गणित के सवाल हल करवाये। कविता पाठ भी सुना। बच्चों को स्वाध्याय एवं पाठ का निरंतर अभ्यास तथा समय से रि-वीजन के लिए कहा। इस दौरान उन्होंने कक्षा अध्यापक से बच्चों की उपस्थिति भी जानी और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि एक शिक्षक को इस बात की जानकारी अवश्य होनी चाहिए कि कौन-सा छात्र या छात्रा पढ़ने में कमजोर है। कौन-सा पढ़ने में ठीक है। यह शिक्षक का दायित्व है कि विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति अभिरूचि पैदा करें। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को महापुरुषों की जीवनी, पंचतंत्र व प्रेरणादायी शिक्षाप्रद कहानियों की पुस्तकें तथा फल वितरित किये और बच्चों को इन पुस्तकों से सीख लेकर जीवन में आगे बढ़ने को कहा। राज्यपाल ने मध्याह्न भोजन का निरीक्षण किया व उसे चखकर उसका स्वाद भी लिया। उन्होंने इस दौरान विद्यालय में साफ-सफाई, नामांकन की स्थिति आदि की भी जानकारी ली। इस अवसर पर राज्यपाल विद्यालय में हाल ही में अपनी बहादुरी से कुड़िया घाट के पास गोमती नदी में एक नवजात को डूबने से बचाने वाले चार बहादुर बच्चों तौसीफ, हसीब, जीशान और गुफरान से भी मिली। उनका हालचाल व पढ़ाई-लिखाई के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान राज्यपाल जी ने बच्चों के अभिभावकों से भी मुलाकात कर उनसे वार्ता की, उनका कुशलक्षेम जाना। इस अवसर पर लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार, बेसि-ाक शिक्षा अधिकारी, अध्यापकगण व छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

एचबीटीयू में 29 सितम्बर को होगा दीक्षांत समारोह, तीन छात्रों को मिलेगा कुलाधिपति सम्मान

कानपुर, (हि.स.)। हरकोट बटलर टेक्निकल विश्वविद्यालय में 29 सितम्बर को होने वाले दीक्षांत समारोह में तीन छात्रों को कुलाधिपति के सम्मान दिया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति व प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। यह जानकारी बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति समशेर सिंह ने दी। समशेर सिंह ने बताया कि एचबीटीयू के बीटेक केमिकल विभाग के छात्र अभिषेक ओझा को कुलाधिपति स्वर्ण पदक और इसी विभाग की छात्रा खुशी रस्तोगी को कुलाधिपति रजत पदक एवं देवांशी तिवारी को कुलाधिपति कांस्य पदक दिया जाएगा। ऐसा बहुत की कम देखने को मिलता है कि एक ही विभाग के छात्र तीनों पदक मिले। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार की शाम संस्थान में हुई कार्यपरिषद की बैठक में पदक प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची तैयार की गई। एमसीए में मानसी गुप्ता को कुलपति स्वर्ण पदक, युगांशी भटनागर को रजत पदक, निखिल गोस्वामी को कुलपति कांस्य पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त कार्यपरिषद में पेंट, ऑयल, केमिकल व अन्य विभागों को मिलाकर कुल 21 शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

29 सितम्बर को होने वाले दीक्षांत समारोह की हो रही तैयारी – हरकोर्ट बटलर टेक्निकल विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) का दीक्षांत समारोह 29 सितम्बर को होगा। कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए संस्थान में तैयारियां तेजी की जा रही हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले केमिकल विभाग के छात्र अभिषेक ओझा को 9.52, कुलाधिपति रजत पदक पाने वाली खुशी रस्तोगी को 9.23, कुलाधिपति कांस्य पदक प्राप्त करने वाली देवांशी तिवारी को 9.15 सीजीपीए मिला है। इसके अतिरिक्त विभाग में प्रथम तीन स्थान पाने वाले छात्रों को कुलपति स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक से सम्मानित किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बॉयो इंजीनियरिंग की समीक्षा सिंह, सिविल इंजीनियरिंग के सुधीर सिंह, केमिकल इंजीनियरिंग के अभिषेक ओझा, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के ऋषभ कुमार सिंह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की अनुष्का जायसवाल, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग के पीयूष राजपूत, फूड टेक्नोलॉजी की आकांक्षा सिंह, आईटी के तरुण सिंह, लेदर टेक्नोलॉजी की अनुष्का पाल, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के कार्तिक चौहान, ऑयल टेक्नोलॉजी के हिमांशु शर्मा, प्लास्टिक टेक्नोलॉजी के मानस प्रकाश, पेंट टेक्नोलॉजी के प्रखर कुमार को सम्मानित किया जाएगा।

नारी शक्ति वंदन बिल से सपा और बसपा की राजनीति को लग सकता है झटका

लखनऊ, (हि.स.)। लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के लिए लोकसभा में पेश किये गये नारी शक्ति वंदन बिल से सबसे ज्यादा नुकसान क्षेत्रीय पार्टियों का होगा, जबकि कांग्रेस और भाजपा इससे फायदे में रहेगी। यही कारण रहा है कि हर वक्त समाजवादी पार्टी इसका विरोध करती रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी व्यक्ति विशेष पर आधारित हैं। इस कारण इनमें महिला चर्चित चेहरों का अभाव है। ऐसे में इनको उपयुक्त उम्मीदवार मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। हालांकि कोई पार्टी इसके खिलाफ खुलकर बोलना नहीं चाहती। सिर्फ उसको किसी न किसी बहाने पास होने देना नहीं चाहते। यही कारण है कि यह बिल 25 सालों से अधर में लटका हुआ है। 20 दिसम्बर 1999 को मुलायम सिंह ने महिला आरक्षण बिल पर कहा था, यह पूरा का पूरा मुसलमानों, दलितों के खिलाफ षडयंत्र है। जहां तक बीजेपी और कांग्रेस का सवाल है हमने पहले ही कहा था कि दोनों एक हैं। महिला आरक्षण लागू करके दलित, पिछड़े और मुस्लिम समाज से आने वाले लोगों को वंचित किए जाने षडयंत्र किया जा रहा है। मुलायम सिंह यादव ने कहा कि बहुसंख्यक समाज की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं कर सकते। आम सहमति हो तभी बिल पेश किया जाए। इस संबंध में वरिष्ठ पत्रकार हर्ष वर्धन त्रिपाठी का कहना है कि इस बिल को पेश कर भाजपा ने ट्रंप कार्ड खेल दिया है। इससे निश्चय ही आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को फायदा होगा। चूंकि लोकसभा में समाजवादी पार्टी और बसपा जैसी पार्टियों की संख्या बहुत कम है। इस कारण अब बिल फाड़ने जैसा काम नहीं हो सकता और पूरी उम्मीद है कि यह पास हो जाएगा।

पुलिस आत्मरक्षा में ही गोली चलाती है : प्रशांत कुमार

लखनऊ, (हि.स.)। शाहजहांपुर में मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली से बदमाश मारा गया। इस घटना के बाद बुधवार को उत्तर प्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार का बयान आया है कि पुलिस आत्मरक्षा में ही गोली चलाती है। डीजी एलओ प्रशांत कुमार ने बताया कि एनकाउंटर कभी भी सरकार की पॉलिसी नहीं रही। जब भी अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो जाते हैं कि गिरफ्तारी के दौरान या बाद में पुलिस पर हमला करके भागने की कोशिश करते हैं तब आवश्यक बल इस्तेमाल करके उन्हें नियंत्रित किया जाता है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ दिनों में कुछ ऐसी घटनाएं हुईं, जिनमें अपराधियों ने बेटियों, महिलाओं के साथ छेड़खानी की और जब पुलिस ने गिरफ़्तारी की तब भागने की और पुलिस का हथियार छीनने की भी कोशिश की। शाहजहांपुर में प्रोफेसर की हत्या करने वाला मारा गया है। पुलिस पर गोली चलाने वाले अपराधी पर कार्रवाई होगी। पुलिसकर्मी कानून हाथ में लेंगे तो उस पर भी कार्रवाई होगी। शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में महिलाओं की सुरक्षा है। इनसे किसी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मिडडे मील का दूध पीने से 25 स्कूली बच्चे बीमार, मचा हड़कंप

गाजियाबाद, (हि.स.)। लोनी के प्रेमनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को मिड डे मील का दूध पीने से 25 बच्चों की हालत बिगड़ गयी। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्चों को सिर में दर्द, पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत हुई। सूचना मिलने पर प्रशासन अमले में हड़कम्प मच गया। सूचना मिलने पर एसडीएम लोनी अरुण दीक्षित व सीएमओ शंखधर अस्पताल में पहुंचे और बच्चों से मिले। सीएमओ के मुताबिक सभी बच्चों की हालत खतरे से बाहर हैं। उनका इलाज चल रहा है। सूचना प्रकार खाद्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और सैंपल भरे। मिली जानकारी के अनुसार प्राथमिक विद्यालय प्रेम नगर लोनी में 513 बच्चे पढ़ते हैं। प्रेम नगर समेत आसपास कॉलोनी के बच्चे यहां पढ़ते हैं। अभिभावकों ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे मिड डे मील का दूध आया था। स्कूल स्टाफ ने बच्चों को दूध पीने के लिए बोला था। बच्चों का कहना है कि पीने में दूध कड़वा था। बच्चों ने मना किया लेकिन फिर भी उन्हें दूध पिलाया गया। कुछ बच्चों ने स्कूल के स्टाफ द्वारा पिटाई होने के डर से कड़वा दूध पिया। कुछ बच्चों को मौके पर ही उल्टी होने लगी। कुछ बच्चों को सिर में दर्द और पेट में दर्द होने लगे। सभी बच्चों की तबीयत खराब होने पर आसपास के लोग एकत्रित हो गए। बीमार बच्चों को एंबुलेंस के से लोनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। लोगों की भीड़ एकत्रित होने पर पुलिस फोर्स बुलाया गया।

अब पुलिस अधिकारी और थाना प्रभारी मीडिया से नहीं करेंगे संवाद

रांची, 20 सितम्बर (हि.स.)। डीजीपी अजय कुमार सिंह ने पुलिस की मीडिया नीति से संबंधित आदेश जारी किया है। इसके तहत अब पुलिस अधिकारी और थाना प्रभारी मीडिया से संवाद नहीं करेंगे। इसका मकसद है कि पुलिस विभाग की नीति के अनुसार उस समय मीडिया को संबंधित सूचना सही समय पर उपलब्ध कराई जाए जब अनुसंधान की प्रक्रिया प्रतिकूल रूप से बाधित न हो और पुलिस अभियान में बाधा उत्पन्न ना हो। साथ ही पुलिसकर्मियों की सुरक्षा खतरे में ना हो। पीड़ित और आरोपित के कानूनी और मूलभूत अधिकारों का हनन ना हो। इससे राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। आदेश में कहा गया है कि पुलिस मुख्यालय के लिए डीजीपी और उनके जरिये प्राधिकृत पुलिस प्रवक्ता ही पुलिस से संबंधित मीडिया को जानकारी दे सकेंगे। प्रत्येक जिले के कार्यालय में एक मीडिया सेल की शाखा होगी, जिसके प्रभारी मुख्यालय स्थित एएसपी और डीएसपी होंगे। जिले में एसपी और प्रभारी मीडिया के जरिये संबंधित जानकारी मीडिया को दी जाएगी। सामान्य रूप से मीडिया ब्रीफिंग का स्थान कार्यालय कक्ष होगा और प्रतिदिन निर्धारित समय शाम के चार बजे से छह बजे के बीच निर्धारित होगा। इसकी सूचना यथा समय सभी मीडियाकर्मियों को दी जायेगी। इसके अलावा पुलिस से संबंधित मामलों जैसे बड़ी आपराधिक और विधि-व्यवस्था की घटना, महत्वपूर्ण उद्भेदन-गिरफ्तारी, बरामदगी एवं अन्य उपलब्धि पर स्वयं जिला एसपी की ओर से मीडिया से वार्ता की जायेगी। जिला एसपी की ओर से मीडिया सेल शाखा में घटना की परिस्थिति के अनुसार घटनास्थल, थाना या अन्य कार्यालय में प्रेस से संवाद किया जा सकता है। एसपी और प्रभारी मीडिया सेल शाखा वर्दी में ही मीडिया के साथ बातचीत करेंगे। किसी अपराध के दर्ज होने के 48 घंटों के भीतर केवल इतनी ही सूचना साझा की जायेगी जो घटना के तथ्यों को प्रकट करे और आश्वस्त कर सके कि मामले को गंभीरता से किया जा रहा है। किसी अपराध के संबंध में गुप्त और तकनीकी सूत्रों को मीडिया के समक्ष प्रकट नहीं किया जायेगा। ना ही अनुसंधान की दिशा और तकनीकों का खुलासा किया जाएगा। यौन हिंसा के पीड़ितों और बच्चों की पहचान को मीडिया के सामने खुलासा नहीं किया जायेगा। आरोपितों की गिरफ्तारी होने पर मीडिया को बताया जायेगा लेकिन उन्हें मीडिया के समक्ष पेश नहीं किया जायेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा से संबंधित और अन्य प्रकार के मामलों में किसी समय चलाए जा रहे पुलिस ऑपरेशन की ताजा स्थिति साझा नहीं की जायगी, बल्कि ऑपरेशन पूर्ण होने के बाद अपराधियों एवं बरामद वस्तुओं की तथ्यात्मक जानकारी दी जायेगी। अनुसंधान के दौरान समय-समय पर आवश्यक मीडिया को केवल तथ्यों पर आधारित जानकारी दी जायगी। अनुसंधान पूर्ण होने पर आरोप पत्र के तथ्यों की जानकारी एवं न्यायिक विचारण के परिणाम की जानकारी मीडिया को दी जा सकती है। किसी बड़े आयोजन और आकस्मिक घटना स्थल पर जहां मीडियाकर्मी उपस्थित हों, वहीं वरीय पुलिस पदाधिकारी और उनके जरिये निर्देशित पुलिस पदाधिकारी, जो कम से कम पुलिस डीएसपी रैंक के राजपत्रित पदाधिकारी होंगे उनके द्वारा ही मीडिया ब्रीफिंग का कार्य किया जायेगा। प्राधिकृत पुलिस प्रवक्ता पुलिस से संबंधित जानकारी मीडिया को दे सकेंगे। पुलिस मुख्यालय के लिए एडीजी और आईजी रैंक के पदाधिकारी को डीजीपी द्वारा पुलिस प्रवक्ता नियुक्त किया जायेगा। पुलिस मुख्यालय के लिए डीजीपी और फिर उनके द्वारा प्राधिकृत पुलिस प्रवक्ता पुलिस से संबंधित जानकारी मीडिया को दे सकेंगे। प्रत्येक जिला के कार्यालय में एक मीडिया सेल शाखा होगी, जिसके प्रभारी मुख्यालय स्थित एएसपी या ड-ीएसपी होंगे। जिलों में एसपी के जरिये और प्रभारी मीडिया सेल शाखा द्वारा संबंधित जानकारी मीडिया को दी जा सकेगी। पुलिस की विभिन्न इकाई सीआईडी, जैप, रेल, स्पेशल ब्रांच, एससीआरबी, एसीबी, एटीएस से मीडिया को उपलब्ध कराई जाने वाली सूचना पुलिस प्रवक्ता को उपलब्ध कराई जायेगी। इन सूचना को पुलिस प्रवक्ता प्रेस विज्ञप्ति और संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से मीडिया को जारी करेंगे।

झारखंड के चार उपायुक्तों को मिली आपराधिक गतिविधियों को रोकने की शक्ति

रांची, (हि.स.)। बढ़ते अपराध और नक्सल गतिविधियों को लगाम के लिए चार जिलों के उपायुक्तों को शक्ति दी गयी है। जमशेदपुर, सिमडेगा, रामगढ़ व गढ़वा जिले के उपायुक्तों सह जिला दंडाधिकारी के पत्र के आलोक में यह कार्रवाई की गयी है। गृह विभाग के इस स्तर पर विमर्श हुआ, जिसमें यह बात सामने आयी कि इन जिलों में सामान्य दंड संहिता के सिर्फ उपयोग से अपराध या नक्सल गतिविधियों में शामिल लोगों पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है। इसलिए अपराध नियंत्रण अधिनियम 2002 का उपयोग करते हुए चारों जिलों के डीसी को धारा 12 (2) से सीसीए लगाने का अधिकार दिया गया है। इस संबंध में बुधवार को अधिसूचना जारी की गयी है। यह शक्ति अगले तीन माह के लिए दी गयी है।

पाकुड़ में हत्या का आरोपित पुलिस कस्टडी से फरार, छह पुलिसकर्मी निलंबित, थानेदार लाइन हाजिर

पाकुड़, (हि.स.)। पत्नी की हत्या के आरोप में पकड़ा गया कबीरुल शेख मंगलवार देर रात पुलिस कस्टडी फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है लेकिन अबतक कोई सुराग नहीं मिला है। इस मामले में थानेदार समेत सात पुलिसकर्मी लापरवाही के दोषी पाये गए हैं। दोषी दो हवलदार समेत छह पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है। थानेदार को फिलहाल लाइन हाजिर किया गया है। पाकुड़ एसपी हरदीप पी जनार्दन ने बुधवार को बताया कि हत्या के आरोप में मालपहाड़ी ओपी पुलिस ने आरोपित कबीरुल शेख को गिरफ्तार किया था, जो मंगलवार की रात फरार हो गया। थानेदार समेत अन्य पुलिसकर्मी की लापरवाही सामने आयी है। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल मामले की जांच कर रहे हैं। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बताया कि जांच रिपोर्ट सौंप दी गई है। थानेदार समेत सात पुलिसकर्मी लापरवाही के दोषी पाये गए है। दोषी दो हवलदार समेत छह पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है। थानेदार को फिलहाल लाइन हाजिर किया गया है। बताया गया है कि बीते मंगलवार को चेंगाडांगा गांव निवासी सुंदरी का निकाह पास के ही गांव ऑटोगली के कबीरुल शेख के साथ हुआ था। सुंदरी वर्तमान में मायके में रह रही थी। मंगलवार को सुंदरी का पति कबीरुल चेंगाडांगा गांव पहुंचा और पत्नी के गले पर स्क्रू ड्राइवर से वार कर हत्या कर दिया। आसपास के लोगों को जब घटना की जानकारी मिली तबतक आरोपित फरार हो गया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना मालपहाड़ी ओपी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस घटनास्थल से एक स्कू ड्राइवर जब्त किया। मालपहाड़ी ओपी पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्यारोपी पति कबीरुल शेख को गिरफ्तार कर लिया लेकिन कबीरुल देर रात पुलिस-ाकर्मियों एवं अधिकारियों को चकमा देकर हाजत से फरार हो गया।

राज्यपाल को डीजीपी ने दिया पुलिस ड्यूटी मीट का आमंत्रण

रांची, (हि. स.)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से बुधवार को डीजीपी अजय कुमार सिंह ने राज भवन में भेंट की । अधिकारियों ने "पुलिस ड्यूटी मीट" में सम्मिलित होने के लिए राज्यपाल को आमंत्रित किया। रांची के डोरंडा स्थित पुलिस ड्यूटी मीट झारखंड सशस्त्र पुलिस बल जैप-1 में चार अक्टूबर से सात अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर डीजी सीआईडी अनुराग गुप्ता और आईजी सीआईडी असीम विक्रांत मिंज मौजूद थे।

दलित बस्ती में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

कटिहार, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 72 वें जन्म दिवस को भाजपा द्वारा 'सेवा पखवाड़ा' के तहत मनाया जा रहा है । इसी कड़ी में बुधवार को भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में शहरी क्षेत्र के एक दलित बस्ती में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ की जिला संयोजक डॉ. रंजना झा के नेतृत्व आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों की संख्या में मरीजों की जांच कर उन्हें दवाएं उपलब्ध कराई गईं, साथ ही उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय ने स्वास्थ्य शिविर में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एक सुंदर जीवन तभी संभव है जब आपका मन और शरीर दोनों स्वस्थ हो। इसलिए हमें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है। इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री ताराकिशोर प्रसाद, महापौर उषा देवी अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष लक्खी प्रसाद महतो, चंद्र भूषण ठाकुर, जिला महामंत्री वीरेंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष शोभा जयसवाल, क्रीडा प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक बब्बन झा, लोकसभा सह संयोजक गोविंद अधिकारी, सीमा झा, प्रभात मिश्रा, पूनम सिंह, चांदनी देवी, नीलू शाह, भारती देवी, गीता देवी, श्वेता राय ,आभा कुमारी, नीलम कुमारी, रीना तिवारी, अर्चना देवी, नेहा किरण, नीतू पासवान सहित दर्जनों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

बेगूसराय जिला पुलिस के 17 सब-इंस्पेक्टर पदोन्नत

बेगूसराय, (हि.स)। बेगूसराय जिला पुलिस विभाग के 17 सब इंस्पेक्टर को इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नति मिल गई है। बुधवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एसपी योगेन्द्र कुमार, मुख्यालय डीएसपी निशीत प्रिया एवं सदर डीएसपी अमित कुमार ने सभी इंसपेक्टर को रैंक बैच प्रदान कर नई सेवा शुरू करने की शुभकामना दी। एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि आज बेगूसराय पुलिस के लिए खुशी का दिन है कि यहां पदोन्नत इंस्पेक्टर को और ऊर्जा, ईमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठा से बिहार पुलिस तथा आम जनता की सेवा करने का दिशा-निर्देश दिया गया है। अभी ये अपने वर्तमान जगह पर तैनात रहेंगे। ट्रैक रिकॉर्ड के अनुसार उनकी अन्य जगहों पर प्रतिनियुक्ति की जाएगी। एसपी ने बताया कि बिहार में लंबे समय से लंबित पदोन्नत का कार्य डीजीपी के प्रयास से संभव हो पाया। किया गया। इससे मामलों के निष्पादन में तेजी आएगी। इंस्पेक्टर बने एसएचओ को भी अब मामलों के अनुसंधान की जिम्मेदारी दी जाएगी। इससे जनता को न्याय जल्दी मिलेगा। सभी प्रकार के कार्रवाई में तेजी आएगी।कानून व्यवस्था मजबूत करने और विधि-व्यवस्था संधारित करने में सहूलियत होगी। मद्य निषेध, लॉ एंड ऑर्डर एवं साइबर सेल के काम में भी मजबूती मिलेगी, इन लोगों की सेवा लिया जाएगा। लंबा कैरियर अनुभव और कार्य क्षमता के अनुसार नई जगह पर तैनाती की जाएगी। बेगूसराय जिला पुलिस को 17 इंस्पेक्टर मिलने से अपराध नियंत्रण सहित सभी कार्य में तेजी आएगी। पुलिस के पास न्याय और विधि व्यवस्था के लिए आने वाले आम जनता को सहूलियत मिलेगा।

केंद्र की मंशा आरक्षण लागू करने की नहीं, अबतक नहीं कराई जनगणना : नीतीश

-18 वर्ष के कार्यकाल में पहली बार सचिवालय पहुंचे मुख्यमंत्री

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 18 वर्षों के कार्यकाल में बुधवार को पहली बार सचिवालय पहुंचे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा आरक्षण लागू करना नहीं है। यह इसी से स्पष्ट होता है कि केंद्र ने अब तक जनगणना नहीं कराई है। वे यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। लोकसभा में महिला आरक्षण पर चल रही चर्चा को लेकर नीतीश ने कहा कि हम तो शुरू से इसके पक्षधर रहे हैं। उन्होंने महिला आरक्षण लागू होने में विलंब की ओर संकेत देते हुए कहा कि जब जनगणना ही नहीं हुई है तो आरक्षण कैसे लागू होगा? नीतीश ने कहा कि जनगणना तो वर्ष 2021 में केंद्र को करना चाहिए था। यह नहीं हुआ। हमने कहा है कि जाति आधारित जनगणना कर लीजिए लेकिन यह नहीं हुआ। हम लोगों की यही मांग है लेकिन अभी तक जनगणना का काम नहीं हुआ। बिहार में महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए किए गए कामों को गिनाते हुए सीएम ने कहा कि वर्ष 2006 से ही प्रारंभिक शिक्षक नियोजन में महिलाओं को 50 प्रतिशत और वर्ष 2016 से सभी सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। वर्ष 2013 से बिहार पुलिस में भी महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। आज पुलिस में जितनी महिलाएं हैं उतना देश में कहीं नहीं है। इससे पहले मुख्यमंत्री मुख्य सचिवालय पहुंचे। उनके साथ वित्त मंत्री विजय चौधरी भी थे। मुख्यमंत्री के सचिवालय पहुंचने के बाद हड़कंप मच गया। ज्यादातर अधिकारी गायब थे। सीएम के आने की खबर मिलने के बाद राज्य के आलाधिकारी भागते-दौड़ते हुए सचिवालय पहुंचने लगे। लगभग डेढ़ घंटे तक सचिवालय में बैठने के बाद नीतीश जब बाहर निकले तो कहा कि अब सप्ताह में तीन दिन वे साढ़े 9 बजे मुख्य सचिवालय में पहुंच जायेंगे। बाकी के दो दिन मुख्यमंत्री सचिवालय में सुबह-सुबह पहुंचेंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्य सचिवालय में ही बिहार के मुख्यमंत्री का सरकारी चेंबर है लेकिन नीतीश कुमार ने मुख्य सचिवालय में मुख्यमंत्री के बैठने का सिस्टम ही बदल दिया है। नीतीश कुमार सिर्फ कैबिनेट की बैठक के लिए मुख्य सचिवालय आते हैं और सिर्फ उसी दिन अपने चेंबर में कुछ देर के लिए बैठते हैं। नीतीश ने मुख्यमंत्री आवास को बड़ा कर वहां अपना सचिवालय बनाया है और वहीं राजकीय अतिथिशाला के एक हिस्से को अलग कर वहां भी सीएम सचिवालय बना लिया गया है।

नारी शक्ति की मांग को प्रधानमंत्री ने किया पूरा : चांदनी सिंह

अररिया (हि.स.)। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चांदनी सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा नारी शक्ति वंदन विधेयक लाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक भारत के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और नारी सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विधेयक के माध्यम से साबित किया कि वह सबका साथ सबका विश्वास के साथ सबका विकास में भरोसा रखते हैं। उन्होंने कहा कि इस बिल के पारित होने के बाद देश की आधी आबादी के जीवनशैली के साथ सोच में परिवर्तन होगा और वह मजबूत और सशक्त बनेगी। चांदनी सिंह ने कहा कि महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभा में आरक्षण का मामला कांग्रेस के कारण आज तक लंबित रहा। कांग्रेस ने कभी भी पूरे मन से इस दिल को पास करने के लिए अपनी इच्छा शक्ति नहीं दिखाई थी, महज दिखावा करते हुए राज्यसभा में पारित कराकर लोकसभा में इस विधेयक को लटकाने का काम किया था। भाजपा नेत्री ने कहा कि सच्चे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का बागडोर संभाले है, तब से लगातार वह ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रिपल तलक, महिलाओं को मकान का स्वामित्व, उज्जवला योजना के तहत महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन जैसी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उच्चस्थ सोच और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयत्न को बताता है। उन्होंने कहा कि आज देश की नारी पुरुषों के कंधे से कंधे मिलाकर देश के विकास में अग्रसर हैं और इस बिल के पास के होने के बाद भारत के विकास को और अधिक गति मिलेगी। उन्होंने नारी शक्ति वंदन विधेयक के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित मंत्रिमंडल के प्रति आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

नई संसद में महिला आरक्षण

संसद का 96 साल पुराना भवन अब अतीत हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी और अन्य नेताओं के विदाई संबोधनों के साथ ही पुराने भवन को अलविदा कहकर नए संसद भवन में प्रवेश भी हो चुका है। अब पुराना संसद भवन एक राष्ट्रीय धरोहर, एक लंबा इतिहास, संसदीय संग्रहालय और लोकतंत्र का प्रतिबिम्ब है, जिससे संविधान निर्माताओं, हमारे पुरखों और 7500 से अधिक सांसदों की असंख्य यादें जुड़ी हैं। पुराना सदन उन घटनाओं, बहसों और निर्णयों का साक्षी रहा है, जिन्होंने भारत के लोकतंत्र को एक सुगढ़ आकार और विकास दिया। संसद भवन में वे असंख्य नाद आज भी गूंज रहे हैं, जो अस्पष्ट और अनसुने लग सकते हैं, लेकिन वे अभिव्यक्ति और संवाद की स्वायत्तता के जीवंत प्रमाण हैं। हमने 1997 से 2020 के कोरोना-काल तक लोकसभा की प्रेस दीर्घा में बैठकर संसदीय कार्यवाहियों को साक्षात देखा है, लिहाजा सुना भी है। कई ऐतिहासिक संबोधन भी सुने हैं। देवेगौड़ा और गुजराल सरकारों का एक साल से भी कम समय में पतन देखा है। किसी की निजी और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर सदन और सरकारें काम नहीं कर सकतीं, यह सोच भी सुनी है। अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे कद्दावर और निर्णायक प्रधानमंत्री की सरकार मात्र एक वोट से गिरती भी देखी है। उस दिन लोकतंत्र को बिकते भी देखा है, लेकिन लोकतंत्र तो सनातन और शाश्वत है, लिहाजा लौट आया। हम लोकसभा में परमाणु करार पर राजनीतिक विभाजन के भी साक्षी रहे हैं और डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार को गिरते-गिरते बचते भी देखा है। लोकसभा में एक भाजपा सांसद ने नोटों से भरा बैग खोल कर पूरे सदन को स्तब्ध कर दिया था, लिहाजा 'नोट के बदले वोट' के राजनीतिक भ्रष्टाचार को बेनकाब होते भी देखा है। 'प्रश्न के बदले नकदी घूस' के भ्रष्टाचार पर 11 सांसदों की बर्खास्तगी का ऐतिहासिक निर्णय भी सुना है। हम खाद्य सुरक्षा, सूचना का अधिकार, मनरेगा, अनिवार्य निःशुल्क शिक्षा से लेकर अनुच्छेद 370, तीन तलाक, जीएसटी, एक पद-एक पेंशन आदि ऐतिहासिक संशोधनों और कानूनों के पारित किए जाने के भी प्रत्यक्ष साक्षी रहे हैं। हम 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर आतंकी हमले के भी चश्मदीद रहे हैं और एक बड़े पत्थर के पीछे छिप कर जान बचाई थी। अब चूंकि मोदी कैबिनेट ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के बिल को स्वीकृति दी है, लिहाजा नए संसद भवन के 'विशेष सत्र' में यह बिल पेश और पारित किया जा सकता है, लेकिन हम स्पष्ट कर दें कि महिला आरक्षण कानून 2029, यानी अगले आम चुनाव, से पहले क्रियान्वित किया जाना संभव नहीं है। संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से बिल पारित होने के बाद यह संवैधानिक बाध्यता और दायित्व भी है कि उसकी राज्यों की 50 फीसदी से अधिक विधानसभाएं भी पुष्टि करें। 10 वर्षीय जनगणना का काम भी 2026 तक जारी रह सकता है। फिर आरक्षित सीटों के मद्देनजर परिसीमन का काम भी किया जाना है। हम संसद में महिला आरक्षण पर सपा, राजद और जनता दल-यू आदि राजनीतिक दलों का कड़ा विरोध देख चुके हैं। बिल की प्रतिलिपियां तक फाड़ दी गई थीं। जद-यू के शरद यादव तो 'मरने' तक तैयार थे, लेकिन ऐसे बिल का सामाजिक तौर पर विरोध कर रहे थे। बहरहाल आज मुलायम सिंह यादव, शरद यादव सरीखे विरोधी नेता 'दिवंगत' हो चुके हैं। बेशक मौजूदा परिदृश्य में यह सब कुछ संभव न हो, क्योंकि लोकसभा में तो भाजपा का प्रचंड बहुमत है, लेकिन 180 महिला सांसदों का निर्वाचन और आरक्षण किया जाना है, तो एक निश्चित प्रक्रिया अनिवार्य है। उसमें वक्त लगेगा। फिलहाल लोकसभा में 78 और राज्यसभा में 29 महिला सांसद हैं। यह अनुपात क्रमशः 14.4 और 12 फीसदी है, जबकि रवांडा जैसे गरीब, पिछड़े मुल्क में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 61 फीसदी से भी ज्यादा है। संभवतः यह भी प्रावधान किया जा रहा है कि अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए जो संसदीय सीटें आरक्षित हैं, उनकी कुल संख्या में से एक-तिहाई को उन्हीं समूहों की महिलाओं के लिए आरक्षित किया जा सकता है। जब बिल संसद में पेश किया जाएगा, तो तस्वीर बिल्कुल साफ होगी। उसके आधार पर हम विश्लेषण करेंगे कि महिला आरक्षण कितना कारगर रहेगा। महिला सशक्तिकरण के लिए लंबे समय से मांग उठती रही है कि महिलाओं को संसद तथा राज्यों की विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण दिया जाना चाहिए। इसके लिए कई बार संसद में बिल पेश किए गए। अब यह सपना साकार होने का समय आ गया है।

प्रधानमंत्री मोदी और अन्य नेताओं के विदाई संबोधनों के साथ ही पुराने भवन को अलविदा कहकर नए संसद भवन में प्रवेश भी हो चुका है। अब पुराना संसद भवन एक राष्ट्रीय धरोहर, एक लंबा इतिहास, संसदीय संग्रहालय और लोकतंत्र का प्रतिबिम्ब है, जिससे संविधान निर्माताओं, हमारे पुरखों और 7500 से अधिक सांसदों की असंख्य यादें जुड़ी हैं। पुराना सदन उन घटनाओं, बहसों और निर्णयों का साक्षी रहा है, जिन्होंने भारत के लोकतंत्र को एक सुगढ़ आकार और विकास दिया। संसद भवन में वे असंख्य नाद आज भी गूंज रहे हैं, जो अस्पष्ट और अनसुने लग सकते हैं, लेकिन वे अभिव्यक्ति और संवाद की स्वायत्तता के जीवंत प्रमाण हैं। हमने 1997 से 2020 के कोरोना-काल तक लोकसभा की प्रेस दीर्घा में बैठकर संसदीय कार्यवाहियों को साक्षात देखा है, लिहाजा सुना भी है। कई ऐतिहासिक संबोधन भी सुने हैं। देवेगौड़ा और गुजराल सरकारों का एक साल से भी कम समय में पतन देखा है। किसी की निजी और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर सदन और सरकारें काम नहीं कर सकती, यह सोच भी सुनी है। अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे कद्दावर और निर्णायक प्रधानमंत्री की सरकार मात्र एक वोट से गिरती भी देखी है। उस दिन लोकतंत्र को बिकते भी देखा है, लेकिन लोकतंत्र तो सनातन और शाश्वत है, लिहाजा लौट आया। हम लोकसभा में परमाणु करार पर राजनीतिक विभाजन के भी साक्षी रहे हैं और डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार को गिरते-गिरते बचते भी देखा है। लोकसभा में एक भाजपा सांसद ने नोटों से भरा बैग खोल कर पूरे सदन को स्तब्ध कर दिया था, लिहाजा 'नोट के बदले वोट' के राजनीतिक भ्रष्टाचार को बेनकाब होते भी देखा है।

कुछ अलग

आपदा का हिसाब

अभी कुछ दिन ही हुए कि जब हिमाचल प्राकृतिक आपदा के हर दृष्टांत में निरीह, लाचार और सदी के सबसे भीषण दंश झेल रहा था, लेकिन अब प्रदेश विधानसभा में तो हो-हल्ले का शगल हम मना सकते हैं। फटते बादलों से कहीं अधिक राजनीतिक बादलों का फटना और लोकतंत्र को चारदीवारी मानकर सत्ता और विपक्ष में एक-दूसरे को पीछे धकेलने का मतलब यह क्यों न माना जाए कि जनता की त्रासदी में भी यहां आपस में हिसाब हो रहा है। वॉकआउट की पेशकश में क्या आपदा का असर कम हो गया। जाहिर है आपदा में भी हमें दो हिमाचल नजर आए। एक ने सरकार से गुजारिश की तो दूसरे ने सरकार को ही खींचा। इस विभाजक रेखा से परे आपदा सिर्फ आंसुओं की कहानी नहीं, राहत के इंतजाम का पैगाम भी है। आपदा के बाद प्रदेश सरकार ने क्या और किस तरह किया या आगे क्या कार्ययोजना है, इसका विश्लेषण करने का लोकतांत्रिक अधिकार विपक्ष के पास है। दूसरी ओर केंद्र सरकार हिमाचल में हुई आपदा को लेकर किस कद्र संवेदनशील व तत्पर हुई, यह हिमाचल की टूटी-फूटी तस्वीर और पहाड़ी संवेदना पूछ रही है। आपदा का हिसाब, सियासी आपदा नहीं और न ही ऐसे टकराव से जनता की आहत भावनाओं को अमृत मिलेगा। पहले से ही झुलसे हिमाचली अगर विधानसभा के मानसून सत्र को बहिष्कारों में जाया होते देखेंगे, तो यह जख्मों पर नमक उंडेलने का सबब ही होगा। जहां तेरह हजार मकान क्षतिग्रस्त हों और विकास के सारे रास्ते खंडित हों, वहां बहस तो यह होनी चाहिए कि आखिर इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित होने के लिए हिमाचल को किस हद तक मरना होगा। क्या हमारे जख्म इस लायक भी नहीं कि केंद्र इन्हें भुज के भूकंप और अमरनाथ की त्रासदी के आसपास महसूस करे। बहरहाल, आपदा के खेल में सियासत के पास वह सब कुछ है, जो प्रभावित परिवारों को मिलने की उम्मीद नहीं। जाहिर है आम जनता को हर तरह की आपदा में जीना आ गया है। आपदा तो राजस्व रिकार्ड के हर नुक्ते पर सवार रहती है, जब किसी ग्रामीण को अपनी जमीन के मामले में पटवारी से तहसीलदार तक हाजिरी लगाकर लगातार पता चलता है कि देश की कार्य संस्कृति किस तरह अनुपस्थित रहने की बुनियाद पर चल रही है।

भारतवर्ष की सनातन संस्कृति में उसकी मूलभूत विशेषता सहिष्णुता के कारण यह आदत कभी नहीं रही

भारत की पहचान है सनातन, सनातन की छाया में ही अन्य धर्म सुरक्षित रह सकते हैं

डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र

गुलामी के काले दिनों में अंग्रेजों ने भारतवर्ष के धर्म, संस्कृति, शिक्षा आदि समस्त अस्मिता सूचक महान संदर्भों के विरुद्ध षड्यन्त्रपूर्वक विष उगलना प्रारम्भ किया। उनके इसी विष को यहाँ के कम्यूनिस्टों ने शिक्षा, साहित्य और कला के धरातल पर स्वतंत्र भारत में निरन्तर फैलाया और आज यही जहर राजनीतिक रोटियाँ सेंकने के लिए विपक्ष के कुछ नेता उगल रहे हैं।

सनातन धर्म के विरुद्ध विपक्षी नेताओं के बयानों की गाली गलौज भरी बौछारें देखकर पुरानी हिन्दी फिल्म का चर्चित गीत 'अच्छों को बुरा साबित करना दुनिया की पुरानी आदत है' याद आता है। दुनिया की यह आदत रही होगी किन्तु भारतवर्ष की सनातन संस्कृति में उसकी मूलभूत विशेषता सहिष्णुता के कारण यह आदत कभी नहीं रही। गुलामी के काले दिनों में अंग्रेजों ने भारतवर्ष के धर्म, संस्कृति, शिक्षा आदि समस्त अस्मिता सूचक महान संदर्भों के विरुद्ध षड्यन्त्रपूर्वक विष उगलना प्रारम्भ किया। उनके इसी विष को यहाँ के कम्यूनिस्टों ने शिक्षा, साहित्य और कला के धरातल पर स्वतंत्र भारत में निरन्तर फैलाया और आज यही जहर राजनीतिक रोटियाँ सेंकने के लिए विपक्ष के कुछ नेता उगल रहे हैं। सनातन धर्म, समानता के खिलाफ है, वह कुष्ठ रोग की तरह है, उसे डेंगू मलेरिया और कोरोना की तरह मिटाना होगा- आदि अपमान सूचक वाक्य देश की फिजा में गूँजकर देश-विदेश में बसे एक अरब से अधिक सनातनी हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करके उनकी सहिष्णुता का खुला मजाक उड़ा रहे हैं। उन्हें समर्थन देने वाले इसे अभिव्यक्ति की आजादी कह रहे हैं और इसका समर्थन कर रहे हैं। यदि स्वयं को चर्चा में लाने और मीडिया में छाने के लिए ऐसी अनर्गल बयानबाजी अभिव्यक्ति की आजादी है तो इस पर कठोर प्रतिबंध लगाये जाने पर विचार करना आज की बड़ी आवश्यकता बन गयी है क्योंकि ऐसे बयानों से विपक्ष को सत्ता मिले या न मिले किन्तु सामाजिक समन्वय, सद्भाव और सहयोग अवश्य क्षत-विक्षत होगा। समाज में संघर्ष बढ़ेगा। इसलिए ऐसे नफरत भरे बयानों पर नियंत्रण अनिवार्य है। सनातन धर्म भारतवर्ष का अपना धर्म है। उसके सिद्धान्त शाश्वत हैं और न केवल भारतवर्ष के लिए अपितु समस्त विश्व के कल्याण के लिए संकल्पित हैं। हजारों वर्ष पूर्व सनातन धर्म ने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का उदार भाव व्यक्त किया और आज भी वह अपने धार्मिक अनुष्ठानों की समापन वेला में 'विश्व का कल्याण हो, प्राणियों में सद्भावना हो'- जैसे उद्घोष गुंजित कर अपनी मूल्य चेतना को स्वर देता है। प्रकृति के साथ उसकी गहरी रागात्मकता है जो नदी, सागर, पर्वत, वन, बादल, भूमि, वायु आदि में देवत्व का दर्शन कराती है और प्राकृतिक पर्यावरण की शुद्धता के लिए आवश्यक वातावरण का निर्माण करती है। सनातन धर्म के अद्वैत दर्शन ने मनुष्य के साथ-साथ जीवमात्र में परम सत्ता का दर्शन देकर पशु-पक्षियों, कीट-पतंगों तक की रक्षा का प्रावधान किया है।

सनातन धर्म का प्रतिनिधि ग्रंथ श्रीमद्भगवदगीता ब्राह्मण, गाय हाथी, कुत्ता, चाण्डाल सब में एक ही ईश्वर की उपस्थिति निर्देशित कर जीवमात्र की समानता का शंखनाद करता है। वैदिक युग से लेकर आज तक उसका प्रवाह निर्बाध रहा है। शास्त्र और शस्त्र सनातन धर्म की दो सशक्त भुजाएं हैं। राम, कृष्ण और शिव उसके प्रतीक आदर्श हैं। भारत में हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक फैले छोटे-बड़े करोड़ों मंदिर, चैरे, चबूतरे उसके ऊर्जा केन्द्र हैं और असंख्य साधु-संन्यासी उसके संरक्षक हैं। उसे मिटाने की बात करना दिन में सपने देखने जैसा है। सनातनी धर्म की रक्षा के लिए प्राणों की बाजी लगाने में अग्रणी हैं। शकों और हूणों जैसे बर्बर आक्रान्ताओं पर विजय प्राप्त करने वाला सनातन धर्म गजनवी, गोरी, तैमूर, औरंगजेब, नादिरशाह और अहमदशाह अब्दाली जैसे आक्रान्ताओं से टकराकर भी नहीं टूटा। ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ आए पादरियों के कुचक्र और प्रलोभन उसे लुभा न सके। हजारों वर्ष के संघर्ष के बाद भी उसकी विजय-पताका सबसे ऊँची है। शिकागो के सर्वधर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानन्द के व्याख्यान की सर्वस्वीकृति उसकी साक्षी है। सनातन दूर्वा है। उसमें दूर्वा की तरह झुककर पैरों तले रौंदे जाने पर भी अपने अस्तित्व को बचा ले जाने की अद्भुत क्षमता है। विधर्मी आक्रमणों और कुटिल षड्यंत्रों की कड़ी धूप में सूख जाने पर भी वह अवसर पाकर हरी हो उठती है। सनातन अमरवेल है। उसे अपने विस्तार के लिए कभी राजसिंहासन का सहारा नहीं लेना पड़ा। वह राजपुत्रों और राजवंशों से पोषण पाकर नहीं फैली। उसे अपने प्रसार के लिए आक्रमणकारी सैनिकों और सेवा का आडम्बर रचते प्रलोभनकारी व्यापारियों का सहारा नहीं लेना पड़ा। सनातन धर्म की अमरवेल अपने उदार चिन्तन और मानवीय मूल्यों के कारण बिना आश्रय के ही फल-फूल रही है।

विश्व में प्रतिष्ठित हो रहे नए मंदिर इसके प्रमाण हैं। सऊदी अरब जैसे इस्लामिक देश में मंदिर निर्माण सनातन की नयी प्रतिष्ठा है। इस्कान द्वारा स्थापित कृष्ण मंदिरों की बढ़ती संख्या सनातन धर्म की अमर बेल का नूतन विकास है। सनातन धर्म अक्षयवट है जिसकी छाया में मनुष्यता सुरक्षित है। उसकी जड़ें जितनी गहरी हैं उसका विस्तार आकाश में भी उतना ही अपार है। उसके आदर्श काल्पनिक नहीं यथार्थपरक हैं। वह जड़ अथवा स्थिर नहीं है, गतिमान है और परिवर्तनशील है। उसमें अपने अंदर समय के साथ आने वाली विकृतियों को स्वयं दूर करने की अद्भुत क्षमता है। गति, परिवर्तन, परिष्करण, संशोधन उसके मूलतत्व हैं। इसलिए वह चिर पुरातन और नित नवीन है। उसकी पृष्ठभूमि में विराट इतिहास है और उसके समक्ष अनन्त भविष्य। सनातन मनुष्य की रचनात्मक प्रज्ञा का अक्षय प्रवाह है। नकारात्मक नारों का भ्रामक प्रचार उसे रोक नहीं सकता। विगत शताब्दियों में परतंत्रता जनित प्रभावों के कारण सनातन में आयी छुआछूत, पर्दा, बालविवाह, आदि विकृतियों पर विजय पाने की ओर सनातन का विजय-रथ निरन्तर अग्रसर है। सनातन को कोसकर समाज में जहर घोलने वाले इन तथाकथित बुद्धिजीवियों, समाज सुधारकों और नेताओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि अब से लगभग पंद्रह सौ वर्ष पूर्व सम्राट हर्षवर्धन के समय में भारत भ्रमण पर आने वाले विदेशी चीनी यात्री हवेनसांग ने भारतीय समाज की जिस सुख, शान्ति, समृद्धि का उल्लेख किया है वह सनातन चिन्तन परम्परा की ही देन है। भारत सोने की चिड़िया सनातन व्यवस्था की छाया में ही रहा। अयोध्या नरेश सत्यवादी हरिश्चन्द्र को काशी के डोम ने खरीदा था इस संदर्भ से भी प्राचीन भारत में सनातन व्यवस्था में दलित समझे जाने वाले वर्ग की आर्थिक स्थिति का अनुमान करना चाहिए। लगभग सौ वर्ष पूर्व सवर्ण वर्ग में जन्मे महर्षि दयानन्द ने आर्यसमाज की स्थापना कर सनातन धर्म में संशोधन करते हुए अस्पृश्यता के अभिशाप को दूर करने की दिशा में देशव्यापी सार्थक प्रयत्न किये। कथित ऊंची जातियों में जन्म लेने वाले वीर सावरकर, महात्मा गाँधी, डॉ. हेडगेवार, प. श्रीराम शर्मा आचार्य आदि ने सनातन में आए सामाजिक भेदभाव को दूर करने के लिए गंभीर प्रयत्न किये जिनका शुभ परिणाम स्वतंत्र भारत में धार्मिक, सामाजिक और संवैधानिक धरातल पर आज सबके सामने हैं। मंदिरों के द्वार सबके लिए खुले हैं। आज चाय की गुमठियों, होटलों और चाट के ठेलों पर खाने-पीने का सामान बनाने वालों की जाति नहीं पूछी जाती।

स्कूली छात्र और कुपोषण

यही कारण है कि भोजन और शिक्षा आपस में एक-दूसरे पर निर्भर हैं और यदि इसका प्रबंधन सही ढंग से नहीं किया गया तो नए भारत के लिए चुनौती बन सकता है। देखा जाए तो कुपोषण कोई ऐसी बीमारी नहीं जिसे कम न किया जा सके। बस हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है। स्कूली बच्चों को जंक फूड के विपरीत प्रभावों से बचाने की बहुत जरूरत है। कुल मिला कर न केवल नीति स्तर पर, बल्कि परिवार में भी बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें कैसा आहार दिया जाता है, इसको ध्यान में रखकर कुपोषण की समस्या को काफी हद तक सीमित किया जा सकता है। यूं भी जो हमारी शिक्षा व्यवस्था है, उसमें कमियां हैं और यह उन बातों पर फोकस नहीं कर रही है कि हमें क्या खाना चाहिए और कितनी मात्रा में खाना चाहिए। चूंकि हमारी समझ और जानकारी किताबों और लेक्चर्स से आती है, ऐसे में भोजन और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पाठ्यक्रम आज के समय की बहुत बड़ी जरूरत हैं...

देश के कुछेक राज्य सितंबर के महीने को पोषण माह के तौर पर मना रहे हैं। इस पोषण माह के दौरान सभी कुपोषण के अधिक शिकार और आंशिक तौर पर कुपोषण के शिकार बच्चों की सेहत और तंदुरुस्ती पर खास ध्यान देते हुए उन पर काम किया जाएगा। छोटी क्लास के स्कूली छात्रों के कुपोषण, यानी ठीक खुराक न मिलने के अनेक कारण हो सकते हैं। सभी राज्यों में कुपोषण का मुख्य कारण गरीबी ही है। कम मात्रा में भोजन करने पर बच्चों में कुपोषण विकसित हो सकता है। कुपोषण की समस्या देश के अनेक राज्यों में संतोषजनक नहीं है। उदाहरण के तौर पर छत्तीसगढ़ में नक्सल समस्या सबसे बड़ी समस्या मानी जाती है, क्योंकि इससे विकास की रफ्तार धीमी हो रही है। इसके बाद दूसरी सबसे बड़ी समस्या कुपोषण को माना जाता है। इसकी चपेट में प्रदेश के लाखों बच्चे हैं। खासकर ट्राइबल इलाकों के बच्चे ज्यादातर कुपोषित हैं। राज्य में वर्तमान में 17 फीसदी से अधिक बच्चे कुपोषण की श्रेणी में आते हैं जिनकी संख्या लाखों में है। इसी तरह से मध्य प्रदेश में बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन की ताजा तिमाही रिपोर्ट में करीब 78 हजार बच्चों में कुपोषण मिला है। ये वो बच्चे हैं, जो रोजाना आंगनबाड़ी पहुंचते हैं। रिपोर्ट जनवरी, फरवरी और मार्च 2023 की है जो दो जून को जारी हुई है। पिछली तिमाही (अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2022) की रिपोर्ट की तुलना में भोपाल समेत सात संभागों में गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या बढ़ी है। साल 2021 में दुनिया के 76.8 करोड़ लोग कुपोषण का शिकार पाए गए। इनमें 22.4 करोड़ (29 फीसदी) भारतीय थे। यह दुनियाभर में कुल कुपोषितों की संख्या के एक-चौथाई से भी अधिक है। जहां तक देश का सवाल है तो भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खाद्य उत्पादक देश है। दूध, दाल, चावल, मछली, सब्जी और गेहूं उत्पादन में हम दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसके बावजूद देश की एक बड़ी आबादी कुपोषण का शिकार है। संयुक्त राष्ट्र की 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वल्र्ड 2022' की रिपोर्ट के अनुसार साल 2019 के कोरोनाकाल के बाद लोगों का भूख से संघर्ष तेजी से बढ़ा है। साल 2021 में दुनिया के 76.8 करोड़ लोग कुपोषण का शिकार पाए गए। इनमें 22.4 करोड़ (29 फीसदी) भारतीय थे। यह दुनियाभर में कुल कुपोषितों की संख्या के एक-चौथाई से भी अधिक है। इसकी वजह से देश पर बीमारियों का बोझ बहुत ज्यादा है। कुपोषण पर भारत सरकार के आंकड़े दिखाते हैं कि भारत में कुपोषण का संकट और गहरा गया है। कुछ आंकड़ों के मुताबिक भारत में इस समय 33 लाख से अधिक बच्चे कुपोषित हैं। इनमें से आधे से ज्यादा यानी कि 17.7 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। देश के कुछ राज्यों मे सुपोषण योजना के माध्यम से कुपोषण मुक्ति के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस योजना के तहत कुपोषित महिलाओं, गर्भवती और शिशुवती माताओं के साथ बच्चों को गरम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। राशन में आयरन और विटामिन युक्त फोर्टीफाइड चावल और गुड़ देकर लोगों के दैनिक आहार में विटामिन्स और मिनरल्स की कमी को दूर करने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक रेडी टू ईट और स्थानीय उपलब्धता के आधार पर पौष्टिक आहार देने की भी व्यवस्था की गई है। महिलाओं और बच्चों को फल, सब्जियों सहित सोया और मूंगफली की चिक्की, पौष्टिक लड्डू, अण्डा सहित मिलेट्स के बिस्कुट और स्वादिष्ठ पौष्टिक आहार के रूप में दिया जा रहा है। सभी राज्यों में इससे अधिक प्रयासों की जरूरत है। कुपोषण को दूर करने के लिए हमारे स्कूलों में खास प्रयास कर सकते हैं। स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों में कुपोषण को दूर करने के तरीकों पर पेरेंट्स की समझ बढ़ाने के लिए पेरेंट्स को बच्चों में कुपोषण के मुद्दे पर काउंसलिंग दी जानी चाहिए ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि उनके बच्चों को संतुलित और पौष्टिक आहार मिल सके। इसके साथ ही बच्चों में खाने की अच्छी आदतों को विकसित करने के लिए स्कूलों को योजना बनानी चाहिए। इस दिशा में प्रशासनिक कोशिशों में तेजी लाई जाए, तो बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। मिड-डे-मील जैसी योजनाओं का प्रभावी वर्शन लाए जाने की जरूरत है। गैर सरकारी संगठन कुपोषण को लेकर सरकारों को सहयोग करें। ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) 2019 ने कुछ चेतावनी भरे तथ्य उजागर किए हैं। इस इंडेक्स में भूख के आधार पर 117 देशों की रैंकिंग की गई है और इसमें भारत 102वें स्थान पर है। ब्रिक्स देशों में भारत की रैंकिंग सबसे कम है। जीएचआई इंडेक्स पांच वर्ष से कम आयु वाले ऐसे बच्चों पर आधारित होता है, जिनका वजन और लम्बाई निर्धारित मापदण्ड से कम है। ऐसे पर्याप्त तथ्य हैं जो यह बताते हैं कि भुखमरी का शिक्षण व्यवस्था पर प्रभाव पड़ता है। जो दिमाग सही ढंग से विकसित नहीं हो पाते, उन्हें उचित मूलभूत ढांचे और दिमाग का सही विकास नहीं होने के कारण मूल शिक्षा भी सही ढंग से नहीं मिल पाती। डब्लूएचओ की एक रिपोर्ट कहती है कि पांच वर्ष से कम आयु के ऐसे 155 मिलियन बच्चे हैं जो अपनी लम्बाई के अनुसार कम वजन के हैं और 50 मिलियन बच्चे अविकसित हैं। अपनी स्थिति और पर्याप्त शारीरिक विकास नहीं होने के कारण वे आठ वर्ष तक पढने की स्थिति में भी नहीं आ पाते। यही कारण है कि भोजन और शिक्षा आपस में एक-दूसरे पर निर्भर हैं और यदि इसका प्रबंधन सही ढंग से नहीं किया गया तो नए भारत के लिए चुनौती बन सकता है। देखा जाए तो कुपोषण कोई ऐसी बीमारी नहीं जिसे कम न किया जा सके। बस हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है। स्कूली बच्चों को जंक फूड के विपरीत प्रभावों से बचाने की बहुत जरूरत है। कुल मिला कर न केवल नीति स्तर पर, बल्कि परिवार में भी बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें कैसा आहार दिया जाता है, इसको ध्यान में रखकर कुपोषण की समस्या को काफी हद तक सीमित किया जा सकता है।

देश दुनीया से

एक हिंदी लवर को मासिक हिंदी धर्म

हिंदी में लिखने वालों का विकास जहां का तहां रुका हुआ हो तो रुका रहे, हिंदी में लिखने वालों पर संकट के घोर बादल और घनघोर हो गए हों तो होते रहें, पर हिंदी का सचमुच विकास हो रहा है। बजट फाड़ कर विकास हो रहा है। मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक सभी अपने अपने मनमाने तरीके से हिंदी धमाकेदार विकास करने में लुटे जुटे हैं। अंग्रेजी में सरकारी पत्र व्यवहार करने वाले हिंदियों द्वारा राजभाषा हिंदी पुरस्कार धड़ाधड़ झपटे जा रहे हैं। जिसका जैसे मन कर रहा है, वह वैसे हिंदी से खेल रहा है, जिसका जैसे तन कर रहा है, वह हिंदी वैसे पेल रहा है। और जो मजबूरी का निष्काम हिंदी प्रेमी है, वह हिंदी पर निरंतर होते हमले अपने ऊपर झेल रहा है। जनाब ! गम नॉट ! हिंदी का विकास पुरजोर हो रहा है, शोरोंशोर हो रहा है। हिंदी के मासिक विकास के बजट के लिए कोई कमी नहीं। हिंदी को दारू से महीना भर जितना मर्जी नहलाओ। वैष्णव हिंदी को भोग लगाकर जितना मर्जी जो खाओ। पर, बस हर हाल में हिंदी मास मनाओ। मेरे बचपन के दिनों में खींचखांच कर हिंदी सप्ताह मनाया जाता था। शायद तब हिंदी की दशा आज जितनी दयनीय नहीं थी। इसलिए हिंदी के उत्थान के लिए बजट शजट भी कम ही होता था। बजट का किसी और से सीधा संबंध हो या न, पर रस्म पगड़ी से लेकर उनके शपथ समारोह के कार्यक्रम तक से सीधा संबंध होता है। जो बाप अपनी रस्म पगड़ी के लिए अनुमानित महंगाई इंडेक्स के हिसाब से जोड़ छोड़.कर नहीं जाता, जिंदा जी तो उसकी पगड़ी यहां वहां उछलती ही रहती है, पर रस्म पगड़ी में भी उसकी पगड़ी उछलते देर नहीं लगती। तब हफ्ते भर हिंदी को मनाने, बहलाने, खाने, खिलाने से सारा साल काम मजे से चल जाता था। हिंदी प्रेमियों के पेट की च्वाइस भी ज्यादा नहीं होती थी। अधिकतर गैर सरकारी हिंदी प्रेमी वैष्णव होते थे। एकाध नॉनवेज होता था तो वह अधिकारियों के साथ चल जाता था। अब रही बात आयोजन के सरकारी आयोजकों की ! वे तो हर समय में नॉनवेज ही रहे हैं। वे तिल के बिल बनाना अच्छी तरह जो जानते थे, जानते हैं। जब हिंदी के बजटीय शुभचिंतकों को लगा कि हिंदी साल दर साल खतरे में पड़ती जा रही है, हिंदी की रक्षा के लिए बजट का प्रावधान कुछ अधिक होना शुरू हुआ। हिंदी सप्ताह की जगह हिंदी पखवाड़े ने ले ली। अधिक बजट होने से हिंदी के प्रति चिंता अधिक होना लाजिमी था। जिसके लिए बजट जितना अधिक, उस पर उतनी अधिक चिंता करना सबसे बड़ी नैतिक ईमानदारी। यह बजट ईमानदारी से खाने वालों का सर्वकालिक सिद्धांत है। हर नियम को चुनौती दी जा सकती है, पर इस नियम को नहीं। कम बजट में बजट से अधिक चिंतन मनन कोई करके दिखाए तो उसके जूते पानी पिऊं। अब जनाब ! हिंदी को मनाने के लिए बजट का प्रावधान और बढ़ा तो हिंदी पर चिंतन पाक्षिक से मासिक हो गया। महीना भर जब मन करे, हिंदी दिवस मनाओ ! जिसे मन करे, उसे खिलाओ। जिसे मन करे, हिंदी प्रेमी के नाम पर मंच से उससे जो वह चाहे बकवाओ। पूरा महीना हिंदी मास मानने के बाद भी जिसे शिकायत रहे कि उसने हिंदी मां के चरणों का सोमरस नहीं पिया, उसने हिंदी के नाम पर कुछ नहीं किया। हे ऐसे वैसे, जैसे तैसे मासिक हिंदी प्रेमियो ! मैं भी आजकल हिंदी के सूखते तालाब में नाक पकड़ डुबकियां लगा हिंदी के ऋण से उऋण हो रहा हूं। मां बाप के ऋण से उऋण नहीं हुआ तो क्या ! सिंतबर महीने अंग्रेजी तक हिंदीमय हो और मैं हिंदीमय न होऊं, यह कैसे हो सकता है भला ? उनकी हिंदी छाल छाल तो मुझ अंग्रेजी की देशी वर्जन की हिंदी पात पात। सो मैं देशी अंग्रेज इन दिनों ठेठ हिंदीमय चल रहा हूं। अहा ! मेरा मन तन सब हिंदीमय हुआ जा रहा है। इन दिनों मेरे मुख से ऐसे ऐसे भयंकर हिंदी के शब्द निकल रहे हैं कि हिंदी भी उनको सुनकर मलंग हुई जा रही है। इन दिनों मेरे मुख से निकले हिंदी के शब्दों को आचार्य रामचंद्र शुक्ल सुन लें तो दांतों तले उंगली दबा लें। इन दिनों हजारी प्रसाद द्विवेदी मेरे तन के हिंदीमय हाव भाव देख लें तो वे पसीना पसीना हो जाएं। हिंदी के कल्याणार्थ आजकल मैं बिन थके हिंदी के हर तरह के हर कार्यक्रम में पूरी शिद्दत से शिरकत कर रहा हूं। भगवान मुझ मासिक हिंदी प्रेमी की तंदुरुस्ती मास भर जैसे तैसे बनाए रखे।

मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक सभी अपने अपने मनमाने तरीके से हिंदी धमाकेदार विकास करने में लुटे जुटे हैं। अंग्रेजी में सरकारी पत्र व्यवहार करने वाले हिंदियों द्वारा राजभाषा हिंदी पुरस्कार धड़ाधड़ झपटे जा रहे हैं। जिसका जैसे मन कर रहा है, वह वैसे हिंदी से खेल रहा है, जिसका जैसे तन कर रहा है, वह हिंदी वैसे पेल रहा है। और जो मजबूरी का निष्काम हिंदी प्रेमी है, वह हिंदी पर निरंतर होते हमले अपने ऊपर झेल रहा है। जनाब ! गम नॉट ! हिंदी का विकास पुरजोर हो रहा है, शोरोंशोर हो रहा है। हिंदी के मासिक विकास के बजट के लिए कोई कमी नहीं।

दृष्टिकोण

राजनीति का चेहरा बदलने वाला विधेयक, मोदी सरकार का ऐतिहासिक कदम

नरेंद्र मोदी सरकार ने जब संसद के विशेष सत्र बुलाने की घोषणा की, तो लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे थे, लेकिन अब इसका मकसद सामने आ गया है। आधी आबादी को संसद एवं राज्यों की विधानसभाओं में राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के लिए जिस महिला आरक्षण विधेयक की मांग पिछले 27 वर्षों से उठ रही थी, उसे पारित करने के उद्देश्य से ही प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने यह विशेष सत्र बुलाया था। नए संसद भवन की पहली कार्यवाही में लोकसभा में सबसे पहला विधेयक जो मंगलवार को पेश किया गया, वह नारी शक्ति वंदन विधेयक के नाम से महिला आरक्षण विधेयक ही है। अभी लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व मात्र 15.21 प्रतिशत और राज्यसभा में 13.02 प्रतिशत है। जबकि आज महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और अपनी छाप छोड़ रही हैं, नए-नए क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, लेकिन राजनीति ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जहां उनके लिए दरवाजे तकरीबन सुनियोजित ढंग से बंद थे। कहा जाता था कि महिलाओं में चुनाव जीतने की क्षमता नहीं है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करवाने की शुरुआत राजीव गांधी ने की थी, जब स्थानीय निकायों के चुनाव में उनकी सरकार ने एक तिहाई सीटें आरक्षित करने की बात की थी, लेकिन वह विधेयक उनके प्रधानमंत्रित्व काल में पारित नहीं हो सका, क्योंकि राज्यों ने उसका तीखा विरोध किया था। नरसिंहा राव के कार्यकाल में वह विधेयक पारित हुआ। इसमें स्थानीय निकायों के चुनाव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गईं। बिहार जैसे राज्यों ने महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत तक सीटें आरक्षित कर दीं। उसकी वजह से जमीनी स्तर पर आज ऐसी महिलाओं का एक बड़ा तबका है, जिन्हें पंचायत चलाने का राजनीतिक अनुभव है। महिलाएं आज अपने दम-खम पर बेहतर ढंग से पंचायतों का संचालन कर रही हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि जहां महिलाएं पंचायत में प्रधान या सरपंच रही हैं, उन्होंने बुनियादी मुद्दों-शिक्षा, स्वास्थ्य आदि को अहमियत दी है। राजनीतिक रूप से जागरूक उन महिलाओं के विशाल समूह को अब पंचायत से ऊपर राज्य विधानसभाओं और लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, तो कानून भी महिला संवेदनशील बनेंगे और नीति-निर्माण में उनकी भूमिका बढ़ेगी। वर्ष 1996 में जब पहली बार एचडी देवगौड़ा सरकार ने लोकसभा में इसे पेश किया था, तो विभिन्न पार्टियों के कुछ वरिष्ठ लोग सांसदों को सदन में जाने से रोक रहे थे, क्योंकि वे चाहते थे कि सदन का कोरम ही पूरा न हो। यह मैंने स्वयं देखा है। हर पार्टी के भीतर इसको लेकर प्रतिरोध था, भले ही बाहर उनका जो भी रवैया हो। पुरुष नेताओं को अपनी सीटें गंवाने का भय था। फिर अटल बिहारी वाजपेयी के समय में भी इसे पेश किया गया, पर पारित नहीं हो सका। उसके बाद डॉ. मनमोहन सिंह के समय में 2008 में राज्यसभा में इसे पेश किया गया था, फिर इसे स्टैंडिंग कमेटी के पास भेज दिया गया था। अंततः 2010 में राज्यसभा में यह पारित हो सका।

फर्जी कॉल के जरिए अमेरिकी नागरिकों को लगाया करोड़ों का चूना; दो भारतीयों को 41 महीने की सजा

वॉशिंगटन।

जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को तानाशाह कहा है। अगर पुतिन यूक्रेन के खिलाफ जंग जीत जाते हैं तो ये दुनियाभर के दूसरे तानाशाहों जैसे चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग के लिए कैसा मैसेज होगा। बेयरबॉक ने आगे कहा था- इसीलिए यूक्रेन को यह युद्ध जीतना होगा। आजादी और लोकतंत्र को जीतना ही होगा। विदेश मंत्री के बयान से नाराज चीन ने तुरंत अपने यहां मौजूद जर्मनी के राजदूत पैट्रीशिया फ्लोर को तलब कर दिया। उन्होंने पैट्रीशिया के सामने डिप्लोमैटिक लेवल पर विरोध जताया।

बाइडेन भी जिनपिंग को तानाशाह बोल चुके

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा- जर्मनी की तरफ से दिया गया बयान बेतुका और चीन की राजनीतिक गरिमा का उल्लंघन है। ये बयान चीन को उकसाने के लिए दिया गया है। इससे पहले जून में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भी शी जिनपिंग को तानाशाह कहा था। इसके बाद बीजिंग की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई थी। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा था- ये बुनियादी तथ्यों के बिलकुल उलट है। साथ ही बाइडेन का बयान कूटनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ है।

चीन पर निर्भरता कम करने की कोशिश में जर्मनी

जुलाई 2023 में जर्मन सरकार ने पहली बार अपनी नई चाइना पॉलिसी पेश की थी। इस दस्तावेज में जर्मनी की चीन पर निर्भरता कम करने की बात कही गई थी। इस पॉलिसी के तहत जर्मनी ने रिसर्च में सहयोग बंद करने की घोषणा की थी। 64 पेज के दस्तावेज के मुताबिक जर्मनी चीन के साथ उन परियोजनाओं से पैसा निकालना चाहता है, जिनमें नॉलेज ट्रांसफर हो सकता है। वहीं जर्मनी की गठबंधन सरकार का कहना है कि वह पूरी तरह दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था चीन से अलग नहीं होना चाहती है। जर्मनी एक्सपोर्ट पर निर्भर अर्थव्यवस्था है और चीन उसके लिए सबसे बड़ा बाजार है। बीजिंग के साथ तनाव का असर जर्मनी के निर्यात पर भी होगा। चीन का विदेश मंत्रालय जर्मन की न्यू चाइना पॉलिसी को नुकसान पहुंचाने वाला कदम बता चुके हैं। जर्मनी की विदेश मंत्री बेयरबॉक ने लगातार चीन को लेकर सख्त रवैया अपनाने की बात कही है। ताइवान और ह्यूमन राइट्स के मामले में बेयरबॉक चीन के खिलाफ बयान भी दे चुकी हैं।

न्यूज ब्रीफ

मिस यूनिवर्स पाकिस्तान एरिका के खिलाफ जांच करेगी आईएसआई: केयरटेकर पीएम बोले- ब्यूटी कॉन्टेस्ट साजिश; मजहबी नेता भी विरोध में उतरे

इस्लामाबाद। मालदीव में 14 सितंबर को मिस यूनिवर्स पाकिस्तान का खिताब जीतने वाली एरिका रॉबिन और इस इवेंट के खिलाफ जांच होगी। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के केयरटेकर प्राइम मिनिस्टर अनवार-उल-हक काकड़ ने इंटेलिजेंस एजेंसी आईएसआई को इन्वेस्टिगेशन के ऑर्डर दिए हैं। 24 साल की एरिका रॉबिन क्रिश्चियन हैं। उन्होंने 14 सितंबर को मालदीव में मिस यूनिवर्स पाकिस्तान का खिताब जीता था। वो नवंबर में अल साल्वाडोर में होने वाले मिस यूनिवर्स 2023 में पाकिस्तान को रिप्रेजेंट करेंगी। इस ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेने वाली एरिका पहली पाकिस्तानी हैं। इस इवेंट को दुबई की कंपनी यूजेन ग्रुप ने ऑर्गनाइज किया था। इसी ग्रुप ने बहरीन और इजिप्ट में भी यह इवेंट ऑर्गनाइज किया था। पाकिस्तान के कई रिलीजियस लीडर्स और खुद प्रधानमंत्री काकड़ इस इवेंट को मुल्क के खिलाफ साजिश बता रहे हैं। पांच लड़कियों ने ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया था पाकिस्तान सरकार के रवैये और मजहबी नेताओं के विरोध के बाद कई सवाल उठ रहे हैं। पहला- क्या एरिका मिस यूनिवर्स 2023 में हिस्सा ले पाएंगी अगर वो हिस्सा लेती भी हैं तो क्या पाकिस्तान का नाम और नेशनल फ्लैग इस्तेमाल कर पाएंगी अगर ऐसा हुआ भी तो क्या मुल्क लौटने के बाद वो महफूज रह पाएंगी कराची की रहने वाली एरिका पेशे से मॉडल हैं। यूनिवर्स ब्यूटी पेजेंट हर साल अलग-अलग देशों में ऑर्गनाइज किया जाता है। मेन इवेंट के पहले हर देश में इंटरनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट होता है। इसको जीतने वाली लड़की मेन इवेंट में अपने देश को रिप्रेजेंट करती है। यही इवेंट पाकिस्तान में विरोध के डर से मालदीव में ऑर्गनाइज किया गया था और एरिका ने यहां अवॉर्ड जीता था। 24 साल की एरिका के अलावा हीरा इनाम, जेसिका विल्सन, मालिका अल्वी और शबरीना वसीम ने भी मालदीव में हुए ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लिया था। इन लड़कियों के खिलाफ जांच होगी या नहीं, यह अभी साफ नहीं है। इस इवेंट के बाद पाकिस्तान के मजहबी नेता विरोध पर उतर आए हैं। इस्लामिक स्कॉलर तकी उस्मानी ने कहा- सबसे पहले तो सरकार को इस इवेंट के ऑर्गनाइजर्स के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए। हम ये कभी नहीं कबूल नहीं करेंगे कि इस तरह के इवेंट्स में कोई लड़की पाकिस्तान के नाम पर शिरकत करे। एक पॉलिटिशियन मुश्ताक अहमद खान ने कहा- किसने यह शर्मनाक इवेंट होस्ट किया उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक प्राइम मिनिस्टर काकड़ ने खुफिया एजेंसी से यह पता लगाने को कहा है कि ऑर्गनाइजर्स को पाकिस्तान का नाम इस्तेमाल करने की मंजूरी किसने दी यह इवेंट शर्मनाक था और यह पाकिस्तान की महिलाओं का गलत इस्तेमाल और बेइज्जती है।

महिला को मछली खाना पड़ा भारी, सेप्सिस की वजह से कोमा में चली गई

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक महिला को मछली खाना भारी पड़ गया। महिला के अंगों ने काम करना बंद कर दिया तो उसे अस्पताल में ले जाना पड़ा जहां महिला कोमा में चली गई। अब उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। बताया जा रहा है कि महिला के शरीर के चार अंगों ने काम करना बंद कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैलिफोर्निया की रहने वाली 40 वर्षीय लॉरा बाराजस को मछली खाने का बहुत शौक था। वह आए दिन मछली ले आती थीं, खुद बनाती थीं और साथ खाना पसंद करती थीं। मगर जुलाई में उनका यह शौक जानलेवा बन गया। लॉरा की दोस्त अन्ना मेसिना ने बताया कि सैन जोस मार्केट से वह तिलपिया मछली खरीदकर लाई। रात को बनाया और खाकर सभी सोने चले गए। लेकिन कुछ ही घंटों में उसकी हालत खराब हो गई। सांस लेने में दिक्कत होने लगी। लॉरा बाराजस को लेकर लोग अस्पताल भागे तो पता चला कि वह कोमा में चली गई है। उसे तुरंत वेंटिलेटर पर रखा गया। उसकी उंगलियां तथा पैर काले हो गए थे। निचला होंठ पूरी तरह काला पड़ चुका था। उसे पूरी तरह से सेप्सिस हो गया था और उसकी किडनी खराब हो रही थी। डॉक्टरों ने बताया कि उसे एक बैक्टीरियल इंफेक्शन हो गया है। जब उन्होंने इसकी वजह बताई तो सब हैरान रह गए। बाराजस ने जो मछली बनाई थी वह कच्ची रह गई थी, जिसकी वजह से उसे यह घातक इंफेक्शन हुआ। बीते उसकी सर्जरी की गई और कई अंगों का ट्रांसप्लांट किया गया। अभी भी वह जीवन मौत के बीच झूल रही है। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. नताशा स्पोटिसवूड के मुताबिक, कोई भी इस बैक्टीरिया की चपेट में आ सकता है। अगर आप कोई दूषित चीज खा रहे हैं तो यह संक्रमण आपको चपेट में ले सकता है। बता दें कि अमेरिका में हर साल इस तरह के संक्रमण के लगभग 150-200 मामले सामने आते हैं और संक्रमण से पीड़ित पांच में से एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर रहता है, उन्हें यह घातक संक्रमण होता है।

कनाडा ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की

कहा- जम्मू और कश्मीर में जाने से बचें, मणिपुर-असम भी न जाने की सलाह दी

ओटावा।

कनाडा ने जम्मू और कश्मीर में सिक्योरिटी की हालात को देखते हुए अपने नागरिकों से वहां न जाने को कहा है। वहां टेरेरिज्म और किडनैपिंग का खतरा है। इसके अलावा असम और मणिपुर में भी न जाने की सलाह दी गई है। बता दें कि पिछले 2 दिन से भारत और कनाडा के बीच डिप्लोमैटिक विवाद बढ़ता जा रहा है। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर लगाते हुए हमारे एक डिप्लोमैट को निकाल दिया। जवाब में भारत ने भी कनाडा के एक डिप्लोमैट को एक्सपेल कर दिया। कनाडा के सबसे बड़े अखबार ने ट्रूडो का बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि कनाडा की सरकार भारत के साथ तनाव नहीं बढ़ाना चाहती, लेकिन भारत को इन मुद्दों को गंभीरता से लेना होगा। कनाडा के साथ निज्जर की हत्या के बाद बढ़े तनाव के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने पीएम मोदी से मुलाकात की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों के बीच पार्लियामेंट हाउस में मीटिंग चल रही है। इसमें जयशंकर ने पीएम को पूरे मामले पर ब्रीफ किया है। भारत के टकराव के मुद्दे पर कैनेडियन अपोजिशन प्रधानमंत्री ट्रूडो से दूरी बनाता नजर आ रहा है। यहां के अपोजिशन लीडर पियरे पोएलिवर ने सोशल मीडिया पर कहा- हमारे प्रधानमंत्री को साफ और सीधी बात करनी चाहिए। अगर उनके पास सबूत हैं तो वो जनता के सामने रखें। ऐसा होगा तभी तो लोग फैसला ले सकेंगे कि कौन सही और कौन गलत। हैरानी की बात यह है कि ट्रूडो कोई फैक्ट्स सामने नहीं रख रहे। उनकी तरफ से सिर्फ स्टेटमेंट्स सामने आ रहे हैं, ये तो कोई भी कर सकता है।

ट्रूडो का नया बयान- तनाव को बढ़ाना नहीं चाहते

रिपोर्ट के मुताबिक कैनेडियन प्राइम मिनिस्टर का रुख कुछ नर्म दिखा। उन्होंने कहा- हम इस तनाव को बढ़ाना नहीं चाहते। हमने कुछ फैक्ट्स सामने रखे हैं। हम चाहते हैं कि इस मुद्दे पर भारत सरकार के साथ काम करें ताकि हर चीज क्लीयर हो सके। पहचान न बताने की शर्त पर एक कनाडाई सरकार के अधिकारी ने कहा-

निज्जर सिंह की हत्या पर जानाकारी कई देशों की मदद से इकट्ठा की गई है। जांच पूरी होने के बाद इसको लेकर पूरी जानकारी दी जाएगी। बता दें कि कनाडा एक फाइव आइज नाम के इंटेलिजेंस अलायंस का हिस्सा है। इसमें कनाडा के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

भारत बोला- कनाडा के आरोप बेतुके

भारत ने कनाडा की तरफ से लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा- कनाडा के सभी आरोप बेतुके हैं। इसी तरह के आरोप कनाडाई प्रधानमंत्री ने हमारे पीएम मोदी के सामने भी रखे थे और उन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया गया था। इस तरह के निराधार आरोप खालिस्तानी आतंकवादियों और चरमपंथियों से ध्यान हटाने की कोशिश है। इन्हें कनाडा में पनाह दी गई है और ये भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा हैं।

ट्रूडो बोले- जांच में सहयोग के लिए भारत पर दबाव बनाएंगे

ट्रूडो ने सांसदों से कहा- कनाडा की धरती पर किसी नागरिक की हत्या करवाने में विदेशी सरकार का शामिल होना, हमारे देश की संप्रभुता का उल्लंघन है। हम इस हत्या की जांच में सहयोग देने के लिए भारत सरकार पर दबाव बनाएंगे। प्रधानमंत्री ट्रूडो ने कहा- कनाडा में रहने वाली भारतीय मूल के सिखों की बड़ी आबादी इस हत्या को लेकर गुस्से से भरी है। कई सिख अपनी सुरक्षा को लेकर डर में हैं। देश में करीब 18 लाख के बीच भारतीय मूल के नागरिक हैं, जिनमें से कई सिख हैं। कनाडा की विपक्षी पार्टी न्यू डेमोक्रटिक पार्टी के लीडर जगमीत सिंह सिख समुदाय से हैं।

कनाडा में सालभर में भारत विरोधी 15 घटनाएं, गिरफ्तारी एक भी नहीं

कनाडा के भारतवंशियों का कहना है कि ट्रूडो का आरोप हास्यास्पद है। एक साल के दौरान कनाडा में भारत विरोधी 15 घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें 9 सभाएं, खालिस्तान के समर्थन में 2 जनमत संग्रह और 4 मंदिरों पर हमले शामिल हैं। ट्रूडो सरकार ने एक भी मामले में कोई गिरफ्तारी को अंजाम नहीं दिया है। ब्रैम्पटन के अक्षय गर्ग और ओंटारियो में इटोबिकोक के अश्विनी शर्मा का कहना है कि यहां पर भारत विरोधी घटनाओं के बकायदा वीडियो पुलिस को सौंपे जाते हैं, लेकिन पुलिस को कोई आरोपी नहीं मिलता। कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। लेकिन खालिस्तानी निज्जर की हत्या के तीन महीने के भीतर ही कनाडा को बड़े सुराग हासिल हो गए... ये कैसे हुआ। ओंटारियो के सिख युवक बलजीत (बदला हुआ नाम) का कहना है कि चंद मुट्ठी भर लोगों की करतूत के कारण पूरे समाज को शर्मिंदा होना पड़ता है। कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार हाथ पर हाथ धरकर आंखें भी मूंदे हुए है। भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना है कि कनाडा के पीएम ट्रूडो खालिस्तानी आतंकियों पर कार्रवाई नहीं कर मुद्दे से ध्यान भटका रहे हैं। कनाडा में लंबे समय से खुलेआम चल रही भारत विरोधी गतिविधियों को ट्रूडो सरकार का समर्थन है।

पंजाब में जन्मा, यहीं आतंकवाद फैलाना चाहता था

निज्जर पंजाब के जालंधर के भार सिंह पुरा गांव का रहने वाला था। गांव के सरपंच राम लाल ने बताया कि निज्जर 1992 में कनाडा चला गया था। वो खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख था। वो भारतीय एजेंसियों की मोस्ट वांटेड आतंकियों की लिस्ट में शामिल था। एनआईए ने 40 आतंकियों की लिस्ट जारी की थी, उसमें भी निज्जर का नाम था। ब्रैंपटन शहर में खालिस्तान के हक में रेफरेंडम करवाने में भी उसकी भूमिका थी।

तुर्किये ने यूएन असेंबली में फिर उठाया कश्मीर मुद्दा

कहा- साउथ एशिया में विकास के लिए कश्मीर में शांति जरूरी, भारत-पाक बातचीत से मामला सुलझाएं

अंकारा।

तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने यूएन जनरल असेंबली में एक बार फिर से कश्मीर का मुद्दा उठाया है। यूएनजीए के 78वें सेशन में एर्दोगन ने कहा- साउथ एशिया में शांति, स्थिरता और विकास के लिए कश्मीर में न्याय के साथ शांति स्थापित करना बेहद जरूरी है। इसके लिए भारत और पाकिस्तान को बातचीत और सहयोग के जरिए मामला सुलझाना होगा। एर्दोगन ने कहा- हम कश्मीर में शांति के लिए जो भी कदम उठाए जाएंगे, उसका समर्थन करेंगे। भारत एनएससी में एक अहम भूमिका निभा रहा है और ये गर्व की बात है। एनएससी के टेमपररी मेंबर्स को भी परमानेंट बनाया जाना चाहिए। तुर्किये के राष्ट्रपति ने कहा- दुनिया 5 देशों से बड़ी है। ये अब सिर्फ अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्रांस की बात नहीं है।

यूएनएचआरसी में भी उठाया था कश्मीर का मुद्दा

तुर्किये लगातार कश्मीर को लेकर विवादित बयान देता आया है। इससे पहले मार्च में यूएनएचआरसी की मीटिंग में भी एर्दोगन ने यूएन रिजॉल्यूशन के जरिए कश्मीर मुद्दा सुलझाने की बात कही थी। इस पर भारत ने तुर्किये को देश के आंतरिक मामलों से दूर रहने को कहा था। इससे पहले पिछले साल भी यूएनजीए की मीटिंग में तुर्किये ने कश्मीर पर बयान दिया था। तब एर्दोगन ने कहा था- कश्मीर पर 74 साल से समस्या जारी है। हमारा मानना है कि दोनों पक्षों को संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर इसे हल कर लेना चाहिए। आर्टिकल 370 हटने के

बाद तुर्किये ने कहा था- इससे हालात और खराब हुए 2019 में कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के बाद पाकिस्तान ने इसका विरोध किया था। इसमें तुर्किये ने उसका साथ दिया था। 2020 में यूएनजीए की मीटिंग में एर्दोगन ने कहा था- कश्मीर साउथ एशिया के लिए अब भी एक बड़ा मुद्दा है। आर्टिकल 370 हटने की वजह से हालात और खराब हो गए हैं। तुर्किये ने यूएन रिजॉल्यूशन के तहत मुद्दा सुलझाने की पैरवी की थी। वहीं 2019 में कश्मीर का जिक्र करते हुए एर्दोगन ने कहा था- इस मुद्दे को संघर्ष नहीं बल्कि बातचीत से सुलझाना जरूरी है, जिससे कश्मीरी लोग अपने पाकिस्तानी और भारतीय पड़ोसियों के साथ मिलकर शांति से रह सकें। एर्दोगन ने ये भी आरोप लगाया था कि क्षेत्र के करीब 80 लाख निवासी नाकाबंदी में हैं। उन्हें कश्मीर से बाहर जाने की इजाजत नहीं दी जारी है। तुर्किये कश्मीर के मुद्दे पर भारत के खिलाफ जाकर पाकिस्तान का समर्थन करता है। पिछले साल जब जनरल एसेंबली की मीटिंग में कश्मीर पर वोटिंग हुई तो 193 देशों में पाकिस्तान के प्रस्ताव का केवल तुर्किये ने समर्थन किया था। इतना ही नहीं, पाक और तुर्किये तेजी से डिफेंस साझेदारी बढ़ा रहे हैं। अप्रैल 2023 में तुर्किये ने पाकिस्तान को बायरकतार टीबी 2 ड्रोन दिए। यह ड्रोन रूस-यूक्रेन युद्ध में अपनी काबिलियत साबित कर चुका है।

सिंगल पैरेंटिंग वाले बच्चों में व्यवहार संबंधित समस्याएं: स्कूल में भी परेशानी की आशंका, बच्चों के बेहतर विकास के लिए माता-पिता का साथ होना जरूरी

वॉशिंगटन।

अमेरिका में हर साल माता और पिता दोनों के साथ रहने वाले बच्चों की दर कम होती जा रही हैं। वहां के लगभग एक चौथाई बच्चें या तो माता या फिर पिता के साथ रहते हैं। ये ट्रेंड सिर्फ अमेरिका तक ही सीमित नहीं बल्कि दुनियाभर में बढ़ता जा रहा है। इसका कारण घरेलू विवाद से लेकर अलग-अलग जगहों पर काम करना हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सिंगल पैरेंटिंग कोई सकारात्मक विकास नहीं है। सिर्फ माता या पिता के साथ रहने वाले बच्चों में व्यवहार से संबंधित समस्याएं अधिक होती हैं।

बच्चों की नौकरियों पर भी असर

इनका (खासकर पिता के बिना पलने वाले लड़कों का) स्कूल में या फिर कानून व्यवस्था के साथ परेशानी में पड़ने की ज्यादा संभावना भी होती है। वहीं, ये बच्चें बाकी की तुलना में कम स्तर की शिक्षा प्राप्त करते हैं। इस कारण बड़े होने पर कम आय से जुड़े काम ही कर पाते हैं।

आर्थिक तौर पर भी ज्यादातर एकल माता या पिता को घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए जूझना पड़ता है। उच्च स्तर की आय एक प्रमुख तंत्र है जिसके माध्यम से माता-पिता अपने बच्चों को फायदा पहुंचा सकते हैं।

माता-पिता साथ रहने की वजह ढूंढें

आम तौर पर एकल माता या पिता की दोनों माता-पिता के बराबर आय नहीं हो सकती है। इसके अलावा दोनों माता-पिता के होने से बच्चों की देखभाल के लिए ज्यादा समय, ध्यान और ऊर्जा भी लगाई जा सकती है।

ऐसे में जरूरी है कि बच्चें स्वस्थ, स्थिर माता-पिता वाले घरों में पले-बढ़े। कारण चाहे जो भी हो माता-पिता को अलग-अलग रहने की वजह ढूंढने के बजाए अपने परिवार को मजबूत करने के प्रभावी तरीके खोजते रहने होंगे।

दोषी ठहराने के बजाए एकल माता-पिता की मदद करें

सामाजिक तौर पर हमें एकल माता या पिता को दोषी ठहराने के बजाए उनकी मदद के लिए आगे आना चाहिए। ऐसा करने से लाखों बच्चों की भलाई में सुधार होगा।

मेक्सिको में दिखाए एलियन कंकालों से नहीं हुई छेड़छाड़: टेस्टिंग से साबित हुआ- इन्हें जोड़-तोड़कर नहीं बनाया गया, ये कभी जीवित थे

मेक्सिको।

मेक्सिको की संसद में पिछले हफ्ते दिखाए गए कथित एलियन के शवों का लैब टेस्ट हुआ है। इसकी रिपोर्ट्स में सामने आया है कि ममी को अलग-अलग हड्डियों से जोड़कर नहीं बनाया गया है। ये पूरा एक ही कंकाल है। टेस्ट में एलियन के कंकाल से छेड़छाड़ या जोड़-तोड़ के भी कोई सबूत नहीं मिले हैं। एलियन पर ये टेस्ट नेवी के फोरेंसिक डॉक्टर जोश बेनिटेज ने किया। मेक्सिकन नेवी में हेल्थ साइंस रिसर्च इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर ने बताया- कंकालों की जांच से पता चलता है कि यह एक समय पर जीवित था और इनके शरीर में अंडे भी मौजूद हैं। संभावना है कि मौत से पहले ये प्रेग्नेंट था। उन्होंने ये भी कहा है कि इन शवों का इंसानों से कोई लेना-देना नहीं है। मेक्सिकन जर्नलिस्ट और यूफोलॉजिस्ट जेम मोसान ने दावा किया था कि इन कंकालों का इंसान के इवॉल्यूशन से कोई कनेक्शन नहीं है। मेक्सिको की संसद में पहली बार एलियन की ममी पेश करते हुए मोसान ने कहा था- ये शव पेरू की एक खदान से मिले थे, जो करीब 1 हजार साल पुराने हैं। मोसान के मुताबिक ये दुनिया के इतिहास में अब तक की सबसे अहम खोजों में से एक है।

वैज्ञानिकों ने दावों को झूठा बताया

हालांकि कई वैज्ञानिकों ने दुनियाभर में वायरल हो रहे कथित एलियन ममी को खारिज करते हुए इसे एक क्रिमिनल स्टंट बताया था। नासा के वैज्ञानिक डॉ. डेविड स्पर्गेल ने सवाल किया था कि मोसान कथित एलियन के शवों का डेटा पब्लिक क्यों नहीं कर रहे हैं। मोसान के ऑफिस के एक स्टूडियो रूम में शीशे के बॉक्स में रखी इन एलियन बॉडीज की करीब से तस्वीरें खींची थी। मोसान ने एलियन्स का नाम रखा क्लारा और मॉरीशियो इन फोटोज में एलियन की इंसानों की ही तरह 2 आंखें, एक मुंह, 2 हाथ, 2 पैर मौजूद हैं। हालांकि इसके हाथों में सिर्फ 3 उंगलियां नजर आ रही हैं। मोसान के मुताबिक वो साबित कर सकते हैं कि ये बॉडीज पृथ्वी पर मौजूद किसी भी जीव से एकदम अलग हैं। संसद में सुनवाई के दौरान मोसान ने दावा किया था कि ये एलियन शव हजार साल पुराने हैं और इनका धरती के जीवों से कोई ताल्लुक नहीं है। मोसान ने यह भी बताया कि 2 बॉडीज में से एक फीमेल एलियन है, जिसके शरीर में एग भी थे। मोसान के दफ्तर में चारों तरफ एलियन से जुड़े आर्टवर्क्स मौजूद हैं। मोसान ने इन दोनों शवों को क्लारा और मॉरीशियो नाम दिया है। मोसान ने सोशल मीडिया और सुनवाई के दौरान एलियन के शवों पर हुई डीएनए टेस्टिंग और कार्बन डेटिंग से जुड़े टेस्ट की रिपोर्ट भी साझा की। टेस्टिंग में ब्रेन-स्किन टिश्यू के सैंपल मिले मेक्सिको की नेशनल आटोनॉमस यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ एस्ट्रोनॉमी की वैज्ञानिक जुलिएटा फिएरो के मुताबिक ये पूरा मामला कोई मिस्ट्री नहीं है। उन्होंने कहा सैंपल की जांच में कार्बन-14 पाया गया है। इससे साबित होता है कि ये सैंपल अलग-अलग टाइम पीरियड की ममीज के ब्रेन और स्किन टिश्यू के हो सकते हैं। इन सैंपलों में फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं मिला है, जो धरती के जीवों से अलग हो।

जेलेंस्की बोले- रूस आतंकी, बच्चों को हथियार बना रहा

इन्हें न्यूक्लियर वेपेन रखने का अधिकार नहीं; अब ये यूक्रेन नहीं दुनिया की जंग

न्यूयॉर्क।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूएन जनरल असेंबली को संबोधित किया। उन्होंने कहा- ये जंग सिर्फ यूक्रेन नहीं बल्कि पूरी दुनिया की है। इसके लिए सभी देशों को मिलकर रूस के खिलाफ लड़ना होगा। रूस पूरी दुनिया को आखिरी जंग की तरफ धकेल रही है। हम इस बात की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि रूस की इस जंग के बाद दुनिया में कोई भी देश किसी पर हमला न कर सके। जेलेंस्की ने कहा- कोल्ड वॉर के बाद यूक्रेन नहीं रूस को अपने न्यूक्लियर वेपेन हटाने की जरूरत थी। उन जैसे आतंकवादियों को परमाणु हथियार रखने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए। रूस ने फूड, एनर्जी और बच्चों तक को जंग में यूक्रेन के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा- जब नफरत को एक राष्ट्र के खिलाफ हथियार बनाया जाता है, तो यह कभी नहीं रुकती।

एनएससी की मीटिंग में पीस प्लान पेश करेंगे जेलेंस्की - रूस का मकसद यूक्रेन को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और नियमों के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना चाहता है। हमारा पीस प्लान सिर्फ यूक्रेन मे जंग रोकने के लिए बल्कि पूरी दुनिया की बेहतरी के लिए है। रूस लगातार परमाणु हमले की धमकी देता रहा है। वो भूल चुका है कि इसका पूरी दुनिया पर क्या असर होगा। जेलेंस्की ने एक पीस समिट की घोषणा की। इसमें उन्होंने सभी वर्ल्ड लीडर्स से साथ आकर जंग रोकने की कोशिश करने की अपील की। जेलेंस्की ने कहा- मैं अपने पीस प्लान से जुड़ी डीटेल्स बुधवार को एनएससी की मीटिंग में शेयर करूंगा। हमारा पीस प्लान सिर्फ यूक्रेन मे जंग रोकने के लिए बल्कि पूरी दुनिया की बेहतरी के लिए है। रूस लगातार परमाणु हमले की धमकी

देता रहा है। वो भूल चुका है कि इसका पूरी दुनिया पर क्या असर होगा।

जेलेंस्की बोले- रूस नरसंहार कर रहा - भाषण के दौरान जेलेंस्की ने रूस पर यूक्रेनी बच्चों को किडनैप करके नरसंहार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- वॉर क्राइम्स की सजा जरूर दी जानी चाहिए, विस्थापित हो चुके लोगों को घर आना चाहिए और जिन्होंने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है, उन्हें अपने क्षेत्र लौट जाना चाहिए। रूस हमारे फूड एक्सपोर्ट को रोकने की कोशिश कर रहा है। इसी वजह से अफ्रीका और कई दूसरे देशों में अनाज की कमी हो रही है। जेलेंस्की के मुताबिक, रूस तेल की सप्लाई के जरिए दूसरे देशों पर दबाव बनाना चाहता है। साथ ही वो यूक्रेन के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

पुतिन पर भरोसा नहीं कर सकते, प्रिगोजिन इसका सबूत - अपने भाषण में जेलेंस्की ने वैगनर चीफ प्रिगोजिन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- पुतिन और उनके वादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं है तो हमें प्रिगोजिन से इस बारे में पूछना चाहिए। वो इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। बुराई पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। पिछले साल फरवरी में रूस के साथ जंग शुरू होने के बाद जेलेंस्की ने पहली बार यूएन जनरल असेंबली को संबोधित किया। इस दौरान कई वर्ल्ड लीडर्स भी मौजूद रहे। जेलेंस्की के भाषण से पहले बाइडेन ने भी अपनी स्पीच में रूस-यूक्रेन जंग का जिक्र किया। बाइडेन ने जंग के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया।

बाइडेन बोले- जंग के लिए सिर्फ रूस जिम्मेदार, वही इसे रोक सकते - उन्होंने कहा- सिर्फ रूस ही इस जंग को रोक सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने जंग खत्म होने तक यूक्रेन की पूरी मदद करने की प्रतिबद्धता जताई। बाइडेन ने कहा- अगर हम किसी एक को खुश करने के लिए यूएन के बुनियादी सिद्धांतों को छोड़ देंगे तो यहां मौजूद कोई भी सदस्य सुरक्षित महसूस नहीं कर पाएगा। अगर हम यूक्रेन का विभाजन होने देंगे तो किसी भी देश की स्वतंत्रता की रक्षा नहीं हो पाएगी।

सफाई कर्मचारियों का उल्टी झाड़ू के साथ प्रदर्शन

कैथल (हिंस)। सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में बुधवार को नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर उल्टी झाड़ू के शहर में प्रदर्शन किया। सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगे न पूरी करने पर काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया। नगरपालिका कर्मचारी संघ के बैनर तले सफाई कर्मचारियों ने बुधवार को नगर परिषद के बाहर उल्टी झाड़ू लेकर प्रदर्शन किया। सफाई कर्मचारी नारेबाजी करते हुए नगर परिषद से शहीद स्मारक पर पहुंचे। यहां एक सभा की अध्यक्षता करते हुए प्रधान बिट्टू बोहत ने बताया कि सफाई कर्मचारियों के साथ सरकार ने 29 अक्तूबर 2022 व 4 अप्रैल 2023 को समझौता कर उनकी मांगे मान ली थीं, लेकिन सरकार ने आज तक यह समझौता लागू नहीं किया। जिससे सफाई कर्मचारियों में रोष है। अगर सरकार उनकी मांगें लागू नहीं करती तो सफाई कर्मचारी 25 सितंबर से लेकर 28 सितंबर तक क्रमिक भूख हड़ताल करेंगे।

किसानों और युवाओं के साथ कांग्रेस सरकार ने धोखा किया : मंत्री शेखावत

जोधपुर (हिंस) । केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसानों और युवाओं के साथ धोखा किया है। किसानों के ऋण माफ करने के बजाय उनकी जमीनें नीलाम की जा रही हैं। राजस्थान का आत्मस्वाभिमानी किसान आत्महत्याएं करने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में राज नहीं कुराज है। यह सरकार अब रेवड़ियां बांटकर जनता को बहका रही है, लेकिन पिछली बार धोखा खा चुकी जनता इस बार गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए पूरी तरह तैयार है। शेखावत बुधवार को लूणी में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वादा किया था कि सरकार बनने के बाद दस तक की गिनती गिनने जितने समय में किसानों का ऋण माफ कर दिया जाएगा, लेकिन गहलोत सरकार ने यह वादा आज तक पूरा नहीं किया। उल्टे किसानों की जमीन नीलाम कर रहे हैं। इन्होंने किसानों के साथ धोखा किया। अब तक 20 हजार किसानों की जमीन नीलाम हो चुकी। कर्ज से परेशान दो हजार से अधिक किसानों ने आत्महत्या कर ली। इस बार राज तो रूठा ही राम भी रूठ गया। कहीं ज्यादा बारिश से फसलें खेत में गल गईं तो कहीं सूखे के कारण फसलें सूख गईं। गहलोत सरकार कहां तो मुफ्त बिजली का दावा कर रही थी, यहां किसानों को बिजली ही नहीं दी जा रही। इसके चलते वे सिंचाई नहीं कर पाए और उनकी आंखों के सामने ही फसल बर्बाद हो गई। शेखावत ने कहा कि ऐसा लगता है कि गहलोत सरकार ने इंश्योरेंस कंपनी के साथ मिलीभगत कर रखी है। फसल बीमा योजना का मुआवजा भी उन्हें नहीं दिया जा रहा है। एक प्रकार से इस सरकार ने राजस्थान को बर्बाद करने का पाप किया है। इस सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया। उन्हें बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन नहीं दिया। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होते रहे। शेखावत ने गहलोत सरकार के महंगाई राहत शिविरों पर तंज कसते हुए कहा

कि सरकार को अब अंत समय में लग गया कि हमारी सरकार जाने वाली है, तब महंगाई याद आई है। चार साल तक सरकार क्या करती रही? अब राहत शिविर लगा रही है, लेकिन जनता अब सब समझ चुकी है। एक बार इनके बहकावे में आ गई, दूसरी बार झांसे में नहीं आने वाली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपनी कुर्सी को बचाने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाए। कानून का राज स्थापित करने में कोताही बरती। राजस्थान में भ्रष्टाचार को ऊंचाई पर लेकर गए। महंगाई को बढ़ाया। बेरोजगारी को पहले पायदान पर पहुंचाया। महिला अपराध में प्रदेश को देश में एक नंबर पर पहुंचाया। इस सरकार के कार्यकाल में दो लाख महिलाओं के साथ बलात्कार हुए। दलितों पर होने वाले अत्याचार को एक नंबर पर पहंचाया। कुल मिलाकर राजस्थान को अपराध का गढ़ बना दिया। सरकार की इस नाकामी को उजागर करने के लिए ही भाजपा को परिवर्तन यात्रा निकालनी पड़ी। शेखावत ने कहा कि पूरे देश में जल जीवन मिशन का काम तेजी से चल रहा है, लेकिन एक कहावत है कि मोर जब अपने पैरों की ओर देखता है तो रोता है। मुझे भी जल जीवन मिशन में मेरे अपने राजस्थान की स्थिति देखकर दु:ख होता है। यहां राजस्थान को 30 हजार करोड़ रुपए दिया, लेकिन इमसें भ्रष्टाचार की बंदरबांट हुई। पाइप की लाइनें भी मनमर्जी से डाल दी गईं। इससे काम पूरा ही नहीं हो सका। इस काम में राजनीतिक रूप से भेदभाव हुआ।

हाईकोर्ट ने आढ़तियों के लाइसेंस रद्द करने पर दिया स्टे

कैथल (हिंस) । पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट कैथल के आढ़तियों के लाइसेंस रद्द करने के मामले पर बुधवार को सुनवाई करते हुए यथा स्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 31 अक्तूबर, 2023 को होनी है। शहर की नवी व पुरानी अनाज मंडी के आढ़तियों की लाइसेंस रिन्यू करने का मामला लंबे समय से अटका हुआ था। इस वर्ष चार माह के लिए आढ़तियों के लाइसेंस रिन्यू किए गए थे। इस माह नौ सितंबर को लाइसेंस रिन्यू की अवधि खत्म होने के बाद मार्केट कमेटी की तरफ से इन आढ़तियों की दुकान पर आने वाले धान को लिखना बंद 0कर दिया था। इससे आढ़तियों की परेशानी बढ़ गई थी। अब हाई कोर्ट से राहत मिलने पर आढ़तियों ने खुशी जाहिर की है। मार्केटिंग बोर्ड में वर्ष 2017 में अनाज मंडी में आढ़त का काम करने वाले 342 आढ़तियों के लाइसेंस अवैध बताए गए थे। विभाग ने कहा था कि ये आढ़ती चौबारे में या फिर मंडी से बाहर बैठे हुए हैं। आढ़तियों के पास 10 गुणा 85 साइज की दुकानें नहीं है, इसलिए इनके लाइसेंस रद्द किए जाए। विभाग के इस फैसले के बाद आढ़ती वर्ष 2021 में हाई कोर्ट चले गए थे। हाई कोर्ट में 201 आढ़तियों ने दो अलग-अलग ग्रुपों में केस दायर किया था। इसके बाद 28 फरवरी को 2023 को मार्केटिंग बोर्ड ने हाई कोर्ट में जवाब दिया था कि वे आढ़तियों के लाइसेंस रिन्यू कर देंगे। 20 मार्च 2023 को आढ़तियों ने लाइसेंस रिन्यू को लेकर मार्केट कमेटी कार्यालय में अपील की थी। शहर की दोनों अनाज मंडियों में 800 के करीब लाइसेंस हैं। शुरुआत में 342 लाइसेंस को अवैध बताया था। मार्केट कमेटी के सचिव बसाऊं राम ने कहा है कि हाई कोर्ट ने आढ़तियों के लाइसेंस रद्द करने के मामले पर स्टे दिया है। जब तक इस मामले में फैसला नहीं आ जाता। तब तक आढ़ती पुराने लाइसेंस पर व्यापार कर सकेंगे।

राजस्थान में भाजपा सरकार बनना तय : धामी

कोटा (हिंस) । भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन संकल्प यात्रा में शामिल होने आए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा संगठन बहुत ही व्यापक है। सब लोग मिलकर काम कर रहे हैं। राजस्थान में भी पूरा संगठन एकमत है। राजस्थान में भाजपा की सरकार बनना तय है। धामी ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के परिवर्तन यात्रा में शामिल नहीं होने से जुड़े सवाल पर यह बात कही। धामी ने कहा कि देशवासियों के मान-सम्मान व स्वाभिमान का प्रतीक नई संसद भवन में कामकाज शुरू हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संसद में महिला आरक्षण बिल पेश हुआ। निश्चित रूप से इस बिल के आगे बढ़ने से देश के अंदर मातृशक्ति का उत्थान होगा। हर क्षेत्र में उनको सहभागिता मिलेगी, प्रतिनिधित्व मिलेगा। यह ऐतिहासिक है। आजादी के बाद मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने मातृशक्ति के उत्थान के लिए कभी बेटियों को बचाने के लिए, बेटियों को पढ़ाने का अभियान शुरू किया। इज्जत घर बनाने, जनधन के खाते, उज्ज्वला गैस योजना शुरू की। मातृशक्ति का उत्थान हमेशा प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता में रहा है। इसीलिए महिला आरक्षण बिल लेकर आए हैं। इस पहले एयरपोर्ट पर भाजपा पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। प्रदेश महामंत्री मोतीलाल मीणा, विधायक संदीप शर्मा, कल्पना देवी, शहर अध्यक्ष रामबाबू सोनी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सीएम पुष्कर सिंह धामी सड़क मार्ग से झालावाड़ के लिए रवाना हुए।

कांग्रेस नहीं है कॉरपोरेट कंपनी जो तारीखों के हिसाब से चले : मधुसूदन

बीकानेर (हिंस) । राजस्थान कांग्रेस पार्टी के चुनाव मुख्य पर्यवेक्षक और वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री ने बुधवार को कहा है कि राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए अक्तूबर के पहले सप्ताह में कांग्रेस टिकट जारी कर सकती है। उन्होंने इस बात को भी सिरे से खारिज कर दिया जिसमें बताया गया कि 30 सितंबर से पहले टिकट घोषित होंगे। उन्होंने बताया कि जयपुर में दो दिन टिकट के लिए मीटिंग होगी, इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बीकानेर संभाग मुख्यालय पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और दावेदारों से मिलने पहुंचे मिस्त्री ने यहां कांग्रेस की जमीनी स्थिति का जायजा लिया और कार्यकर्ताओं से मीटिंग भी की। पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस कोई कॉरपोरेट कंपनी नहीं है, जो तारीखों के हिसाब से चले। हम पहले तीस सितंबर और एक अक्तूबर को जयपुर में टिकटों पर चर्चा करेंगे। इसके दो-चार दिन में कुछ फाइनल हो सकता है। अभी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के 33 वरिष्ठ नेता प्रदेशभर में घूम रहे हैं। कार्यकर्ताओं और नेताओं से मिल रहे हैं। ये सभी जयपुर पहुंचेंगे और दो दिवसीय मीटिंग में भाग लेंगे। इसमें दो-चार दिन आगे-पीछे हो सकते हैं। इससे पहले सर्किट हाउस में बुधवार को कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। सभी अपने अपने दावों के साथ मिस्त्री से मुलाकात करने को आतुर थे। संगठन महासचिव नितिन वत्सस ने बताया की मधुसूदन मिस्त्री के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव वी बी सिंह भी साथ आए। जहां सर्किट हाउस में मिस्त्री वरिष्ठ नेताओं ब्लॉक अध्यक्षों प्रदेश पदाधिकारियों और लोकसभा विधानसभा प्रत्याशियों से व्यक्तिश: बंद कमरे में चर्चा की।

महिला आरक्षण में जरूरतमंद महिलाओं का कोटा तय किया जाए : पंकज बगला

हिसार (हिंस) । युवा किसान नेता पंकज बगला ने कहा है कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना अच्छी बात है लेकिन 33 प्रतिशत यानि 181 कौन सी महिलाएं संसद में बैठेंगी, यह विचारणीय है। उन्होंने कहा कि इसमें जरूरतमंद महिलाओं का कोटा तय करने की जरूरत है। युवा किसान नेता पंकज बगला ने बुधवार को कहा कि छोटे बालों वाली, खेती करने वाली, चमड़ा रंगने वाली और भेड़ बकरियां चराने वाली तथा महिला किसान आदि संसद की इन 181 सीटों पर बैठे लेकिन आजादी के बाद लगभग 650 महिला सांसद बनी हैं, जिनमें से 95 प्रतिशत स्वर्ण महिलाएं शामिल है। मतलब अनारक्षित सीटों पर खेती करने वाली चमड़ा रंगने वाली और भेड़ बकरियां चराने वाली महिलाएं सांसद नहीं बन पाई तो जिन

सीटों को महिलाओं के नाम पर आरक्षित कर दिया जाएगा, उन सीटों पर इन महिलाओं को कौन संसद में जाने देगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आरक्षण चाहे 50 प्रतिशत दे दो लेकिन उसे कोटे में गरीब जरूरतमंद महिलाओं का कोटा भी फिक्स हो। महिला सांसदों के नाम पर रेखा, हेमा मालिनी, स्मृति ईरानी जैसी सांसद चाहिए जो सब कुछ देखते हुए भी गूंगी बनी रहे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को यदि आरक्षण ही देना है तो पिछड़े वर्ग की महिलाओं को भी उनके बराबर का हक दिया जाए। खाली नाम मात्र की घोषणाओं से किसी का भला होने वाला नहीं है। उन्होंने दुख प्रकट किया कि यदि सरकार महिलाओं को सम्मान ही देना चाहती थी तो प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू को नई संसद के उद्घाटन अवसर पर क्यों नहीं बुलाया गया। इस सरकार की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। एयर कंडीशनर में रहने वाली और गाड़ियों में चलने वाली महिलाओं को खेत में काम करने वाली महिलाओं के संघर्ष और मुद्दों का क्या पता। अव्वल तो यह हो कि आरक्षित कोटे में पिछड़ी जाति की महिलाओं का भी कोटा फिक्स हो ताकि दबे कुचले लोगों की आवाड़ को संसद में बुलंद किया सके।

चुनाव वाले सभी राज्यों में कांग्रेस बनाएगी सरकार : पायलट

टोंक (हिंस) । पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट बुधवार को टोंक विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। उन्होंने ग्राम पंचायत, देवली भांची, मंडावर, हथौना, पराना, बरोनी में स्थानीय कार्यक्रम में शिरकत कर विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया एवं ग्रामीणों की जनसुनवाई की। पत्रकारों से बातचीत में पायलट ने कहा कि हैदराबाद में सीडब्ल्यूसी की बैठक हुई है। दो दिन तक खुले माहौल में सकारात्मक चर्चा हुई। इसमें तय किया गया कि अगले महीनों में जहां चुनाव है वहां पर एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। सभी राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद लोकसभा चुनाव में एनडीए को हराकर इंडिया अलाइंस चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा राजस्थान में विपक्ष में पूरी तरह फेल रही है। केंद्र में भाजपा सरकार के नौ साल का रिपोर्ट कार्ड और हमारी सरकार का रिपोर्ट कार्ड की तुलना का काम जनता देखेगी। महिला आरक्षण बिल को लेकर उन्होंने कहा कि इस विधेयक में संशोधन की जरुरत क्या थी।

सेना ने अनंतनाग के घने वन क्षेत्र में सप्ताह भर बाद खत्म किया आतंकवाद विरोधी अभियान

श्रीनगर (हिंस) । जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के घने वन क्षेत्र में सप्ताह भर चला आतंकवाद विरोधी अभियान समाप्त हो गया है। एक सप्ताह तक चले ऑपरेशन के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर उजैर खान सहित दो आतंकी मारे गए। सेना की चिनार कॉर्प्स ने बुधवार को *एक्स* के माध्यम से कहा कि आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर 13-19 सितंबर तक भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग के गंडोले इलाके में एक संयुक्त अभियान चलाया था। आतंकवादियों से पहला संपर्क 13 सितंबर को हुआ, जिसके परिणामस्वरूप गोलीबारी हुई और 19 सितंबर तक लंबा ऑपरेशन चला। मुठभेड़ स्थल से 02 एके राइफल्स, 01 पिस्तौल और अन्य युद्ध जैसे भंडार की बरामदगी हुई और दो आतंकवादियों को मार गिराया गया है। चिनार कॉर्प्स ने मुठभेड़ के दौरान कर्नल मनप्रीत सिंह, डीएसपी हुमायूं भट, मेजर आशीष धोंचक और सिपाही प्रदीप सिंह की सर्वोच्च वीरता और बलिदान को सलाम करते हुए कहा कि इन बहादुरों ने भारतीय सेना और जेकेपी की उच्चतम परंपराओं में राष्ट्र की सेवा में अपना जीवन लगा दिया। अनंतनाग के गडोले वन व पहाड़ी इलाके में एक सप्ताह तक चले ऑपरेशन के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर उजैर खान सहित दो आतंकी मारे गए।

एक्शन में एनआईए : आतंकी रिंदा और लंडा पर 10-10 लाख का इनाम, एक कनाडा तो दूसरा पाकिस्तान में छिपा

चंडीगढ़। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को सूचीबद्ध आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा और लखबीर सिंह संधू उर्फ लंडा पर 10-10 लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। इनके बारे में सूचना देने वालों को यह राशि दी जाएगी। आतंकवादियों के तीन सहयोगियों, परमिंदर सिंह, सतनाम सिंह और यादविंदर सिंह के बारे में जानकारी देने वाले को पांच-पांच लाख रुपए का नकद इनाम देने का एलान एजेंसी ने किया है। ये सभी बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े हैं। आतंकी लखबीर सिंह लंडा पंजाब में आरपीजी हमले का मास्टरमाइंड है। इससे पहले एनआईए 15 लाख रुपए का इनाम लंडा के खिलाफ घोषित कर चुकी है। पंजाब के तरनतारन जिले के हरिके गांव का रहने वाला लखबीर फिलहाल कनाडा के एडमॉन्टन, अलबर्टा में छिपा है। एनआईए ने उसके खिलाफ पिछले साल 20 अगस्त को आईपीसी की धारा 120बी, 121, 121ए और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) 1967 की धारा 17, 18, 18-बी और 38 के तहत देश के विभिन्न हिस्सों में गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने का मामला दर्ज किया था। लखबीर सिंह लंडा 2017 में हत्या, हत्या के प्रयास और एनडीपीएस में नामजद होने के बाद कनाडा भाग गया था। 2021 में अमृतसर के पट्टी में दो अकाली कार्यकर्ताओं की हत्या में उसका नाम आया था। पंजाब के मोहाली और

तरनतारन में आरपीजी अटैक का लखबीर मास्टरमाइंड है। लखबीर सिंह संधू की प्रॉपर्टी कुर्क की जा चुकी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की स्पेशल अदालत ने आरसी-37 में आरोपी की तरनतारन के गांव किरियन स्थित संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया था। अब वहां बोर्ड लगा दिया गया है। अब इस संपत्ति की खरीद-फरोख्त नहीं हो पाएगी। 27 जुलाई को उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा पंजाब के तरनतारन का रहने वाला है लेकिन 11 साल की उम्र में वह परिवार के साथ महाराष्ट्र के नांदेड़ साहिब चला गया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार रिंदा ने 18 साल की उम्र में पारिवारिक विवाद में तरनतारन में अपने एक रिश्तेदार की हत्या कर दी थी। इसके बाद हरविंदर सिंह ने नांदेड़ में जबरन वसूली शुरू कर दी और दो लोगों की हत्या कर दी। यहां उस पर 2016 में दो मामले दर्ज थे और दोनों में उसे भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। रिंदा का संपर्क पंजाब के नामी गैंगस्टरों से है। इनमें से एक जयपाल भुल्लर था। उसे पश्चिम बंगाल में पंजाब पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया था। 2017 में पंजाब पुलिस के हाथ इनपुट लगा था कि रिंदा बेंगलुरू में है। वह अपनी पत्नी के साथ एक होटल में ठहरा है। पंजाब पुलिस ने बेंगलुरू के होटल में छापा मारा लेकिन रिंदा होटल की खिड़की से भाग गया था।

डांस इंडिया डांस सुपर मॉम की विजेता वर्षा बुमराह के पति ने निगला जहर, मौत

हिसार (हिंस) । डांस इंडिया डांस सुपर मॉम की विजेता वर्षा बुमराह के पति ने सन्नी बुमराह ने मंगलवार शाम को पति पत्नी के बीच चल रही अनबन की वजह से जहरीला पदार्थ निगल लिया। जहरीला पदार्थ निगल लिए जाने की सूचना मिलने पर परिजन उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान मंगलवार रात को उसकी मौत हो गई। पति की मौत की सूचना के बाद से वर्षा बुमराह का रो-रो कर बुरा हाल है। बर्षा के अनुसार पिछले ढाई तीन महीने से दोनों के बीच पारिवारिक अनबन चल रही थी लेकिन उसे नहीं पता था कि सन्नी इतना बड़ा कदम उठा लेगा। वर्षा ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले भी उसने फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी लेकिन उस समय उसे बचा लिया गया था और उसके बाद पंचायत के माध्यम से दोनों के बीच चल रहे मतभेदों को सुलझा दिया गया था और सन्नी अपने काम पर जाने लगा था। करीब एक सप्ताह से सन्नी फिर से परेशान रहने लगा था और काम पर भी नहीं जा रहा था वर्षा ने बताया कि मंगलवार शाम को वह डांस कोचिंग एकेडमी गई हुई थी और पीछे से उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया। जहरीला पदार्थ निगल लिए जाने के बाद पड़ोसी उसे नजदीक के एक चिकित्सक के पास ले गए जहां उसने चिकित्सक को जहरीला पदार्थ निगल लिए जाने के बारे में बताया तो परिजन उसे नागरिक अस्पताल ले गए जहां से उसे उसे हिसार रेफर कर दिया। वर्षा ने बताया कि उसके अंकल ने कोचिंग सेंटर पर आकर सन्नी द्वारा जहरीला पदार्थ निगल लिए जाने की सूचना दी थी जिसके बाद वह परिजनों के साथ हिसार पहुंची तो पता चला कि उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। जहां देर रात उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वर्षा के अनुसार उसे नहीं पता कि सन्नी किस बात को लेकर परेशान था और वह इतना बड़ा कदम उठा लेगा। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच आरंभ कर दी है।

देश में पहली बार पीएम मोदी की सभा की व्यवस्थाएं संभालेंगी महिलाएं : भजनलाल

जयपुर (हिंस) । नई संसद में पहला ही बिल महिला सशक्तीकरण के नाम लाने के बाद अब भाजपा जयपुर में होने वाली मोदी की सभा के पांडाल की संपूर्ण व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी महिला शक्ति को सौंपने जा रही है। भाजपा का दावा है कि ऐसा पहली बार होगा जब किसी राज्य में पीएम मोदी की सभा के पांडाल की संपूर्ण व्यवस्थाएं महिलाएं संभालेंगी। उल्लेखनीय है कि भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को प्रदेशभर में मिले जनसमर्थन के बाद आगामी 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयपुर के दादिया में जनसभा होने जा रही है। इसकी तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा की पहली परिवर्तन संकल्प यात्रा की शुरुआत त्रिनेत्र गणेश मंदिर सवाईमाधोपुर से हुई थी। यह यात्रा प्रदेश के 47 विधानसभा क्षेत्रों में 1944 किलोमीटर चली। यात्रा का समापन मंगलवार को जयपुर में हुआ। दूसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा डूंगरपुर-बांसवाड़ा के बेणेश्वर धाम से शुरू हुई थी जिसका गुरुवार को कोटा में समापन होगा। यह यात्रा प्रदेश के 52 विधानसभाओं में अभी तक 2382 किलोमीटर चल चुकी है। वहीं तीसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा की शुरुआत रामदेवरा जैसलमेर से हुई थी जो कि 51 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी और अभी तक 2423 किलोमीटर चल चुकी है, यात्रा का समापन गुरुवार को जोधपुर में होगा। चौथी परिवर्तन संकल्प यात्रा की शुरुआत हनुमानगढ़ के गोगामेढ़ी से हुई थी, यह यात्रा 50 विधानसभा क्षेत्रों से होकर अभी तक 1900 किलोमीटर चल चुकी है, यात्रा का समापन अलवर में होगा। चारों दिशाओं से निकली चारों परिवर्तन संकल्प यात्राएं कुल 10 हजार किलोमीटर का सफर तय करेंगी। प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने दावा किया कि जनता ने कांग्रेस की महाभ्रष्ट, युवा विरोधी, किसान विरोधी, महिला अत्याचारी और दलित अत्याचार करने वाली इस सरकार को जनता ने उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है। साढ़े चार साल जनता पर अत्याचार करने के बाद इस सरकार को चुनाव के समय जनता की याद आई तो स्मार्टफोन योजना, फूड पैकिट बांटने की योजना चला रही है। हैरानी की बात तो यह है कि स्मार्टफोन के नाम पर महिलाओं को घंटों लाइन में खड़े होने को मजबूर किया जा रहा है, उसके बावजूद मोबाइल नहीं मिलते और उन पर लाठियां भांजने का काम किया जा रहा है। फूड पैकिट में ईंट का चूरा और रेत मिलाकर फूड पैकेट बांटे जा रहे हैं। शर्मा ने बताया कि आगामी 25 सितंबर को परिवर्तन संकल्प महासभा ग्राम दादिया में होगी, जिसमें पीएम मोदी दोहपर दो बजे महासभा को संबोधित

करेंगे। इस महासभा में प्रदेश के प्रत्येक शक्ति केंद्र, बूथ कार्यकर्ता, मंडल और जिला कार्यकर्ताओं सहित प्रदेश के सभी कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके अलावा भाजपा के सभी निकाय, पंचायत और सहकारिता सदस्य और जनप्रतिनिधि भी महासभा में भाग लेंगे। इस महासभा के लिए तीन संभागों जयपुर, अजमेर और भरतपुर के बूथ समिति के कार्यकर्ता भी महासभा में भाग लेंगे। सभास्थल के लिए पांडाल और पार्किंग का काम चल रहा है। विशेष रूप से इस बार पीएम मोदी की सभा के लिए पांडाल की सभी व्यवस्थाओं का जिम्मा महिलाओं को दिया गया है। इनमें पांडाल की बैठक व्यवस्था, पार्किंग से लेकर जलसेवा और अन्य व्यवस्था से संबधित कार्य शामिल हैं। परिवर्तन संकल्प महासभा के लिए दादिया गांव का चयन इसलिए किया गया है क्योंकि यहां रिंग रोड से चारों ओर से आने में सुविधा होगी जिसमें अजमेर रोड से रिंग रोड होते हुए लोग आ सकते हैं, वहीं टोंक रोड से आने वाले लोग बीलवा होते हुए आ सकते हैं, आगरा रोड से आने वाले लोग कानौता होते हुए सभास्थल पहुंच सकेंगे इसके अलावा सीकर रोड से आने वाले लोग झोटवाड़ा होते हुए रिंग रोड पकड़ सकते हैं। प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 25 सितंबर को जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल की जयंती भी है। जयपुर के धानक्या में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म हुआ था जहां उनका संग्रहालय बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को जयपुर के धानक्या में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद सभास्थल पर पहुंचेगे। जयपुर महापौर सौम्या गुर्जर ने प्रेसवार्ता में कहा कि गणेश चतुर्थी का दिन देश के लिए एक ऐतिहासिक गौरव का दिन था। जब प्रधानमंत्री मोदी ने नए संसद भवन में प्रवेश के साथ ही देश की महिलाओं को सशक्त करने के लिए नारी शक्ति वंदन बिल रखा। इस बिल को सदन में रखने के बाद से देशभर की महिलाओं में बेहद उत्साह है। प्रधानमंत्री मोदी ने *यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता* के मंत्र के साथ संसद का शुभारंभ किया और अब उनकी परिवर्तन संकल्प महासभा की व्यवस्था का जिम्मा भी महिलाओं को ही दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि नारी सशक्तीकरण के लिए पीएम मोदी कितने संकल्पबद्ध हैं।

अकासा को बंद करनी पड़ सकती हैं उड़ानें : 43 पायलटों के अचानक इस्तीफे के बाद संकट में, इनसे 22 करोड़ का मुआवजा मांगा

नई दिल्ली।
अकासा एयर 43 पायलटों के इस्तीफे के बाद संकट में आ गई है। उसे अपना ऑपरेशन बंद करना पड़ सकता है। पायलटों के अचानक इस्तीफे के कारण कंपनी को सितंबर में हर दिन 24 उड़ानें कैंसिल करनी पड़ीं। एयरलाइन ने दिल्ली हाईकोर्ट में यह जानकारी दी। एयरलाइन के वकील ने जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा से कहा, पायलटों ने अनिवार्य नोटिस अवधि पूरी नहीं की, इसलिए अकासा एयर को हर दिन कई उड़ानें कैंसिल करने के लिए मजबूर होना पड़ा। फर्स्ट ऑफिसर्स के लिए नोटिस पीरियड 6 महीने और कैप्टन के लिए 1 साल है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पायलट अकासा एयर की राइवल एयरलाइंस में शामिल हो गए हैं। इसमें ये भी कहा गया है कि अकासा एयर के एक अधिकारी ने राइवल ग्रुप को पत्र लिखकर चिंता व्यक्त की और इसे अनैतिक बताया।

इस महीने 600-700 फ्लाइट कैंसिल हो सकती हैं - अकासा एक दिन में 120 उड़ानें ऑपरेट करती है। इस महीने 600-700 फ्लाइट कैंसिल हो सकती हैं। अगस्त में भी उसे 700 उड़ानें कैंसिल करनी पड़ी थीं। अकासा का मार्केट शेयर अगस्त में कम हो कर 4.2 प्रतिशत पर आ गया। जुलाई में यह 4.2 प्रतिशत था। एयरलाइन ने अदालत से एविएशन रेगुलेटर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए को अनिवार्य नोटिस पीरियड नियमों को लागू करने का अधिकार देने का अनुरोध किया है।

पायलटों से 22 करोड़ का मुआवजा मांग रही एयरलाइन - एयरलाइन उन पायलटों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग कर रही है जो अनुबंध संबंधी नोटिस अवधि पूरी किए बिना चले गए हैं। इसके साथ ही उड़ानें कैंसिल होने के कारण हुए रेवेन्यू के नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में लगभग 22 करोड़ रुपए की मांग कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अकासा को हरी झंडी - एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अकासा को हरी झंडी दे दी गई है, लेकिन उसे उन देशों से अप्रूवल्स का इंतजार है, जिन देशों में वह फ्लाइट ऑपरेट करना चाहती है। अभी एयरलाइन डोमेस्टिक रूट्स पर ही ऑपरेट होती है।

अंतर्राष्ट्रीय रूट पर फ्लाइट ऑपरेशन ज्यादा प्रॉफिटेबल - कॉम्पिटिशन कम होने के कारण अंतर्राष्ट्रीय मार्गों को अक्सर ज्यादा प्रॉफिटेबल माना जाता है। पहले, भारत में किसी भी एयरलाइन को अगर इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करना है तो उसके पास बेड़े में 20 विमान और 5 साल का एक्सपीरियंस होना कंपलसरी था। हालांकि, साल 2016 में भारत की सिविल एविएशन पॉलिसी में बदलाव किया गया ।

न्यूज ब्रीफ

मोटोरोला एज 40 नियो भारत में लॉन्च होगा: आईपी68 अंडरवॉटर प्रोटेक्शन के साथ वर्ल्ड स्लिमेस्ट 5जी स्मार्टफोन का दावा,एक्सपेक्टेड कीमत 24,999

नई दिल्ली। स्मार्टफोन मेकर कंपनी मोटोरोला ने भारत में मोटोरोला एज 40 नियो लॉन्च करेगी। कंपनी ने दावा किया है कि यह आईपी68 अंडरवॉटर प्रोटेक्शन के साथ दुनिया सबसे हल्का 5जी स्मार्टफोन होगा। मोटोरोला ने लॉन्चिंग से पहले ही कंपनी ने ऑफिशियल वेबसाइट पर फोन के स्पेसिफिकेशन बता दिए हैं। पावर बैकअप के लिए फोन में टर्बो पॉवर फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5000 एमएएच बैटरी दी गई है। कंपनी का दावा है कि फोन की बैटरी 15 मिनट में 50 प्रतिशत चार्ज हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट की माने तो कंपनी मोटोरोला एज 40 नियो को 24,999 की शुरूआती कीमत पर लॉन्च कर सकती है। बायर्स के लिए फोन कंपनी के ऑफिशियल वेबसाइट और ई-कॉमर्स वेबसाइट पिलपकार्ट पर अवेलेबल होगा। डिस्प्ले : मोटोरोला एज 40 नियो में रिफ्रेश रेट के साथ 6.55 इंच की डिस्प्ले दिया गया है। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर : परफॉर्मेंस के लिए फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 7030 प्रोसेसर दिया गया है। फोन में आउट-ऑफ-द-बॉक्स एंड्रॉयड 13 मिलेगा। कैमरा : फोटोग्राफी के लिए फोन में डुअल कैमरा सेटअप दिया गया है। इसमें 50एमपी का प्रायमरी कैमरा और 13एमपी का अल्ट्रा वाइड एंगल कैमरा शामिल है। वहीं, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए पंच होल डिजाइन के साथ 16एमपी का फ्रंट कैमरा दिया गया है। कनेक्टिविटी ऑप्शन : कनेक्टिविटी के लिए फोन में 15 5जी बैंड, 4जी, 3जी, 2जी, इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट के साथ चार्जिंग के लिए यूएसबी टाइप सी मिलेगा।

सबसे तेज रहेगी भारत की विकास दर, वैश्विक अर्थव्यवस्था में दिख रहे गिरावट के संकेत

नई दिल्ली । वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां लगातार गिरावट के संकेत नजर आ रहे हैं, दूसरी ओर भारतीय जीडीपी विकास के रास्ते पर सबसे तेज गति से बढ़ रही है। 2023 और 2024 में भी भारत सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इस अवधि में खुदरा महंगाई भी जी-20 देशों से कम रहेगी। खास बात है कि यह आरबीआई के 6 प्रतिशत फीसदी के संतोषजनक दायरे में रहेगी। आर्थिक विकास एवं सहयोग संगठन (ओईसीडी) की जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की विकास दर 2023 में 6.3 फीसदी व 2024 में 6 फीसदी रहने का अनुमान है। यह दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस अवधि में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर क्रमशः 3 फीसदी और 2.7 फीसदी रहने का अनुमान है। जी-20 में शामिल विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं की रफ्तार 2023 में 1.5 फीसदी और 2024 में 1.2 फीसदी रह सकती है। ओईसीडी ने कहा, दुनिया में आर्थिक तनाव और संरक्षणवाद के तेजी से दिखाई देने वाले संकेतों के बावजूद केंद्रीय बैंकों को महंगाई नियंत्रित होने तक ब्याज दरों को वर्तमान स्तर से उच्च स्तर पर रखना चाहिए। संगठन की मुख्य अर्थशास्त्री क्लेयर लोम्बार्डेल्ली ने कहा, मौद्रिक नीति को आसान बनाने पर विचार करने से पहले महंगाई को हराने में निरंतर प्रगति देखना आवश्यक है। ओईसीडी के मुताबिक, दुनियाभर में महंगाई धीरे-धीरे घट रही है। लेकिन, उच्च लागत की वजह से कई अर्थव्यवस्थाओं में मुख्य महंगाई (खुदरा महंगाई से खाद्य, पेय पदार्थ व ईंधन के दाम हटाकर) लगातार बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में भारत में खुदरा महंगाई 5.3 फीसदी रह सकती है। 2024 में यह और घटकर 4.8 फीसदी रह जाएगी।

टेकऑफ से ठीक पहले यात्री ने की विमान का दरवाजा खोलने की कोशिश, क्रू ने पकड़कर अफसरों को सौंपा

नई दिल्ली । दिल्ली से चेन्नई जा रहे एक विमान में बड़ा हादसा होने से टल गया। दरअसल, इंडिगो की फ्लाइट में एक यात्री ने टेकऑफ से ठीक पहले आपातकालीन दरवाजा खोलने की कोशिश की। इस दौरान क्रू के सदस्यों ने उसे पकड़ लिया और चेन्नई में अधिकारियों को सौंपा। एयरलाइन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि विमान के क्रू ने नियमों का पालन करते हुए उस यात्री को नियमों का उल्लंघन करता पाया और उसे दरवाजा खोलने से रोक लिया। बाद में उस शख्स को चेन्नई एयरपोर्ट पर स्थानीय अफसरों को सौंप दिया गया। बयान में कहा गया है कि यात्री की इस हरकत से किसी अन्य पैसेंजर की जान पर खतरा नहीं पैदा हुआ।

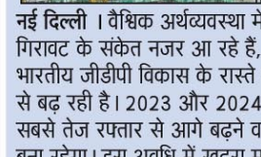

फिर मंडरा रहा शटडाउन का खतरा, सांसदों में नहीं बनी सहमति तो बंद हो जाएगी कर्मियों की सैलरी

नई दिल्ली।
संयुक्त राज्य अमेरिका संभावित सरकारी शटडाउन से दो सप्ताह से भी कम दूर है, इसकी आशंका इसलिए बढ़ गई है क्योंकि सांसद अल्पकालिक खर्च बिल पर सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वाशिंगटन में वर्तमान में कई बजट विधेयकों पर चर्चा चल रही है, लेकिन डेमोक्रेट-बहुमत सीनेट और रिपब्लिकन-नियंत्रित प्रतिनिधि सभा किसी के पास दोनों को मंजूरी देने के लिए पर्याप्त वोट नहीं हैं। उसांसदों के पास किसी समझौते पर पहुंचने के लिए 30 सितंबर की मध्यरात्रि तक का समय है, अगर ऐसा नहीं होता है तो सरकारी सेवाओं के लिए धन समाप्त हो जाएगा।

सरकारी शटडाउन की आशंका ने सैकड़ों हजारों कामगारों के वित्तीय भविष्य को खतरे में डाल दिया है, जिन्हें पार्क, संग्रहालय और अन्य संघीय संपत्तियों के बंद होने के कारण बिना वेतन के रहना पड़ा सकता है। हालांकि नीति निर्माता आम तौर पर इस स्थिति से बचने की उम्मीद जता रहे हैं, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ गठबंधन करने वाले कुछ समर्थकों ने अब तक टेबल पर हर बिल का विरोध किया है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, वित्त वर्ष खत्म होने में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है और ऐसे में सदन के अतिवादी रिपब्लिकन लोगों के जीवन के साथ पक्षपातपूर्ण खेल खेल रहे हैं।

यूक्रेन की सहायता पर भी अनिश्चितता

इस गतिरोध का यूक्रेन में युद्ध पर असर पड़ सकता है, क्योंकि व्हाइट हाउस को कीव की सैन्य और मानवीय सहायता में 24 बिलियन डॉलर जोड़ने के लिए सांसदों द्वारा पारित बजट का इंतजार है।हालांकि इस तरह की योजना को सीनेट में डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों ही ओर से समर्थित किया जाता है, हालांकि सदन के कुछ सदस्यों की ओर से इसका विरोध भी किया गया है।

धुर दक्षिणपंथी प्रतिनिधि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने एक्स (पहले ट्विटर) पर कहा, मैं यूक्रेन में युद्ध, कोविड-19 और राजनीतिक हथियारों से लैस सरकार के लिए एक भी पैसा देने के लिए मतदान नहीं करूंगी।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन इस सप्ताह के अंत में वाशिंगटन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से भी मुलाकात करने वाले हैं। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के बहुमत के नेता चक शूमर ने कहा, ऐसे समय में जब राष्ट्रपति जेलेंस्की (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन) के खिलाफ मजबूती से खड़े होने के लिए अमेरिका आ रहे हैं, प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन नेतृत्व अनिवार्य रूप से उनसे कह रहा है कि आप अपने दम पर लड़ें।

जून में आया था कर्ज का संकट

हाल के महीनों में यह दूसरी बार है जब दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्था वित्तीय संकट का सामना कर रही है। जून में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने जैसे-तैसे संभावित ऋण चूक को टाल दिया, क्योंकि अमेरिकी सीनेटरों ने हफ्तों की तनावपूर्ण बातचीत के बाद संघीय ऋण सीमा को निलंबित करने के लिए मतदान किया था। अगर यह मतदान नहीं होता यह एक चूक अभूतपूर्व चूक होती।

पहले भी 35 दिनों तक रह चुका है अमेरिका में शटडाउन

संयुक्त राज्य अमेरिका में पहले भी शटडाउन की अवधि रही है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति काल के दौरान 2018 के आखिरी महीनों से 2019 के शुरुआती दिनों दौरान लगभग 35 दिनों तक ऐसे ही हालात थे। यह अमेरिका का अमेरिकी इतिहास में सबसे लंबा शटडाउन था।

ईवाई के मुख्य अर्थशास्त्री ग्रेगरी डाको ने इस सप्ताह कहा था कि इस बार शटडाउन अर्थव्यवस्था पर एक स्पष्ट छाप छोड़ सकता है। उनका अनुमान है कि सरकारी शटडाउन के प्रत्येक सप्ताह से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को 6 बिलियन डॉलर का नुकसान होगा और चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि में 0.1 प्रतिशत अंक की कमी आएगी। उन्होंने कहा, शटडाउन के प्रत्यक्ष व्यापक आर्थिक परिणामों के अलावा, वित्तीय बाजार और निजी क्षेत्र का विश्वास भी प्रभावित हो सकता है।

आयकर विभाग की दबिश, बिजली बोर्ड के ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के परिसरों में तलाशी जारी

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने बुधवार को चेन्नई में कई स्थानों पर तलाशी की कार्रवाई की है। एजेंसी ने तमिलनाडु बिजली बोर्ड (टीएनईबी) और तमिलनाडु उत्पादन और वितरण निगम (टीएएनजीईडीओ) के ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के परिसरों में चेन्नई में तलाशी ली है। सूत्रों के नुसार कई स्थानों पर तलाशी चल रही है।

पीएम मोदी ने जॉइन किया वॉट्सऐप चैनल

पहले मैसेज में शेयर की संसद भवन की तस्वीर, 3.74 लाख से ज्यादा लोगों ने किया फॉलो

नई दिल्ली।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 सितंबर को वॉट्सऐप चैनल से जुड़ गए। उन्होंने चैनल में अपने पहले मैसेज में लिखा, वॉट्सऐप कम्युनिटी से जुड़कर रोमांचित हूं! यह निरंतर बातचीत की हमारी यात्रा में एक और कदम है। आइए यहां जुड़े रहें ! यहां नए संसद भवन की एक तस्वीर है। रात 11 बजे तक प्रधानमंत्री के वॉट्सऐप चैनल को 3.74 लाख से ज्यादा लोगों ने फॉलो कर लिया है। वॉट्सऐप ने हाल ही में यह फीचर रोलआउट किया है। यह फीचर वॉट्सऐप यूजर्स को वन-वे ब्रॉडकास्ट चैनल शुरू करने और बड़ी संख्या में लोगों से जुड़ने की अनुमति देता है।

इमोजी के जरिए दे सकते हैं प्रतिक्रिया

वॉट्सऐप चैनल के फॉलोअर्स के तौर पर आप मैसेज नहीं भेज सकते हैं। हालांकि इमोजी के जरिए रिएक्ट कर सकते हैं। प्रतिक्रियाओं की कुल संख्या को भी देख सकते हैं। आप कौन सी इमोजी के जरिए प्रतिक्रिया दे रहे हैं, यह चैनल के फॉलोअर्स को नहीं दिखाई देता है।

मैसेज के साथ चैनल का लिंक भी होता है फॉरवर्ड

जब आप किसी वॉट्सऐप चैनल के मैसेज को फॉरवर्ड करते हैं तो उसके साथ उस चैनल का लिंक भी शेयर होता है। उस लिंक के जरिए यूजर्स उस चैनल को एक्सेस और जॉइन कर सकते हैं।

कोई भी क्रिएट कर सकता है वॉट्सऐप चैनल

वॉट्सऐप चैनल टेक्स्ट, फोटो, वीडियो, स्टिकर और पोल भेजने का वन-वे ब्रॉडकास्ट चैनल का फीचर है। अपडेट्स टैब में चैनल का ऑप्शन है, जहां पर आप चैनल क्रिएट करने के साथ चैनल्स फॉलो कर सकते हैं।

परिवारों की घरेलू बचत घटकर 50 साल में सबसे कम, देनदारियों का भी बढ़ा बोझ

नई दिल्ली ।
भारतीय परिवारों की वित्तीय बचत जीडीपी की तुलना में 2022-23 में घटकर 50 साल के निचले स्तर 5.1 फीसदी पर आ गई है। रुपये में यह बचत 13.77 लाख करोड़ है।आरबीआई आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 में परिवारों की वित्तीय बचत 7.2 फीसदी या 16.96 लाख करोड़ रुपये थी। कोरोना के दौरान 2020-21 में यह 11.5 फीसदी (22.8 लाख करोड़) और 2019-20 में 8.1 फीसदी पर थी। आंकड़े बताते हैं कि इस अवधि में भारतीय परिवारों पर वित्तीय देनदारियों का बोझ भी बढ़ा है। 2022-23 में परिवारों की वित्तीय देनदारियां जीडीपी की तुलना में बढ़कर 5.8 फीसदी पर पहुंच गई, जबकि 2021-22 में यह आंकड़ा 3.8 फीसदी रहा था।इसका मतलब यह है कि खपत का कुछ हिस्सा कर्ज के जरिये पूरा किया जा रहा था।

देनदारियों में आजादी के बाद दूसरी सर्वाधिक वृद्धि

2022-23 में वित्तीय देनदारियों की वृद्धि दर आजादी के बाद दूसरी बार सबसे अधिक है। इससे पहले यह केवल 2006-07 में बढ़ी थी। उस समय देनदारियों की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत थी। वित्तीय देनदारियों के संदर्भ में

घरेलू कर्ज भी 2022-23 में जीडीपी का 37.6 प्रतिशत था, जो उसके पहले के वर्ष में 36.9 फीसदी रहा था। कोरोना काल में बचत इसलिए ज्यादा रही क्योंकि उस दौरान लोगों ने अपने खर्च में कटौती की थी।

वाणिज्यिक बैंकों की उधारी 54 फीसदी बढ़ी

आरबीआईके मुताबिक, 2022-23 में वाणिज्यिक बैंकों की उधारी में सालाना आधार पर 54 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इस अवधि में जीडीपी की तुलना में लोगों की वित्तीय संपत्ति 10.9 प्रतिशत रही। 2021-22 में यह 11 फीसदी से अधिक रही थी। आंकड़ों के मुताबिक, निजी खर्च से आर्थिक वृद्धि को मिलने वाला समर्थन अनुमान से कमजोर हो सकता है, भले ही निजी पूंजीगत खर्च चक्र में देरी होती दिख रही हो।

सदस्य देशों ने दक्षिण चीन सागर में बीजिंग की कार्रवाई का विरोध किया, मानवाधिकार उल्लंघन पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।
पूर्वी और दक्षिणी चीन सागर के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए, समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में जी 7 के सदस्यों ने चीन के सैन्यीकरण और अन्य उत्तेजक गतिविधियों, बल या जबरदस्ती करते हुए यथास्थिति को बदलने के किसी भी एकतरफा प्रयास का कड़ा विरोध किया। ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता के महत्व की पुष्टि करते हुए, जी 7 सदस्यों ने क्रॉस-स्ट्रेट मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जी7 सदस्यों ने चीन से राजनयिक संबंधों और कोनसुलर संबंधों पर वियना संधि के तहत अपने दायित्वों के अनुसार कार्य करने और अपने समुदायों की सुरक्षा, उनके लोकतांत्रिक संस्थानों की अखंडता और उनकी आर्थिक समृद्धि को कमजोर करने के उद्देश्य से हस्तक्षेप गतिविधियों का संचालन नहीं करने का आह्वान किया। बयान में, जी-7 के सदस्यों ने दोहराया कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखना चीन की जिम्मेदारी है। वह पूर्वी और दक्षिण चीन सागर की स्थिति के बारे में गंभीर रूप से चिंतित रहे। उन्होंने बलपूर्वक या जबरदस्ती से यथास्थिति को बदलने के किसी भी एकतरफा प्रयास का कड़ा विरोध किया। बयान में कहा गया है, उन्होंने समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के सार्वभौमिक और एकीकृत चरित्र पर फिर से जोर दिया और पुष्टि की कि यूएनसीएलओएस कानूनी ढांचा निर्धारित करता है जो महासागरों और समुद्रों में सभी गतिविधियों को नियंत्रित करता है। उन्होंने दोहराया कि दक्षिण चीन सागर में चीन के विशाल समुद्री दावों का कोई कानूनी आधार नहीं है और क्षेत्र में चीन के सैन्यीकरण और अन्य उत्तेजक गतिविधियों का विरोध किया। जी-7 के सदस्यों ने ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता के महत्व की भी पुष्टि की। सदस्यों ने पूरे ताइवान में शांति का आह्वान किया, जो अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में सुरक्षा और समृद्धि के लिए अपरिहार्य है। बयान में कहा गया है, जी-7 के सदस्यों ने चीन से जलवायु, जैव विविधता संकट, कमजोर देशों की ऋण स्थिरता और वित्तपोषण जरूरतों, वैश्विक स्वास्थ्य और व्यापक आर्थिक स्थिरता जैसे क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय मंचों सहित उनके साथ जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आर्थिक लचीलापन के लिए जोखिम कम करने और जहां आवश्यक और उपयुक्त हो, वहां विविधता लाने की आवश्यकता होती है।

शशिधर जगदीशन दोबारा बनाए गए एचडीएफसी के एमडी और सीईओ

अब 2026 तक पद पर बने रहेंगे, 26 अक्टूबर को खत्म हो रहा था कार्यकाल

नई दिल्ली।
रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एचडीएफसी बैंक के एमडी और सीईओ के रूप में शशिधर जगदीशन को फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। शशिधर का कार्यकाल 26 अक्टूबर 2023 को समाप्त हो रहा है, जिसे अगले 3 साल यानी 26 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दिया गया है। आरबीआई ने 18 सितंबर को शशिधर जगदीशन के रिअपॉइंटमेंट को मंजूरी दी है। 26 अक्टूबर 2020 को शशिधर जगदीशन ने आदित्य पूरी की जगह कंपनी के सीईओ का पद संभाला था। हाल ही में आरबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक के सीईओ संदीप बख्शी के भी रिअपॉइंटमेंट की मंजूरी दी थी।

एचडीएफसी के साथ 1996 में जुड़े थे जगदीशन

पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट जगदीशन ने फिजिक्स में ग्रैजुएशन किया है। इसके

अलावा उन्होंने शेफील्ड विश्वविद्यालय, यूके से मनी, बैंकिंग और फाइनेंस में इकोनॉमिक्स में मास्टर्स की डिग्री ली है। जगदीशन के पास बैंकिंग में 31 साल से ज्यादा का अनुभव है। वह 1996 में एचडीएफसी के साथ जुड़े थे। 1999 में उन्हें बिजनेस हेड बनाया गया था और 2008 में उन्हें कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नियुक्त किया गया था। 1995 में बैंक का मार्केट कैप 440 करोड़ रुपए था, जो 2023 में बढ़ कर 12.34 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। शशिधर का बैंक की ग्रोथ में अहम रोल एचडीएफसी ने कहा कि शशिधर ने बैंक के विकास यात्रा में अहम रोल अदा किया है। एचडीएफसी ग्रुप की हाउसिंग फइनेंस कंपनी एचडीएफसी हाउसिंग के विलय में भी जगदीशन की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस साल जुलाई में एचडीएफसी हाउसिंग का एचडीएफसी बैंक में विलय हुआ था। 1991 के आर्थिक उदारीकरण से निकला था एचडीएफसी बैंक के बनने का रास्ता 1990 से ही देश की अर्थव्यवस्था की सेहत बिगड़ने लगी थी। देश से निर्यात बहुत कम हो गया था पर इसके उलट आयात बढ़ता ही जा रहा था। इस आयात की कीमत चुकाने में सरकार का विदेशी मुद्रा भंडार खत्म होने की कगार पर पहुंच गया। तब देश के प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव और वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार का बेड़ा उठाया। और इकोनॉमिक रिफॉर्म्स लागू किए। ये रिफॉर्म था अर्थव्यवस्था को निजी कंपनियों के लिए खोलना। मतलब किसी भी सेक्टर में निजी कंपनियां व्यापार कर सकती थी। इसी में से एक बैंकिंग सेक्टर भी था।

सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड का आईपीओ खुला: इसमें 22 सितंबर तक कर सकेंगे अप्लाय, मिनिमम 14,630 रुपए का करना होगा निवेश

मुंबई। सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ में 22 सितंबर तक अप्लाय कर सकते हैं। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 730 करोड़ जुटाना चाहती है। 4 अक्टूबर को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। कंपनी ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 366-385 तय किया है। रिटेल निवेशकों मिनिमम एक लॉट यानी 38 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 385 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,630 इन्वेस्ट करने होंगे। मैक्सिमम 494 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड के आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 494 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 190,190 खर्च करने होंगे। आरआर काबेल का शेयर 14 प्रतिशत प्रीमियम के साथ मार्केट में लिस्ट आरआर काबेल की शेयर बाजार में अच्छी लिस्टिंग हुई है। कंपनी का शेयर 14 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 1,180 रुपए पर लिस्ट हुआ है, जबकि इसकी लिस्टिंग 13.91 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 1,179 रुपए पर हुई है, इसका इश्यू प्राइस 1,035 रुपए प्रति शेयर था। ये सब्सक्रिप्शन के आखिरी दिन तक 18.69 गुना भरा था।

किंक ने रियलिटी टेलीविजन की दुनिया में मचा दिया तहलका

-दर्शकों को ऐसा रोमांच पेश किया, जो पहले कभी नहीं देखा

मुंबई (ईएमएस)। रियलिटी टेलीविजन की दुनिया में किंक ने तहलका मचा दिया है। इस शो ने दर्शकों को ऐसा रोमांच पेश किया है, जो इससे पहले कहीं नहीं देखा गया। किंक का कॉन्सेप्ट, किस इश्क एन कनेक्शन्स दिलचस्प और साहसी दोनों है। एक रेगिस्तानी द्वीप पर फंसे एक जोड़े के प्यार और प्रतिबद्धता की यह आखरी परीक्षा है। दिव्या अग्रवाल द्वारा होस्ट किया गया यह शो प्यार और रिश्तों को एक अनूठे तरीके से फिर से परिभाषित करने का वादा करता है। क्या एक साधारण चुंबन वास्तव में दो लोगों के बीच के बंधन को मजबूत कर सकता है, या यह तीव्र दुश्मनी और संघर्ष को जन्म देगा? उसके लिए आपको शो देखना होगा। किंक का भव्य लॉन्च मुंबई में एक ग्लैमरस शाम को हुआ जहां

दिव्या अग्रवाल और रेड कार्पेट पर शानदार प्रतियोगियों ने मंच पर आग लगा दी। यह एक ऐसा दृश्य था जो उस उत्साह और ड्रामे को दर्शा रहा था जिसका शो में दर्शक इंतजार कर रहे थे। दिव्या अग्रवाल, अपने चुंबकीय आकर्षण और करिश्मा के साथ, किंक के लिए सबसे आदर्श होस्ट हैं। उनकी उपस्थिति दुनिया भर के दर्शकों के जुनून और जिज्ञासा को प्रज्वलित करने के लिए मजबूर कर देगी। जैसा कि वह कहती हैं, किंक प्यार और जुनून की गहराई की खोज के बारे में है। प्रश्न बना हुआ है: क्या प्रेम सभी पर विजय प्राप्त करेगा, या यह एक उग्र संघर्ष की ओर ले जाएगा? पहले से ही, किंक ने समर्पित फैन क्लबों को जन्म देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। यह भावनाओं का एक सफर है, जहां प्यार, वासना और लालसा जुनून के बवंडर में टकराते हैं। दर्शक मानवीय रिश्तों की जटिलताओं में एक मनोरंजक और अविस्मरणीय यात्रा की उम्मीद कर सकते हैं। ड्रामा, रोमांस और जुनून से प्रेरित, रियलिटी टीवी के प्रशंसक इस रोमांचक शो को मिस नहीं करना चाहेंगे।

शीर्ष 10 भारतीय सिनेमा में भोला शंकर और रामबाणम की धूम

मुंबई(ईएमएस)। बालीवुड सिनेमा की तरह दक्षिण की कुछ फिल्मों को भारी असफलता का स्वाद चखना पड़ा था। इन्हीं में शामिल थी मेगा स्टार चिरंजीवी की भोला शंकर और एक्शन स्टार गोपीचन्द की रामबाणम, जो इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर गजब की धूम मचा रही हैं। यह दोनों फिल्में नेटफ्लिक्स की टॉप 10 इंडियन फिल्मों की लिस्ट में पहले और दूसरे नंबर पर कब्जा जमाए हुए हैं। पहली फिल्म का नाम है भोला शंकर और दूसरी फिल्म रामबाणम है। भोला शंकर इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की इंडियन 10 फिल्मों की लिस्ट में पहले स्थान पर कब्जा जमाए है। भोला शंकर को मेहर रमेश ने निर्देशित किया है जबकि फिल्म में चिरंजीवी, तमन्ना भाटिया, कीर्ति सुरेश और सुशांत लीड रोल में हैं। इस फिल्म का बजट लगभग 101 करोड़ रुपये बताया जाता है, लेकिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 42 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन किया। चिरंजीवी को साउथ सिनेमा का मेगास्टार भी कहा जाता है। फिल्म में चिरंजीवी का कमाल का एक्शन है, लेकिन फिर भी फैन्स को वह सिनेमाघरों तक खींच के नहीं ला सके। ओटीटी प्लेटफॉर्म

नेटफ्लिक्स की इंडियन 10 फिल्मों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर रामबाणम का कब्जा है। तेलुगू फिल्म रामबाणम को श्रीवास ने निर्देशित किया है जबकि फिल्म में गोपीचंद, डिम्पल हयाती और जगपती बाबू लीड रोल में हैं। फिल्म का बजट लगभग 25 करोड़ रुपये बताया जाता है, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई। फिल्म ने सिर्फ आठ करोड़ रुपये का ही कारोबार किया था। गोपीचंद एक्शन स्टार हैं और उनकी डब फिल्मों की खूब डिमांड है। ऐसे में जब उनकी फिल्म ओटीटी पर आई तो धूम मचा गई।

अक्षय फिर सिल्वर स्क्रीन पर धूम मचाने के लिए तैयार

- आगामी फिल्म मिशन रानीगंज लेकर आ रहे है जल्द

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के खतरों के खिलाडी यानि अक्षय कुमार फिर सिल्वर स्क्रीन पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अक्षय अपनी आगामी फिल्म मिशन रानीगंज जल्द लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 6 अक्टूबर, 2023 को रिलीज होने जा रही है। फिल्म से ज्यादा अक्षय कुमार का एक रिप्लाई चर्चा में आ गया है, जो उन्होंने एक फैन के कमेंट पर दिया है। हाल ही में एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, अक्षय कुमार ने फिल्म के गाने जलसा 2.0 की रिलीज का ऐलान किया। यह गाना अब यूट्यूब और बाकी सभी म्यूजिकल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। जैसे ही गाना रिलीज होने की खबर फैली, अक्षय कुमार का इंस्टाग्राम कमेंट सेक्शन फैंस तारीफें करने लगे और मिशन रानीगंज के लिए शुभकामनाएं और प्यार भेजने लगे। इसी बीच देर रात की पोस्ट देखकर फैन ने पूछा, सर, क्या आप अभी तक सोए नहीं? इस पर अक्षय कुमार ने ऐसा जवाब दिया जिसकी उस फैन ने ही क्या किसी ने भी कल्पना नहीं की

होगी। अक्षय ने अपने खास अंदाज में जवाब देते हुए लिखा, लंदन में हूं भाई, शाम के 6 बज रहे हैं, आप कहें तो सो जाऊं।

इस फनी रिप्लाई ने इंस्टाग्राम पर हल्ला मचा दिया। कमेंट ने कई लाइक्स बटोरे और लोगों ने भी इस पर मजेदार रिप्लाई लिखे। जैसे-जैसे मिशन रानीगंज की रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है, दुनिया भर के प्रशंसक अक्षय कुमार की एक और वास्तविक जीवन के नायक की भूमिका को देखने के अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। भारतीय सिनेमा में प्रेरक कहानियों को सबसे आगे लाने की उनकी प्रतिबद्धता के साथ, यह फिल्म निश्चित रूप से एक मार्मिक श्रद्धांजलि होगी। बता दें कि यह फिल्म 1989 के रानीगंज कोलफील्ड की वास्तविक जीवन की घटना पर आधारित है जिसने पश्चिम बंगाल को हिलाकर रख दिया था। अक्षय इन दिनों अपनी फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं।

सिने इकाई का हिस्सा बनकर गौरान्वित हैं विक्की कौशल

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल का कहना है कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री इस बात का प्रतिनिधित्व करती है कि भारत की विविधता कितनी खूबसूरत है। उन्होंने कहा कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री भारत की खूबसूरत विविधताओं का प्रतिनिधित्व करती है। आप देखेंगे कि अलग-अलग बैकग्राउंड्स के लोग टैलेंट और वर्क एथिक के जरिए हमारे इंडस्ट्री में नाम कमा रहे हैं। एक्टर, जिन्हें नेशनल क्रश भी कहा जाता है, को इस विविधता पर बहुत गर्व है। जब हम सेट पर होते हैं, तो हम सभी लक्ष्य की ओर काम करते हुए एक यूनिट होते हैं। हमारी फिल्म इंडस्ट्री भारत का एक सूक्ष्म रूप है और जिसका हिस्सा बनकर स्वयं को भाग्यशाली महसूस करता हूं। विक्की की जल्द ही फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत की विविधता में एकता का उत्सव है। यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित, विजय कृष्ण आचार्य द्वारा निर्देशित द ग्रेट इंडियन फैमिली 22 सितंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है।

ईमली सीरीज के सेट पर क्रू मेंबर की करंट लगने से मौत

मुंबई, (ईएमएस)। एक तरफ जहां पूरे मुंबई में मंगलवार को हर्षोल्लास के माहौल में गणपति बप्पा का आगमन हुआ, वहीं दूसरी तरफ मशहूर हिंदी सीरियल ईमली के सेट पर बेहद दुखद घटना घटी। मिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई के पश्चिमी उपनगर गोरेगांव स्थित दादा साहब फाल्के फिल्म सिटी में सीरियल ईमली के सेट पर एक क्रू मेंबर की करंट लगने से मौत हो गई। बिजली का झटका इतना भीषण था कि चालक दल का सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया. इलाज के लिए अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी. जब स्टार प्लस और ईमली की टीम से संपर्क किया गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इस घटना में जिस शख्स की मौत हुई उसका नाम महेंद्र है. पता चला है कि वह काफी समय से सीरियल ईमली के सेट पर काम कर रहे थे. 28 साल के महेंद्र की कुछ दिन पहले इसी

जगह पर सीरियल के सेट पर करंट लगा था. 19 सितंबर को उन्हें दोबारा उसी स्थान पर बिजली का करंट लगा. महेंद्र ने पहले ही अपने सहकर्मियों को उस स्थान के बारे में सूचित कर दिया था और किसी को भी वहां न जाने की सलाह दी थी। करंट लगने के बाद जब महेंद्र को अस्पताल ले जाया गया तो रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद सीरियल ईमली की शूटिंग काफी समय तक रोक दी गई थी. सेट पर खतरनाक जगह की जानकारी होने के बावजूद महेंद्र उस जगह क्यों गए और उन्हें करंट कैसे लगा, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। फिल्म सिटी में सिर्फ ईमली ही नहीं बल्कि अन्य हिंदी और मराठी सीरियल्स, रियलिटी शोज की भी शूटिंग होती रहती है. 520 एकड़ भूमि में फैली फिल्मसिटी में लगभग 16 स्टूडियो और 42 आउटडोर शूटिंग स्थान हैं।

'जवान' ने रचा इतिहास, फिल्म ने की शानदार कमाई

शाहरुख खान की बहुचर्चित फिल्म 'जवान' बॉक्स ऑफिस पर अभी भी धमाल मचा रही है। फिल्म 7 सितंबर को रिलीज हुई और नए रिकॉर्ड बनाए। फिल्म ने पहले दिन 75 करोड़ की कमाई की। फिल्म रिलीज होने के 13 दिन बाद भी इसका क्रेज अभी तक कम नहीं हुआ है। इस तरह फिल्म की 13वें दिन की कमाई सामने आ गई है। सैक्निल्क की शुरूआती ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, जवान ने 13वें दिन 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने पहले दिन 75 करोड़ की कमाई की। इसके बाद फिल्म ने दूसरे दिन 53.23 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 77.83 करोड़ रुपये, चौथे दिन 80.1 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 32.92 करोड़ रुपये की कमाई की। छठे दिन 26 करोड़, सातवें दिन 23.2 करोड़, आठवें दिन 21.6 करोड़। नौवें दिन 19.1 करोड़। 10वें दिन 31. 8 करोड़, 11वें दिन 36.85 करोड़, 12वें दिन 15.25 करोड़ और अब 13वें दिन फिल्म ने 14 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसके बाद अब 'जवान' की कुल कमाई 507.88 करोड़ हो गई है। फिल्म ने दुनियाभर में 880 करोड़ का बिजनेस किया है। 11 दिनों में फिल्म ने वर्ल्डवाइड 860 करोड़ की कमाई की। 13 दिनों में फिल्म ने विदेशी बॉक्स ऑफिस पर 286 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। कमाई के मामले में 'जवान' ने 'गदर 2' और 'पठान' को भी पीछे छोड़ दिया है। 'पठान' को 500 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने में 28 दिन लगे थे जबकि 'गदर 2' को 24 दिन लगे थे। साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'बाहुबली 2' को भी 500 करोड़ रुपये का बिजनेस करने में 34 दिन लगे थे। लिहाजा, 'जवान' सबसे तेजी से 500 करोड़ रुपये कमाने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। वहीं, शाहरुख खान फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म में उनके पांच लुक देखने को मिलेंगे। इसके अलावा नयनतारा, विजय सेतुपति, सान्या मल्होत्रा, प्रियामणि, गिरिजा ओक, रिद्धि डोगरा भी भूमिका निभाते हैं। इस फिल्म का निर्देशन साउथ के प्रमुख निर्देशक एटली ने किया है।

बर्थडे पर रणवीर दिखेंगे राउडी अवतार में

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल के निमार्ताओं ने सोमवार को फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया, जिसमें एक्टर आकर्षक लुक में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में रणबीर रॉयल ब्लू ब्लेजर, मैचिंग शर्ट पहने हुए दिख रहे हैं और स्क्वायर शेप के सनग्लासिस के साथ लुक को पूरा कर रहे हैं। लंबे बालों में रणबीर का यह लुक दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। पोस्टर में रणबीर को राउडी अवतार में दिखाया गया है। उसका गुस्सा 28 सितंबर को देखने को मिलेगा जब फिल्म का धमाकेदार ट-ीजर रणबीर के बर्थडे पर रिलीज किया जाएगा। रणबीर का लुक देख फैंस कमेंट कर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एनिमल में रणबीर के अलावा, अनिल कपूर, रश्मिका

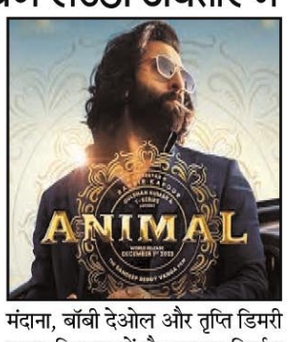

मंदाना, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी मुख्य किरदार में है। इसका निर्माण भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज, मुराद खेतानी के सिने1 स्टूडियो और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्र-काली पिक्चर्स द्वारा किया गया है। यह फिल्म दुनिया भर में 1 दिसंबर को पांच भाषाओं - हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम में रिलीज होगी।

इंडस्ट्री के सबसे प्यारे इंसान थे प्राण साहब : धर्मेंद्र

दिवंगत स्टार प्राण के साथ धर्मेंद्र ने अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने उनसे कुछ श-ारारती सवाल पूछे थे। धर्मेंद्र ने कहा कि इंडस्ट्री के सबसे प्यारे इंसान प्राण साहब थे। धर्मेंद्र ने एक्स पर पुरानी तस्वीर साझा की। तस्वीर में धर्मेंद्र, प्राण के साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। प्राण का 2013 में 93 साल की उम्र में निधन हो गया था। एक्टर ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, बीमार प्राण साहब से कुछ शरारती सवाल।..

इंडस्ट्री के सबसे प्यारे इंसान। 12 जुलाई 2013 को 93 वर्ष की आयु में प्राण ने मुंबई में आखिरी सांस ली थी। वह लंबी बीमारी से पीड़ित थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो, धर्मेंद्र को हाल ही में फिल्म निमार्ता करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में देखा गया था। वह अगली बार शाहरुख खान के साथ डंकी में नजर आएंगे। प्राण और धर्मेंद्र ने धर्मवीर, जुगनू और प्यार ही प्यार जैसी कुछ फिल्मों में साथ काम किया था।

बिक गया देव आनंद का जुहू वाला बंगला

दिवंगत बॉलीवुड अभिनेता देव आनंद का जुहू स्थित 73 साल पुराना बंगला बिक गया। इस बंगले की जगह पर 22 मंजिला ऊंचा टावर बनाया जाएगा। देव आनंद कई वर्षों तक अपनी पत्नी कल्पना कार्तिक और अपने बच्चों सुनील आनंद व देवीना आनंद के साथ अपने बंगले में रहे थे। अब इस बंगले को तोड़ दिया गया है। जानकारी के मुताबिक देव आनंद का जुहू स्थित बंगला एक रियल एस्टेट कंपनी ने खरीद लिया है। इस बंगले के दस्तावेज पूरे हो चुके हैं। बताया जाता है कि यह बंगला करीब 400 करोड़ रुपये में बिका है। इस बंगले की जगह 22 मंजिला ऊंची इमारत बनाई जाएगी। देव आनंद का घर अच्छी लोकेशन पर था। उनके घर के पास कई बड़े लोगों के घर हैं। उनके बंगले के बगल में ही माधुरी दीक्षित नेने और डिंपल कपाड़िया जैसे सितारे भी रहते हैं। तो अब देव आनंद का बंगला भी एक रियल एस्टेट कंपनी

को बेच दिया गया है। देव आनंद ने यह बंगला 1950 में खरीदा था। एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने बंगले के प्रति अपने प्यार का इजहार किया था। उन्होंने तब कहा था, "घर 1950 में बनाया गया था। तब जुहू एक छोटा-सा गांव था और वहां पूरा जंगल था। मैंने घर इसलिए बनाया क्योंकि मुझे यहां का जंगल पसंद था। मुझे यह पसंद था क्योंकि मैं अकेला था।"

जल्द ही पापा बनने वाले हैं विक्रांत मैसी

मशहूर एक्टर विक्रांत मैसी जल्द ही पापा बनने वाले है उनकी पत्नी शीतल बहुत जल्द अपने पहले बच्चे को जन्म देंगी। इस बात की जानकारी उनके एक करीबी सूत्र ने दी है। विक-ांत मैसी के एक करीबी सूत्र ने बताया कि एक्टर और उनकी पत्नी शीतल बहुत खुश हैं और शादी के बाद जीवन के इस नए फेज में आने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। विक्रांत मैसी ने साल 2022 में गर्लफ्रेंड शीतल ठ-ाकुर से शादी रचाई थी। शादी के करीब डेढ़ साल बाद अब एक्टर के घर बच्चे के किलकारी गूंजने वाली है। जी हां, फिल्म हसीन दिलरुबा फेम विक्रांत मैसी बहुत जल्द पापा बनने वाले हैं। बता दें, विक्रांत मैसी और शीतल ठाकुर की मुलाकात आल्ट बालाजी के वेब शो ब्रोकन बट ब्यूटीफुल के सेट पर हुई थी और जल्द ही उन्होंने डेटिंग शुरू कर दी। नवंबर 2019 में एक निजी रोका समारोह में उन्होंने सगाई कर ली। इस-ाके बाद 18 फरवरी, 2022 में एक्टर ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड शीतल ठाकुर से शादी की थी।

बिना नहाए रुहान से मिलने पर ट्रोल हुईं दीपिका की ननद

टीवी के फेवरेट कपल दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। दीपिका ने इंडस्ट्री से दूरी बनाई हुई है लेकिन व्लॉग के जरिए वह फैंस से जुड़ी रहती हैं। दीपिका के साथ उनकी ननद सबा इब्राहिम भी यूट्यूब व्लॉगर हैं। वह अपनी डेली लाइफ को लेकर फैंस को अपडेट देती रहती हैं। वह अपने पति के साथ अब मुंबई में नहीं रहती हैं लेकिन वह अपनी फैमिली से मिलने के लिए अक्सर आती रहती हैं। सबा ने अपने व्लॉग में कुछ शेयर किया है जिसके बाद से उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। सबा का बचपन भोपाल में भी बीता है। वह अपने पति खालिद को भोपाल ले गई थीं। जहां उन्होंने खालिद को भोपाल घुमाया साथ ही अपने बचपन की यादें ताजा कीं। अब भोपाल घूम के सबा मुंबई आ गई हैं. जहां वह रुहान और अपने पापा से मिली।

सबा हुईं ट्रोल - दरअसल सबा ने व्लॉग में दिखाया कि वह भोपाल से मुंबई फ्लाइट से आती हैं। उसके बाद एक कैफे पर भी चाय के लिए रुकती हैं और घर आकर बिना चेंज किए या फ्रेश हुए अपने पिता से और रुहान से मिलती हैं। पूरे व्लॉग में सबा ने कपड़े नहीं बदले और ना ही फैंस को बताया कि वो फ्रेश हुईं। जिसकी वजह से फैंस उनपर भड़क रहे हैं कि कैसे वह नन्हे बच्चे के पास बिना चेंज किए चली गईं। एक यूजर ने कमेंट किया- विश्वास नहीं हो रहा है कि ये लोग बिना फ्रेश हुए, बिना कपड़े बदले नन्हे बच्चे के पास चले गए। वहीं दूसरे ने लिखा-सबा एक सलाह है। जब भी आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट से ट्रेवल करती हैं तो रुहान से मिलने से पहले नहा लिया कीजिए। साथ ही आपके पिता की भी तबीयत ठीक नहीं है तो कहीं से पहले आकर फ्रेश हुआ कीजिए ताकि उन्हें भी किसी तरह का इफेक्शन ना हो।

सूडोकु नवताल- 6559

मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6558 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्दजाल- 7306

ख	न	र	कु	डु	प्ली	के	ट	ला	नी	क
ज	या	फु	ज	इं	डो	ने	ह	क	गु	प
फ	दौ	आ	ट	म	न	इ	दो	न	ना	म
च	र	रा	मा	पा	ल	स	रा	प	ह	ह
स	म	बा	ज	त	त	उ	हें	ख	री	म
डै	जे	ज	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	द
डी	मा	दे	ख्म	व	बा	स	म	पी	ख	स्त
र	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	क
म	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	सा	थी	स	म

शब्दजाल में महेश भट्ट निर्देशित 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

फुटपात, राज, जख्म, डुप्लीकेट, दो राहें, दस्तक, गुनाह, साथी, डैडी, नया दौर,

शब्दजाल - 7305 का हल

अ	श	मु	फ	रे	ब	हो	प	न	र	त
क्स	क्रि	पिं	ना	द	म	जा	जा	गो	घा	छ
न	के	ज	हे	नि	इं	ना	न	व	टि	दि
बी	ट	र	न	शा	वा	त	क	ले	ज	ल
च	दा	त	प	ने	तो	हो	का	गो	ब	प
ब	त	त	स	ग	स	ए	व	म	वॉ	र
द	प	शू	न	त्या	व	ह	अ	गो	प्ला	म
क	र	क	ल	र	ह	भा	र	चो	आ	त
र	व	त	म	ए	भी	क	क	अ	न	ले
जू	बे	दा	त	र	क	ता	ण	र	ह	या
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	म	क	प	स्त	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6259

	7	3		5	6	2
6	37		32		26	
5	2		4	1		3
	32	4	32		32	
3	6			7		5
7	33	2	29	6	40	7
		5	1		4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6258 का हल

3	2	7	6	4	5	1
4	28	2	38	2	31	7
1	5	4	6	7	2	3
6	28	3	36	5	38	6
5	3	1	4	6	7	2
7	34	5	29	3	35	5
2	5	6	3	1	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

वर्ल्ड कप में पिच पर ज्यादा घास रखने का निर्देश : बाउंड्री का साइज 70 मीटर होना चाहिए, आईसीसी ने ओस से निपटने के लिए प्रोटोकॉल तैयार किया

नई दिल्ली ।

इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने कई वेन्यू के क्यूरेटरों के लिए एक प्रोटोकॉल तैयार किया है। सीसी ने क्यूरेटर को पिचों पर ज्यादा घास रखने के लिए कहा है। अक्टूबर-नवंबर में भारत के कई हिस्सों में ओस पड़ती है, जिससे टॉस की भूमिका अहम हो जाती है। टॉस की भूमिका कुछ हद तक कम करने के लिए आईसीसी ने यह कदम उठाया है।

आईसीसी ने क्यूरेटर को पिचों पर ज्यादा घास छोड़ने के लिए कहा

भारत की पिचें आमतौर पर स्पिन के लिए ज्यादा मददगार होती हैं, लेकिन आईसीसी ने क्यूरेटर को पिचों पर ज्यादा घास रखने के लिए कहा है, जिससे तेज गेंदबाज भी मैच में बने रहें। इसका मतलब यह होगा कि टीमें प्लेइंग-11 में ज्यादा पेसर्स को मौका दे सके। बता दें, 2021 में यूएई में होने वाला टी-20 वर्ल्ड कप भी ओस से काफी प्रभावित रहा था और दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम को काफी फायदा हुआ था।'उत्तर, पश्चिम और पूर्वी राज्यों में साल के इस समय भारी ओस पड़ेगी। वहीं चेन्नई और बेंगलुरु में होने वाले मैचों में बारिश की आशंका है। ओस से स्पिनर्स के प्रदर्शन पर काफी असर पड़ता है। तो ज्यादा घास होने से टीमों को स्पिनर्स पर ज्यादा निर्भर नहीं होना पड़ेगा।

बाउंड्री का साइज 70 मीटर होना चाहिए

वहीं बात और बॉल के बीच बैलेंस बनाए रखने के लिए आईसीसी ने हर मैदान की बाउंड्री को बड़ी करने का आदेश दिया है। सभी स्टेडियमों के क्यूरेटर्स को कह दिया गया है कि, बाउंड्री का साइज 70 मीटर होना चाहिए। इंटनरेशनल मैचों में बाउंड्री का मिनीमम साइज 65 मीटर होता है जबकि मैक्सिमम साइज 85 मीटर का होता है। पुराने स्टेडियमों में बाउंड्री साइज 70-75 मीटर के बीच होता है, लेकिन अब बाउंड्री की साइज को 70 मीटर से ज्यादा करना होगा। बीसीसीआई हेड सिलेक्टर अजीत अगरकर ने एक महीने पहले एशिया कप के लिए टीम की घोषणा करते हुए ओस फैक्टर को स्वीकार किया था।

10 शहरों में खेले जाएंगे वर्ल्ड कप के मुकाबले

वर्ल्ड कप 2023 के मुकाबले 10 शहरों में खेले जाएंगे। जिसमें अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम), बेंगलुरु (एम चिन्नास्वामी स्टेडियम), चेन्नई (एमए चिदम्बरम स्टेडियम), दिल्ली (अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम), धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम), हैदराबाद (राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, उप्पल) हैं।

इनके अलावा कोलकाता (ईडन गार्डन), लखनऊ (अटल बिहारी बाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम), मुंबई (वानखेड़े स्टेडियम), पुणे (महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम) शामिल हैं। हैदराबाद के अलावा गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम 29 सितंबर से 3 अक्टूबर तक प्रैक्टिस मैचों की मेजबानी करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेलों का पूरा कार्यक्रम आया सामने,पुरुष टीम की कमान ऋतुराज को, महिला टीम की कौर को

नई दिल्ली । एशियाई खेलों में 9 साल बाद क्रिकेट की वापसी हो गई है। टीम इंडिया की पुरुष और महिला टीम भी इस बार हांगझू में महाद्वीपीय चुनौती के लिए उतरेंगी। 15 टीमों का पुरुष टूर्नामेंट 27 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच होगा। पुरुष टीम की अगुवाई जहां ऋतुराज गायकवाड़ कर रहे हैं। वहीं, महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर करने वाली हैं। एशियाई खेल 2023 की महिला क्रिकेट स्पर्धा में 15 टीमें स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह टीमें हैं अफगानिस्तान, मंगोलिया कंबोडिया, जापान, नेपाल, हांगकांग चीन, सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया, बहरीन, मालदीव, भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश पहले ही क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। एशियाई खेलों के लिए चार ग्रुप बनाए गए हैं जिसमें ग्रुप ए में अफगानिस्तान और मंगोलिया हैं। ग्रुप बी में कंबोडिया, जापान और नेपाल। ग्रुप सी में हांगकांग चीन, सिंगापुर और थाईलैंड है । ग्रुप डी में मलेशिया, बहरीन और मालदीव है। वहीं भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश सीधे क्वार्टर-फाइनल में प्रवेश दिया गया हैं। 7 सितंबर को नेपाल बनाम जापान, सुबह 6:30 बजे, 27 को ही हांगकांग, चीन बनाम सिंगापुर, सुबह 11:30 बजे। 28 सितंबर को मलेशिया बनाम बहरीन, सुबह 6:30 बजे, 28 को ही जापान बनाम कंबोडिया, सुबह 11:30 बजे। 29 सितंबर को मालदीव बनाम मलेशिया, सुबह 6:30 बजे, 29 को ही सिंगापुर बनाम थाईलैंड, सुबह 11:30 बजे। 1 अक्टूबर को अफगानिस्तान बनाम मंगोलिया, सुबह 6:30 बजे, 1 को ही कंबोडिया बनाम नेपाल, सुबह 11:30 बजे। 2 अक्टूबर को थाईलैंड बनाम हांगकांग चीन, सुबह 6:30 बजे, उसी दिन बहरीन बनाम मालदीव, सुबह 11:30 बजे। 3 अक्टूबर: भारत (पहली रैंक वाली टीम) बनाम टीबीडी, क्वार्टर फाइनल 1, सुबह 6:30 बजे 3 अक्टूबर को पाकिस्तान (दूसरी रैंक वाली टीम) बनाम टीबीडी, क्वार्टर फाइनल 2, सुबह 11:30 बजे। 4 अक्टूबर को एसएल (तीसरी रैंक वाली टीम) बनाम टीबीडी, क्वार्टर फाइनल 3, सुबह 6:30 बजे। 4 अक्टूबर को बांग्लादेश (चौथी रैंकिंग वाली टीम) बनाम टीबीडी, क्वार्टर फाइनल 4, सुबह 11:30 बजे। 6 अक्टूबर को विजेता क्यूएफ 1 बनाम विजेता क्यूएफ 4, सेमीफाइनल 1, सुबह 6:30 बजे। 6 अक्टूबर को विजेता क्यूएफ 2 बनाम विजेता क्यूएफ 3, सेमीफाइनल 2, सुबह 11:30 बजे।

अंबानी पार्टी में पंड्या ब्रदर्स ने किया शाहिद को फोटोबॉम्ब: एक्टर के पीछे खड़े होकर देने लगे पोज, बाद में सभी ठहाके लगाकर हंसे

नई दिल्ली । गणेश चतुर्थी के मौके पर इंडस्ट्रियलिस्ट मुकेश अंबानी ने अपने बंगले पर सेलिब्रेशन आयोजित किया गया। इस मौके पर सिर्फ बॉलीवुड सेलेब्स ही नहीं बल्कि कई बड़े पॉलिटिशियन और क्रिकेटर्स भी नजर आए। इवेंट के कई फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं जिनमें से एक वीडियो में क्रिकेटर हार्दिक पंड्या ने शाहिद कपूर को फोटोबॉम्ब कर दिया। इस वायरल वीडियो में शाहिद पैपराजी को पोज देते नजर आ रहे हैं। तभी पीछे से पंड्या ब्रदर्स हार्दिक और क्रुणाल पंड्या, ईशान किशन भी पैप्स को पोज देने आ जाते हैं। सभी को कुछ देर बाद अहसास होता है कि शाहिद उनके सामने खड़े होकर पहले से ही पोज दे रहे थे और उन्होंने एक्टर को फोटोबॉम्ब कर दिया। इसके बाद सभी ठहाके लगाकर एक-दूसरे से मिले। बाद में शाहिद मुस्कुरा कर सभी से हाथ मिलाकर वहां से चले गए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और यूजर्स इसमें शाहिद की मैच्योरिटी की तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'शाहिद कितने डीसेंट हैं। उन्होंने कितनी शालीनता से इसे हैंडल किया।' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'शाहिद कपूर अगले अनिल कपूर बनेंगे। जब ये दादा-नाना बन जाएंगे तब भी इतने ही हैंडसम दिखेंगे। वहीं पंड्या ब्रदर्स के इस जेस्चर से कुछ यूजर्स नाराज भी हुए। एक यूजर ने कमेंट किया, 'ये लोग अपने में मस्त होकर आ गए फोटो खिंचाने। ध्यान भी नहीं दिया कि शाहिद वहां पहले से ही मौजूद है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पाकिस्तान के साथ पूल ए में, उज्बेकिस्तान से 24 सितंबर को होगा पहला मैच

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम एशियाई खेलों में प्रभावी प्रदर्शन करने का संकल्प लेकर चीन रवाना हो गई। चीन के हांगझोऊ में 23 सितंबर खेलों की शुरुआत होगी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ करेगी। भारत पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ है। पूल बी में दक्षिण कोरिया, मलयेशिया, चीन, ओमान, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं। दोनों पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी।

आईसीसी न्यूयॉर्क में टी-20 वर्ल्ड कप मैच कराने पर सहमत

भारत-पाक मैच की मेजबानी भी मिल सकती है, जल्द हो सकता है ऐलान

दुबई।

2024 में वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी-20 वर्ल्ड के कुछ मैच न्यूयॉर्क में भी हो सकते हैं। यहां पर भारत-पाकिस्तान के मैच हो सकते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने न्यूयॉर्क शहर से 30 मील दूरी पर बने एक स्टेडियम में मैच कराने को लेकर राजी हो गया है। इस स्टेडियम में 30 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है।

पहले वर्ल्ड के मैच अमेरिका में ब्रोंक्स के वान कॉर्टलैंड पार्क में कराने की योजना थी। पार्क के आस पास रहने वाले स्थानीय लोग यहां क्रिकेट कराने का विरोध कर रहे हैं। जिसके बाद अमेरिका क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों को वहां से मैच हटा कर न्यूयॉर्क में कराने की योजना बनानी पड़ी।

अब आईसीसी ने भी अपनी सहमति दे दी है। भारत-पाकिस्तान के मैच भी यहां हो सकते हैं। जल्द ही आईसीसी इसकी घोषणा कर सकता है।

20 टीमों का टूर्नामेंट होगा, 15 टीमें क्वालिफाई

2024 के टी-20 वर्ल्ड कप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। होम टीम अमेरिका और वेस्टइंडीज समेत पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में टॉप-8 पोजिशन पर रहीं टीमें पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं। अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने टी-20 रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई किया। वहीं इसी सप्ताह आयरलैंड, स्कॉटलैंड और पापुआ न्यू गिनी ने रीजनल क्वालिफायर्स के जरिए टूर्नामेंट में जगह बनाई। आयरलैंड और स्कॉटलैंड ने यूरोप रीजन क्वालिफायर्स में टॉप कर जगह बनाई, जबकि पीएनजी ने एशिया-पेसिफिक क्वालिफायर्स में टॉप किया। टूर्नामेंट में 5 टीमें और क्वालिफाई करेंगी। इनमें अमेरिकन क्वालिफायर से एक, अफ्रीका से 2 और एशिया रीजन से 2 और टीमें आएंगी।

5-5 टीमों के 4 ग्रुप बांटे जाएंगे

20 टीमों को 5-5 टीमों के 4 ग्रुप में बांटा जाएगा।ग्रुप स्टेज में 40 मैच होंगे। सभी ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें सुपर-8 स्टेज में पहुंचेंगी, इस स्टेज में 12 मैच होंगे। सुपर-8 की भी 2-2 टॉप टीमें सेमीफाइनल में क्वालिफाई करेंगी। सेमीफाइनल की विजेता टीमों के बीच 30 जून 2024 को टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। 2 सेमीफाइनल, एक फाइनल और 52 ग्रुप स्टेज मैच मिलाकर टूर्नामेंट में 27 दिन के अंदर कुल 55 मैच खेले जाएंगे।

पिछले 2 टूर्नामेंट 16-16 टीमों के हुए थे

2021 और 2022 में खेले गए पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में 16-16 टीमें थीं।8 में से 4 टीमें क्वालिफायर खेलकर सुपर-12 स्टेज का हिस्सा बनती थीं। दोनों टूर्नामेंट में 45-45 मैच हुए थे। 2007 में शुरू हुए टूर्नामेंट में अब पहली बार 20 टीमें शामिल होंगी और टूर्नामेंट में पहली बार 50 से ज्यादा मैच होंगे। 2007 में भारत ने पहला खिताब जीता था, 2022 में इंग्लैंड टीम पिछली बार चैम्पियन बनी थी।

अमेरिका में वर्ल्ड कप कराने के 2 अहम कारण

अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप कराने के पीछे आईसीसी के 2 अहम कारण हैं। पहला: नॉर्थ अमेरिका में क्रिकेट तेजी से फैल रहा है। यहां मजबूत पकड़ बनाने के लिए आईसीसी ने यह कदम उठाया। दूसरा: 2028 के लॉस एंजिल्स ओलिंपिक गेम्स में आईसीसी क्रिकेट को शामिल करवाना चाहता है। अगर अमेरिका में वर्ल्ड कप हुआ तो ओलिंपिक में क्रिकेट शामिल किए जाने की उम्मीदें भी बढ़ जाएंगी। आईसीसी ने ओलिंपिक कमेटी को ऑफिशियल प्रेजेंटेशन भी दिखाई है। जिस पर ओलिंपिक कमेटी इस साल के अंत तक फैसला लेगी।

हिसार में पहलवान बजरंग पूनिया का पुतला फूंका

बिना ट्रायल एशियन गेम्स में सलेक्शन पर रोष; विशाल के समर्थन में सड़क पर उतरे लोग

हिसार सिटी ।

एशियन खेलों में पहलवान बजरंग पूनिया का बिना ट्रायल चयन किए जाने पर हिसार में पहलवान विशाल के परिजनों व सिसाय के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पहलवान बजरंग पूनिया का पुतला फूंका और मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पहलवान विशाल के भाई कृष्ण ने कहा कि बिना ट्रायल बजरंग पूनिया को एशियन गेम्स में भेजा जाना सरासर गलत है। सरकार और कुश्ती फेडरेशन को चाहिए कि बजरंग पूनिया का ट्रायल करवाया जाए। उसके बाद ही एशियन गेम्स भेजा जाए।

क्रांतिमान पार्क में इकट्ठा हुए परिजन व किसान संगठन

सुबह करीब 11 बजे विशाल के परिजनों के साथ किसान संगठन व काफी संख्या में लोग क्रांतिमान पार्क में इकट्ठा हुए। पार्क से सड़क पर प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे और बजरंग पहलवान का पुतला फूंका। विशाल के भाई ने बताया कि विशाल ने 4 बार सीनियर नेशनल चैंपियनशिप, सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप, जूनियर एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल प्राप्त किया है।

विशाल ने ट्रायल की सभी पांचों कुश्ती जीती

अभी जो एशियन गेम्स के लिए ट्रायल हुए हैं, उस ट्रायल की 5 कुश्ती में से पांच की पांच कुश्ती जीतकर नंबर 1 स्थान हासिल किया है। जबकि, बिना ट्रायल दिए बजरंग पूनिया का सलेक्शन एशियन गेम्स में कर दिया गया, जोकि बहुत गलत है। विशाल का सलेक्शन सभी कुश्तियां जीतकर पहला स्थान प्राप्त करके भी नहीं हुआ।

भारतीय रोइंग दल19वें एशियन गेम्स में जीत से शुरुआत की: मेंस - विमेंस टीम ने रोइंग के लाइटवेट डबल स्कल इवेंट में रेपेचेज राउंड पहुंची

नई दिल्ली ।

भारतीय रोइंग दल 19वें एशियन गेम्स में जीत से शुरुआत की है। यहां चीन के हांगझोउ शहर में चल रहे इन गेम्स में बुधवार को भारतीय मेंस और विमेंस टीम ने रोइंग के लाइटवेट डबल स्कल इवेंट में मेडल की उम्मीद को बरकरार रखा है। दोनों टीमें रेपेचेज राउंड में पहुंच गई हैं।

पुरुषों के लाइटवेट डबल स्कल में अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह ने हीट में 6:27.45 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा सतनाम सिंह और परमिंदर सिंह भी 6:27.01 के समय के साथ अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहे। पुरुषों के दोनों ही अब रेपेचेज राउंड में हिस्सा लेंगी। अगर रेपेचेज में शानदार प्रदर्शन रहा तो वह फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे।

पुरुषों के अलावा भारतीय लाइटवेट महिला डबल स्कल्स जोड़ी किरण और अंशिका भारती ने 7:27.57 का समय लेकर अपनी हीट में चौथा स्थान हासिल किया। ये भी रेपेचेज राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

वॉलीबॉल में कोरिया के साथ शाम को मैच

वॉलीबॉल में इससे पहले भारतीय मेंस वॉलीबॉल टीम ने लीग मुकाबले में कंबोडिया 3-0 से हराया। वॉलीबॉल: अमित ने दिलाए सबसे ज्यादा अंक भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में एकतरफा जीत हासिल की। टीम ने कंबोडिया को पहले गेम में 25-14 के अंतर से हराया। टीम ने पहला गेम 22 मिनट में जीता। इसी प्रकार दूसरा गेम 19 मिनट में 25-13 और तीसरा 19 मिनट में 25-19 से हराया। भारतीय टीम को सबसे ज्यादा अंक जर्सी नंबर-11 अश्वराज ने दिलाए। उन्होंने 17 अंक अर्जित किए, वहीं कंबोडिया से जर्सी नंबर-15 मॉर्गन ने सबसे ज्यादा 9 अंक बटोरे।

एशियाड में भारत की जीत से शुरुआत: वॉलीबॉल टीम ने कंबोडिया को 3-0 से हराया; फुटबॉल टीम चीन के खिलाफ 1-5 से हारी

हांगझोउ।

भारत ने 19वें एशियन गेम्स में जीत से शुरुआत की है। यहां चीन के हांगझोउ शहर में चल रहे इन गेम्स में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने लीग मुकाबले में कंबोडिया 3-0 से हराया, जबकि ग्रुप-ए के फुटबॉल मुकाबले में भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को चीन ने 5-1 से हरा दिया। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का दूसरा लीग मुकाबला बुधवार को साउथ कोरिया के खिलाफ होगा, जबकि फुटबॉल टीम गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी।

वॉलीबॉल: अमित ने दिलाए सबसे ज्यादा अंक

भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में एकतरफा जीत हासिल की। टीम ने कंबोडिया को पहले गेम में 25-14 के अंतर से हराया। टीम ने पहला गेम 22 मिनट में जीता। इसी प्रकार दूसरा गेम 19 मिनट में 25-13 और तीसरा 19 मिनट में 25-19 से हराया।

भारतीय टीम को सबसे ज्यादा अंक जर्सी नंबर-11 अश्वराज ने दिलाए। उन्होंने 17 अंक अर्जित किए, वहीं कंबोडिया से जर्सी नंबर-15 मॉर्गन ने सबसे ज्यादा 9 अंक बटोरे।

फुटबॉल : टीम इंडिया ने पहले हाफ में अच्छी टक्कर दी, दूसरे हाफ में खाए 4 गोल

पुरुष फुटबॉल के ग्रुप-ए के पहले मुकाबले में भारतीय फुटबॉल टीम को करारी हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम को मेजबान चीन ने 5-1 के अंतर से हराया। वर्तमान में भारत वर्ल्ड रैंकिंग में 101वें पायदान पर है, जबकि चीन 81वीं रैंक टीम है। लेकिन भारतीय टीम अपने इस मोमेंटम को दूसरे हाफ में बरकरार नहीं रख सकी और मेजबान टीम ने एक के बाद एक चार गोल और ठोंक दिए।

राहुल केपी ने 9 साल बाद एशियाड में गोल दागा

फुटबॉल पहले लीग मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार शुरुआत की। मेजबान टीम को गाओ ताई ने 17वें मिनट में गोलकर 1-0 की बढ़त दिलाई, हालांकि भारतीय स्टार राहुल केपी ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। यहां हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 की बराबरी पर था। राहुल केपी ने 9 साल बाद एशियन गेम्स में भारत की ओर से गोल दागा, हालांकि दूसरे हाफ में चीन के दाई विजुंन ने 51वें, ताओ कियांगलोंग ने 72वें और 75वें और फेंग हाओ ने मैच के इंजरी टाइम में गोल दागे।

अश्लील वीडियो को अंशु मलिक का बताने पर बिफरी साक्षी-विनेश

मलिक बोलीं-बृजभूषण का आईटी सेल कर रहा बदनाम; फोगाट ने कहा- सरकार कहां सो रही

पानीपत।

इंटरनेशनल पहलवान के सोशल मीडिया पर जारी हुए फेक अश्लील वीडियो पर देश की जानी-मानी पहलवान साक्षी मलिक और विनेश फोगाट ने सरकार को घेरा है। कहा है कि कितना ही बदनाम कर लें, न्याय की लड़ाई जारी रहेगी। सरकार बृजभूषण शरण सिंह जैसी मानसिकता के लोगों को बढावा दे रही है। आईटी सेल बदनाम कर रहा है और पता नहीं सरकार कहां सो रही है।

विनेश फोगाट ने अपनी बात कहते हुए लोकसभा में पेश किए गए महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक) का भी जिक्र किया है। दोनों पहलवानों से अंशु मलिक का सपोर्ट किया है। बता दें कि इंटरनेशनल रेसलर अंशु मलिक का नाम जोड़कर एक फेक वीडियो को वायरल किया गया था। पुलिस इसमें एक आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है। अंशु मलिक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो जारी किया है। उसने वीडियो में रोते हुए अपनी बात कही। अंशु मलिक ने कहा- मेरा इस वीडियो से कोई संबंध नहीं है। इसके बावजूद मुझ पर गंदे कमेंट्स किए जा रहे हैं। मैं किसी बड़ी साजिश का शिकार हुई हूं। मैं और मेरा परिवार मेंटल ट्रॉमा से गुजर रहे हैं। अब साक्षी और विनेश ने भी जमकर सरकार को कोसा है।

जितना भी बदनाम कर लें, न्याय की लड़ाई जारी रहेगी: मलिक

पहलवान साक्षी मलिक ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा, हमने जो आंदोलन शुरू किया था वो बहन-बेटियों को न्याय दिलाने के लिए शुरू किया था।कुछ दिनों पहले मेरे बारे में भी एक अफवाह उड़ाई जा रही थी कि मैंने आरोपी के साथ समझौता कर लिया है, जोकि सरासर झूठ है। उसी आरोपी पक्ष की आईटी सेल तीन-चार दिनों से एक अश्लील वीडियो वायरल कर रही है। साक्षी मलिक ने कहा कि वीडियो में जिस महिला पहलवान के होने का दावा किया गया है वो गलत है, उसका वीडियो से कोई लेना-देना नहीं है।

इसी के साथ उन्होंने कहा, हमने जो लड़ाई शुरू की थी वो न्याय के लिए शुरू की थी और आरोपी के पक्ष के लोग चाहे जितना भी बदनाम करने की कोशिश कर लें, जब तक हमें न्याय नहीं मिल जाता, हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

बृजभूषण जैसी मानसिकता के लोगों को बढ़ावा: विनेश फोगाट

विनेश फोगाट ने भी सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा- लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को पेश किया। इस बिल के दोनों सदनों में पारित होने के बाद लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 181 हो जाएगी। इस बिल को लाने के लिए मैं सरकार को बधाई देने के साथ-साथ ये पूछना चाहती हूं कि सरकार महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण जैसे व्यक्ति को संरक्षण दे रही है। दो दिन पहले देश की एक महिला पहलवान को बदनाम करने के लिए उसके नाम से फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दी जाती है। सरकार कहां सो रही है। क्या उस महिला पहलवान को सरकार न्याय दिला पाएगी। सरकार न केवल बृजभूषण जैसे इंसान को बचा रही है, बल्कि उस जैसी मानसिकता के लोगों को बढ़ावा दे रही है। बिल आने के बाद उम्मीद करूंगी की जो 181 महिला सांसद संसद में बैठेंगी वो महिलाओं के सम्मान के लिए लड़ेंगी और महिलाओं के साथ खड़ी होंगी।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

दूर करें नाखूनों का पीलापन...

महिलाएं अपने नाखूनों को संवारना पसंद करती हैं। वे इनको ब्राइट और कलरफुल नेल पेंट्स से सजाती हैं लेकिन ये नेल पेंट नाखूनों को नुकसान पहुंचाते हैं जिसकी वजह से नाखून पीले पड़ जाते हैं। ऐसे नाखून देखने में तो खराब लगते ही है साथ ही लुक को खराब कर देते है। इन को छिपाने के लिए फिर नेल पेंट लगाना पड़ता है, लेकिन अब आपको इनको छिपाने की जरूरत नहीं। नींबू आसानी से नाखूनों के पीलेपन को कम कर सकता है। अपने नाखूनों को नींबू के रस में 10-15 मिनट तक डुबोएं और फिर एक मुलायम टूथब्रश से पीले हिस्सों को रगड़ें। इसे तब तक करें जब तक पीलापन दूर न हो जाए। एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा, आधा चम्मच ऑलिव ऑयल और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे अपने पीले नाखूनों पर लगाएं। फिर किसी ब्रश से स्क्रब करें और गुनगुने पानी से धो लें। अपने नाखूनों पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। एक नेल ब्रश की मदद से स्क्रब करें और कॉटन बॉल को गुनगुने पानी में डुबोकर साफ कर लें। नाखूनों को दिन में 2-3 बार संतरे के छिल्के से रगड़े और आपको कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा।

चावल के पानी से पाएं ब्यूटी...

क्या आपने चावल के पानी से होने वाले ब्यूटी फायदों के बारे में सुना है। अगर नहीं तो आज हम आपको बता रहे कि आप कैसे चावल की मदद से अपने बालों को खूबसूरत और स्किन को ग्लोइंग बना सकती हैं। अगर आपके बाल हेयर स्ट्रेटनर और कैमिकल्स के ज्यादा इस्तेमाल से खराब हो चुके है तो शैम्पू करने के बाद चावल के पानी से हल्के हाथों से स्कैल्प का मसाज करें। फिर 5 मिनट के बाद इन्हें पानी से धो लें। जब आप अपने बालों को स्ट्रेट करवाती है तो इससे वे काफी कमजोर हो जाते है। ऐसे में बालों की चावल के पानी से मसाज करें। चावल का पानी बालों में चमक लाने का काम करता है। चावल के पानी में रोजमैरी, लैवेंडर या टी ट्री ऑयल्स मिलाएं और इस्तेमाल करें। चावल का पानी न सिर्फ एक कमाल का कंडीशनर है बल्कि शैम्पू का काम भी करता है। इसमें पिसा हुआ आंवला या शिकाकाई मिलाकर बालों को धोएं। इससे बाल खूबसूरत होंगे। चावल के पानी को कॉटन बॉल्स की मदद से पूरे चेहरे और गर्दन पर सर्कुलर मोशन में लगाएं। इसके बाद अपने चेहरे को इसी चावल के पानी से धो लें। चावल के पानी में मौजूद विटामिन और मिनरल्स स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। यह स्किन को ग्लोइंग बनाने का काम भी करता है।

छोटी सी लाइन का जादू...

आईलाइनर एक ऐसा जादू है जो आपके लुक को बदल कर आपको ज्यादा कान्फीडेंट बना देता है। आईलाइनर की एक छोटी सी लाइन आपके मेकअप के अंदाज को ही बदल देती है। इसे लगाने के भी बहुत सारे स्टाइलिश तरीके हैं जो आपकी आंखों को खूबसूरत और अट्रैक्टिव बनाते हैं।

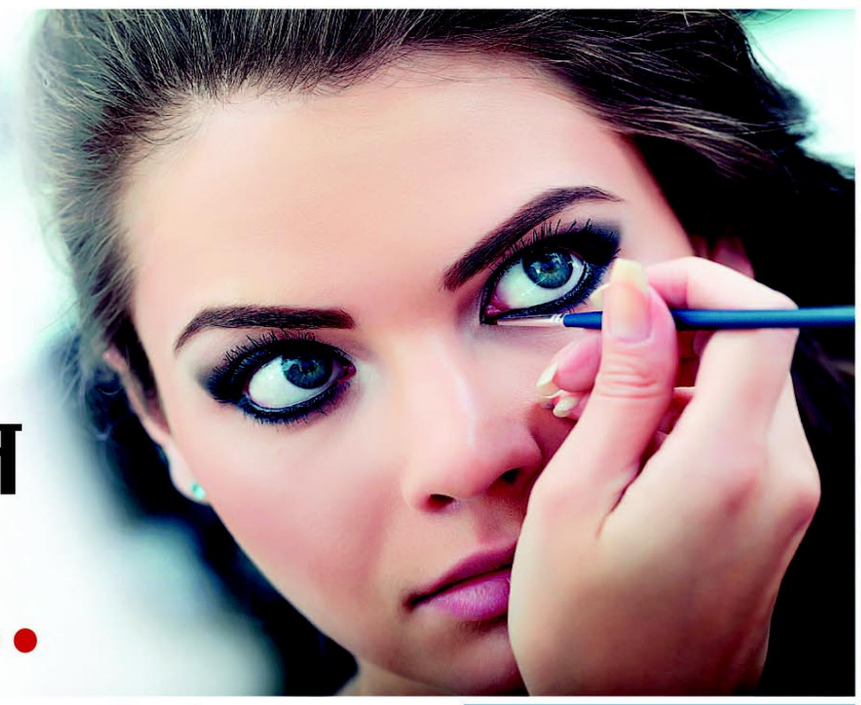

आंखों पर लोगों का ध्यान सबसे पहले जाता है। हर महिला अपनी आंखों को आकर्षक और मोहक बनाना चाहती है, ताकि वह सभी का ध्यान अपनी ओर खींच सके। संभवतः आई लाइनर महिलाओं का सबसे पसंदीदा मेकअप प्रोडक्ट होता है। आंखों में काजल तो हर महिला लगाती है लेकिन काजल के साथ अगर आईलाइनर से आंखों को टचअप दे दिया जाए तो चेहरे का लुक पूरी तरह से बदल जाता है। आंखों पर आईलाइनर लगाना एक कला है। यदि आप इसे ठीक से नहीं लगाती हैं तो यह आपके लुक को संवारने के बजाय उल्टा खराब कर देता है। इसके पीछे का कारण यह है कि अधिकतर को यह नहीं पता होता है कि आंखों में लाइनर, आंखों के आकार और अपने व्यक्तित्व के अनुरूप लगाना चाहिए। आई लाइनर को लगाने के लिए बेशक स्किल की जरूरत पड़ती है। आप इसे कई तरह से लगा सकते हैं। ऑफिस में आपको तैयार होकर जाना पड़ता है, लेकिन ऑफिस के लिए आपको इस तरह की तैयारी करनी होती है जिससे आपको फॉर्मल लुक मिले। ऐसे में आईलाइनर का सिंगल स्ट्रोक अच्छा विकल्प है। यह हमेशा से ही ट्रेंड में है और रहेगा। यदि आपकी आंखे बड़ी हैं तो थोड़ा पतला लाइनर लगाएं वही यदि आपकी आंखे छोटी हैं लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

सिंगल स्ट्रोक

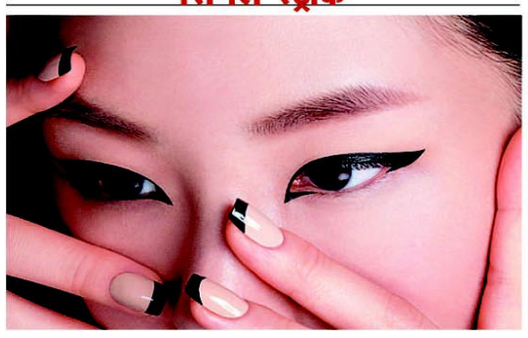

सिंगल स्ट्रोक एक ऐसा लुक है जो हमेशा ट्रेंड में रहता है। ऑफिस में सिंगल स्ट्रोक ही फॉर्मल लुक देता है। आपको शॉपिंग पर जाना हो, तो यह आपके लिए परफैक्ट च्वॉइस है। इसके लिए आप काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। छोटी आंखों के लिए लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

डबल लाइनर

महिलाएं डबल लाइनर को ट्राई करने में थोड़ी झिझक महसूस करती हैं, लेकिन नाइट फंक्शंस के लिए यह लुक एकदम परफैक्ट है। इसमें दो लाइनें आंखों के किनारे से होकर गुजरती हैं। एक ऊपर की पलकों से और दूसरी नीचे की कोल लाइन से। ग्लैमर एड करने के लिए ऊपरी पलक पर इसे थोड़ा पंख जैसा आकार दें।

कलर्ड आईलाइनर

आजकल अलग-अलग कलर्स के आईलाइनर भी काफी इन हैं। इन्हें आप अपनी ड्रेस के साथ मैच करके लगा सकती हैं। इससे आपकी आंखें तो आकर्षक लगेंगी ही, साथ ही आपका लुक भी मॉर्डन दिखेगा।

इंकी ब्लैक आईलाइनर

ब्लैक आईलाइनर के साथ आंखें बेहद खूबसूरत दिखती हैं इसके फैलने का भी डर नहीं रहता। स्कैच की तरह लगने वाला यह लाइनर बड़ी आसानी से लग जाता है।

व्हाइट आईलाइनर

व्हाइट आईलाइनर कूलेस्ट आइवेयर ट्रेंड है। व्हाइट आईलाइनर ड्रॉमैटिक लुक देता है अगर इसे ठीक से अप्लाई किया जाए। व्हाइट आइलाइनर डल और थकी आंखों में भी चमक ला देता है। जैसे आप ब्लैक आईलाइनर का इस्तेमाल करती हैं, वैसे ही व्हाइट लाइनर लगाएं। थोड़ा ग्लैमर एड करना चाहें तो आई कॉर्नर को हल्का ब्लैक टच भी दे सकती हैं।

विंग इट

अगर आप बिल्ली जैसी आंख यानी कैटी आई पाना चाहती हैं तो विंग इट का इस्तेमाल करें। आप इससे बोल्ड भी दिखेंगी और आपका नारीत्व भी खुलकर सामने आएगा। यह ट्रिक बेहद आसान है। ऊपर की पलक पर नीचे की पलक की तुलना में मोटी लाइन बनाएं। इसके बाद आंख के बाहरी कार्नर से लाइन को बाहर की ओर निकाल दें। आपका शानदार लुक तैयार है।

स्मजिंग का प्रचलन

लाइनर को लगाने के बाद उसको स्मजिंग करना काफी प्रचलन में है। यह आपकी आंखों को काफी ग्लैमरस बना देता है। दोनों पलकों पर सामान्य रूप से लाइनर लगाएं। अब इसे थोड़ा स्मजिंग करके मुलायम बनाएं। खासकर निचली पलक और ऊपरी पलके के किनारे को। प्राकृतिक और प्रभावशाली लुक देने के लिए डार्कर शैडो लगाएं और इसे स्मज किए हुए लाइनर के साथ अच्छे से मिला लें।

360 डिग्री

आईलाइनर लगाने का 360 डिग्री एक सामान्य और चर्चित तरीका है। आपको बस अपनी आंख के चारों ओर बराबर और एक जैसा आइलाइनर लगाना होगा। आपका शानदार लुक तैयार हो जाएगा। कैजुअल मेकअप और नाइट गैदरिंग में आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

केक लाइनर

1930 और 40 के दशक में केल लाइनर काफी लोकप्रिय हुआ था। एक बार फिर यह चलन में लौट रहा है। केक लाइनर से आपके चेहरे का लुक काफी बोल्ड और प्रभावी दिखेगा। और तो और इसके लिए किसी विशेष कौशल की भी जरूरत नहीं होती है। बस इतना ध्यान रखें कि आप इसे सिर्फ और सिर्फ आई लाइनर ब्रश से ही लगाएं।

आंखों को कलर करना

हर तरह के ट्रेंड में कलर देखने को मिल रहा है। फिर चाहे यह कपड़ा हो या मेकअप। काले रंग के ऊपर कलर आइ लाइनर लगाना इस समय काफी प्रचलन में है। अपने पहनावे को और ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए अपने ब्लॉउज या टाप के रंग के आई लाइनर का इस्तेमाल करें।

लाइनर के साथ ग्लिटर

फैस्टिव सीजन के लिए ग्लिटर आईलाइनर एक बेहतरीन स्टाइल है। दरहसल ग्लिटरी आई मेकअप ग्लैमर के साथ साथ चमक भी बिखेरता है। यह लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। आपको केवल इतना करना है की आईलाइनर लगाकर उस पर एक लाइन ग्लिटर की एड करनी है।

छोटी आंखों के लिए

यदि आप बिंदास, सुंदर और आधुनिक भारतीय महिला है। इसके अतिरिक्त आप जैसी भी हैं उसमें आप खुश हैं। तो आपका आईलाइनर के प्रति भी आपका नजरिया बोल्ड होना चाहिए। छोटी आंखों पर किनारे तक लिया गया लाइनर बहुत जंचता है। इसके लिए आंखों के किनारे से थोड़ी और ज्यादा लंबी लाइन बनाएं।

स्लिम लुक के लिए ऐसे चुनें कुर्ती...

महिलाएं अक्सर अपने आऊटफिट खरीदते वक्त उसके कलर और डिजाइन्स को देखती हैं। इसी गलती के कारण वे गलत आऊटफिट का चुनाव कर लेती हैं और जो उन पर बिल्कुल सुट नहीं करता। अगर आप भी अपनी कोई कुर्ती खरीदते समय ऐसा करती है तो हम आपको कुछ ऐसी बातें बताएंगे, जिससे आप सही कुर्ती भी खरीद सकेंगी और स्लिम भी दिखेंगी।

साइज का ख्याल

किसी भी आऊटफिट को खरीदते समय साइज का ध्यान जरूर रखें। पहले अपना साइज देख लें और अपनी फिटिंग के हिसाब से कुर्ती खरीदें। कोशिश करें कि अपनी साइज से एक इंच लंबी कुर्ती ही लें।

चिपकने वाले फैब्रिक्स

कभी भी ऐसे फैब्रिक्स न खरीदें जो आपकी बॉडी से चिपक जाए, क्योंकि यह मटीरियल आपको मोटा दिखाने के साथ-साथ आपके सारे कर्व्स भी उभारेगा।

बॉटम चुनें

अगर आप कुर्ती को स्टाइलिश लुक देना चाहती हैं तो इसे पलाजो और पटियाला जैसे अलग-अलग बॉटम वेयर के साथ पहनें। अगर आपकी हाइट छोटी है तो इसे लेगिंग के साथ कैरी करें।

स्ट्रेट कट

अनारकली, ए-लाइन और फ्लेयर-कट्स वाली कुर्ती में आप कभी भी स्लिम नहीं दिखेंगी। अगर आप स्ट्रेट कट वाली कुर्ती पहनेंगी तो आप स्लिम दिख सकती हैं और हाई नैक या ज्यादा कढ़ाही वाली कुर्ती तो बिल्कुल न पहने।

हैवी फैब्रिक

स्टार्च्ड कॉटन, ज्यादा कढ़ाही वाले कपड़े आपकी बॉडी को भारी और बड़ा दिखाते हैं। इसलिए सिंपल, लाइट और कम चमकीली कुर्ती का चुनाव करें।

स्लीव्स पर दें ध्यान

फुल स्लीव्स आपको मोटा दिखाती हैं, इसलिए शॉर्ट स्लीव्स ही पहनें ताकि आप स्लिम लगें। अगर आपको फुल स्लीव्स का शौक है तो आप 5 इंच की स्लीव पहन सकती हैं।

इनरवेयर

इनरवेयर की सही फिटिंग होगी तो ही कुर्ती की फीटिंग अच्छी होगी। हमेशा कुर्ती के अंदर एक अच्छी टी-शर्ट ब्रा और लो-कट लेस ब्रा ही पहनें। इससे फीटिंग परफेक्ट आएगी।

जापानियों की तरह बनाएं खाना...

पतले होने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। जिम, योग और स्लीमिंग कैप्सूल आम बात हो गई है। जंक फूड़ खाकर बच्चों के साथ अब तो बड़े भी मोटापे का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि ऐसा खाना बनाया और खाया जाए जो स्वास्थ्य के लिए अच्छा हो। इसके लिए हम जापानी तरीके अपना सकते हैं। ये लोग अपना भोजन इस तरह पकाते हैं कि इनका प्राकृतिक स्वाद और रंग नहीं बदलता। वहां के रेस्तराओं में भी खाने को इस तरह पकाया जाता है कि सब्जियां देखने में बिल्कुल ताजी दिखती हैं। हम स्वस्थ भोजन के मामले में जापानी लोगों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। उनके यहां खाना पकाने का अंदाज भी निराला है।

नाम मात्र का तेल

जापान में पालक, चावल, भाप में पकी हुई मछली, हर चीज को बेहद प्राकृतिक तरीके से पकाया जाता है। आचार को सिरका और नमक से बनाया जाता है। खाने में तेल नाम मात्र का प्रयोग किया जाता है। भारत में नाश्ते और लंच के बाद चाय-कॉफी का ज्यादा इस्तेमाल होता है। वहीं जापानी महिलाएं सुबह का नाश्ता करने के बाद चाय-कॉफी जैसी चीजें नहीं लेतीं। काम करने के दौरान भी वे इन चीजों से परहेज रखती हैं। जहां तक खाने की बात है तो खाना कई हिस्सों में थोड़ा-थोड़ा खाया जाता है। एक साथ एक बार में पेट भर खाने की बजाय पूरे दिन थोड़ा-थोड़ा खाना बेहतर होता है। इसमें भूख भी शांत रहती है। नतीजतन हम फालतू चीजें नहीं खाते। ऐसे खाने में शरीर की पाचन क्रिया पूरे दिन सक्रिय रहती है। इससे हम स्वस्थ व पतले रहते हैं।

पानी की ज्यादा मात्रा

जापान के हर घर में जो खाना बनता है उसमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है। चाहे वह हरी सब्जियां हों, मछली हो, या फिर नूडल्स। यही इन्हें स्वस्थ रखने में मदद करता है। खाने में सूप और सब्जियां खाना पचाने में मदद करते हैं और पाचन क्रिया भी सही रहती है। पानी की अधिक मात्रा से खाना जल्दी पकता है। खाना भी हेल्दी रहता है। क्योंकि पानी की ज्यादा मात्रा हमें ओवरइटिंग से बचाती है।

डेयरी उत्पाद कम

जहां तक डेयरी उत्पाद की बात है तो जापान में इसकी खपत काफी कम है। ज्यादा डेयरी उत्पाद वजन बढ़ाते हैं। मगर इसकी जगह वहां हरी सब्जियों और मछली का इस्तेमाल किया जाता है, जो उनके खाने में कैल्शियम की भरपाई कर देते हैं। ज्यादातर देशों यहां तक कि भारत में खाने में अत्याधिक तेल का इस्तेमाल किया जाता है। मगर जापानी भोजन में तेल का इस्तेमाल बेहद कम मात्रा में किया जाता है जिससे लोग मोटापे का शिकार होने से बचते हैं। खाने में अधिक तेल मोटापा और दिल की बीमारियां पैदा करता है।

मीठे का कम इस्तेमाल

खाने के बाद मीठा खाना हर भारतीय को पसंद है। मगर जापान में मीठे व्यंजन भी बेहद कम खाए जाते हैं। इसलिए यह ज्यादा हानिकारक नहीं होता। वहां ज्यादातर मीठे का बहुत ही कम मात्रा का पैकेट बनाया जाता है, जो फायदेमंद होता है। इस तरह हम जान सकते हैं कि सुपाच्य और स्वस्थ भोजन का मतलब क्या है?

जानें नियमित सैर के क्या हैं फायदे

डिप्रेशन

शोध के अनुसार जो लोग हर सप्ताह 6-9 मील चलते हैं उनमें बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त कम होने की डिमेंशिया जैसी समस्या की आशंका कम हो जाती है।

डायबिटिज

डायबिटिज में आहार पर नियंत्रण करने से काफी राहत मिलती है। यदि इसके साथ-साथ हर दिन 30 मिनट पैदल चलना शुरू किया जाए, तो टाइप-2 डायबिटिज के खतरे को भी कम किया जा सकता है।

हृदय रोग

हर दिन 30 मिनट की सैर हृदय रोग के खतरे को भी कम करती है। साथ ही इससे तनाव, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर पर काबू पाने में भी मदद मिलती है।

दर्द में राहत

हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द होने पर भी पैदल चलना एक कारगर उपाय है। इससे दर्द में राहत मिलती है। शरीर की कार्यप्रणाली दुरुस्त होती है और गतिशीलता आती है।

कैंसर

प्रति सप्ताह पैदल चलना ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ितों में मोर्टेलिटी (मृत्यु दर) के खतरे को 50 प्रतिशत कम करता है।

प्रति सप्ताह पैदल चलने वाले प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों में मोर्टेलिटी की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। जो महिलाएं नियमित सैर करती हैं उनमें कोलेन कैंसर की आशंका व्यायाम या सैर न करने वाली महिलाओं की तुलना में 31 प्रतिशत कम हो जाती है।

तनाव से राहत

सुबह या शाम की सैर एंडोरफिंस नामक न्यूरोपेप्टाइड्स को सक्रिय करती है। इससे शरीर को आराम मिलता है, बेचैनी और चिड़चिड़ेपन जैसे लक्षणों में भी सुधार होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)